आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	19°C	9°C

इनसाइड न्यूज

लखनऊ में 'अटल व्यक्तित्व, अटल विचार' विषय पर दो दिवसीय...
उत्तर प्रदेश पेज : 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

शनिवार 27 दिसंबर, 2025 / पेज : 12 / मूल्य : ₹3.00/- लखनऊ वर्ष : 17, अंक : 76 www.janexpresslive.com/epaper

'मध्यस्थता कानून की कमजोरी का संकेत... 12

जेन जी ही देश को आगे ले जाएंगे: मोदी

क्रिकेटर वैभव समेत 20 बच्चों को बाल पुरस्कार, पीएम बोले, वीर साहिबजादों ने मजहबी कट्टरता-आतंक का वजूद हिलाया

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के मौके पर नई दिल्ली में स्थित भारत मंडपम में बच्चों को संबोधित किया। भारत मंडपम में हुए आयोजन से पहले प्रधानमंत्री ने इस वर्ष वीरता पुरस्कार से सम्मानित बच्चों के साथ संवाद भी किया। बच्चों के साथ मुलाकात करने की वीडियो भी सामने आया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आज देश वीर बाल दिवस मना रहा है। अभी वंदे मातरम की सुंदर प्रस्तुति हुई। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद कर रहे हैं, जो भारत का गौरव हैं।' उन्होंने कहा, 'वीर साहिबजादे भारत के अदम्य साहस, शौर्य, वीरता की पराकाष्ठा हैं। वीर साहिबजादों ने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के सामने चट्टान की तरह खड़े हो गए। इससे मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया।'

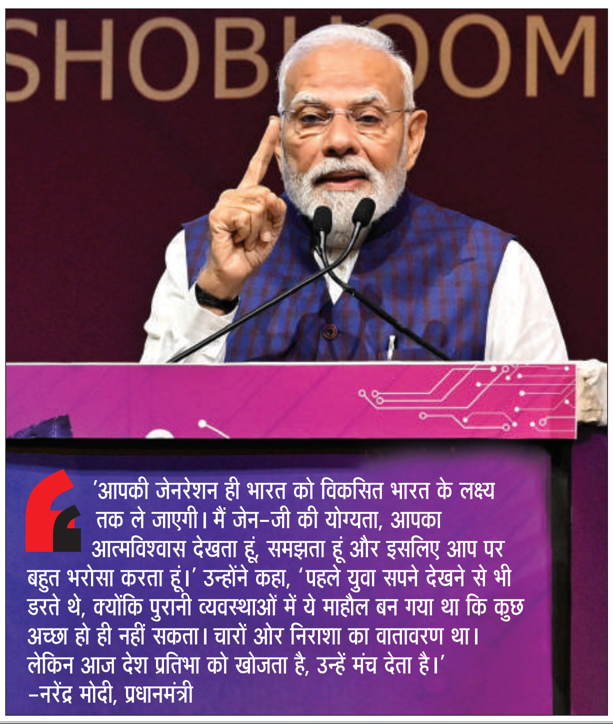

'आपकी जेनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी। मैं जेन-जी की योग्यता, आपका आत्मविश्वास देखता हूं, समझता हूं और इसलिए आप पर बहुत भरोसा करता हूं।' उन्होंने कहा, 'पहले युवा सपने देखने से भी डरते थे, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाओं में ये माहौल बन गया था कि कुछ अच्छा हो ही नहीं सकता। चारों ओर निराशा का वातावरण था। लेकिन आज देश प्रतिभा को खोजता है, उन्हें मंच देता है।'
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गुलामी की मानसिकता से देश को आजाद नहीं होने दिया गया

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने गुरु तेगबहादुर को उनके 350वें बलिदान दिवस पर याद किया था। जिन साहिबजादों के पास गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान की प्रेरणा हो, वो मुगल अत्याचारों से डर जाएंगे, ये सोचना ही गलत था। साहिबजादों के बलिदान की गाथा देश में जन-जन की जुबान पर होनी चाहिए थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी देश में गुलामी की मानसिकता हावी रही। इस गुलामी का बीज अंग्रेज राजनेता मैकाले ने 1835 में बोया था। उस मानसिकता से देश को आजादी के बाद भी मुक्त होने नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि आजादी के बाद भी देश में ऐसी सच्चाईयों को दबाने की कोशिश की गई। अब भारत ने तय किया है कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी। अब हम भारतियों के बलिदान और शौर्य की स्मृतियां दबेंगी नहीं। अब देश के नायक-नायिकाओं को हाशिये पर नहीं रखा जाएगा, और इसलिए 'वीर बाल दिवस' को हम पूरे मनोभाव से मना रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से मुक्त होते हमारे देश में, भाषाई विविधता हमारी ताकत बन रही है। पीएम मोदी ने कहा, 'जिस राष्ट्र के पास ऐसा गौरवशाली अतीत हो, जिसकी युवा पीढ़ी को ऐसी प्रेरणाएं विरासत में मिली हों, वो राष्ट्र क्या कुछ नहीं कर सकता है। जब भी 26 दिसंबर का दिन आता है, मुझे ये तसल्ली होती है कि हमारी केंद्र सरकार ने साहिबजादों की वीरता से प्रेरित होकर वीर बाल दिवस मनाना शुरू किया।'

गुजरात की 7 साल की ग्रैंडमास्टर को बाल पुरस्कार

सूरत गुजरात की रहने वाली 7 साल की शतरंज खिलाड़ी वाका लक्ष्मी प्रज्ञिका को खेल के क्षेत्र में पुरस्कार मिला। लक्ष्मी 2025 के फिडे वर्ल्ड स्कूल चेस चैंपियनशिप में अंडर-7 गर्ल्स श्रेणी में वर्ल्ड चैंपियन बनीं। उन्होंने सभी 9 मुकाबले जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया। मेडचल मलकाजगिरी तेलंगाना के रहने वाले 16 साल के विश्वनाथ कार्तिकेय पदकांति को खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पुरस्कार मिला। उन्होंने पर्वतारोहण में सातवें समिट चैलेंज हर महाद्वीप की सबसे ऊंची छोटी पर औरा अंत में हिमालय पर चढ़कर पूरा किया।

राष्ट्रपति ने कहा- बच्चों ने परिवार, समाज और देश का नाम रोशन किया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पुरस्कार पाने वाले बच्चों से कहा, 'सभी बच्चों ने अपने परिवारों, समाज और पूरे देश का नाम रोशन किया है। इसलिए, मैं इन बच्चों के परिवार वालों को भी दिल से बधाई देती हूं। मैं महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और उनकी पूरी टीम की भी तारीफ करती हूं कि उन्होंने इतने प्रतिभाशाली और होनहार बच्चों के लिए पुरस्कार समारोह आयोजित किया।'

वैभव को वीर बाल पुरस्कार क्यों मिला

14 साल के वैभव क्रिकेट में अब तक कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। अंडर-19 वर्ल्ड-कप में वैभव ने सबसे ज्यादा छक्के मारे थे। विजय हजारे टूर्नामेंट में वैभव लिस्ट-ए क्रिकेट में शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के जहूर इलाही का 39 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यवंशी ने यूएई के खिलाफ 14 सिक्स लगाकर रिकॉर्ड बना चुके हैं। अंडर-19 एशिया कप में उन्होंने 95 गेंदों पर 171 रन बना दिए। 180 की स्ट्राइक रेट से खेली गई इस इनिंग में वैभव ने 14 छक्कों के साथ 9 चौके भी लगाए।

वीर साहिबजादों को छोटी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा

'वीर साहिबजादों को छोटी सी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा। वो लड़ाई भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच थी। वो लड़ाई सत्य बनाम असत्य के बीच थी। उस लड़ाई की एक ओर गुरु गोविंद सिंह जी थे, दूसरी ओर क्रूर औरंगजेब की हुकूमत थी।' उन्होंने कहा कि हमारे साहिबजादे उस समय छोटे ही थे, लेकिन औरंगजेब की क्रूरता को इससे फर्क नहीं पड़ा। वो जानता था कि उसे अगर भारत के लोगों को डराकर उनका धर्मांतरण कराना है तो इसके लिए उसे हिंदुस्तानियों का मनोबल तोड़ना होगा। इसलिए उसने साहिबजादों को निशाना बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि भले ही पूरी मुगलिया बादशाहत उनके पीछे लग गई, लेकिन चारों साहिबजादों में से एक को भी डिगा नहीं पाई।

जेन-जी और जेन अल्फा ही विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएंगे

पीएम मोदी ने जेन-जी और जेन-अल्फा को संबोधित करते हुए कहा, 'आपकी जेनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी। मैं जेन-जी की योग्यता, आपका आत्मविश्वास देखता हूं, समझता हूं और इसलिए आप पर बहुत भरोसा करता हूं।' उन्होंने कहा, 'पहले युवा सपने देखने से भी डरते थे, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाओं में ये माहौल बन गया था कि कुछ अच्छा हो ही नहीं सकता। चारों ओर निराशा का वातावरण था। लेकिन आज देश प्रतिभा को खोजता है, उन्हें मंच देता है।' उन्होंने कहा, 'डिजिटल इंडिया की सफलता के कारण आपके पास इंटरनेट की ताकत है, आपके पास सीखने का संसाधन है। जो साइंस, टेक या स्टार्टअप्स में आगे जाना चाहते हैं तो उनके लिए स्टार्टअप इंडिया मिशन है। ऐसे तमाम मंच आपको आगे बढ़ाने के लिए हैं। आपको बस फोकस रहना है और इसके लिए जरूरी है कि आप शॉर्ट टर्म पॉपुलैरिटी की चमक-धमक में न फंसे। आपको अपनी सफलता को केवल अपने तक सीमित नहीं मानना है। आपका लक्ष्य होना चाहिए, आपकी सफलता देश की सफलता बननी चाहिए।'

साहसी और प्रतिभावान बच्चों को मिला मंच

उन्होंने कहा कि बीते चार वर्षों में वीर बाल दिवस की नई परंपरा ने साहिबजादों की प्रेरणाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है। वीर बाल दिवस ने साहसी और प्रतिभावान बच्चों के निर्माण के लिए एक मंच तैयार किया है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों से आए 20 बच्चों को ये पुरस्कार दिए गए हैं। उन्होंने पुरस्कार जीतने वाले बच्चों से कहा कि आपका ये सम्मान आपके लिए तो है ही, ये आपके माता-पिता का, आपका टीचर और मेंटर्स का भी सम्मान है। पीएम मोदी ने एक-एक बच्चे के साथ वक्त गुजारा और उनके शौर्य और पराक्रम की सराहना की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सत्यनिष्ठा के प्रतीक गुरु गोविंद सिंह आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि हर वर्ष प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल वीर पुरस्कारों के लिए आवेदन की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जब हम इन बच्चों की उपलब्धियां देखते हैं तो मन गर्व से भर उठता है। भविष्य के प्रति हमारा विश्वास और मजबूत होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल वीर पुरस्कार से सम्मानित बच्चों से कहा कि यह पुरस्कार आपके सपनों, संघर्षों और उपलब्धियों की पहचान है।

पीएम मोदी ने सुनी देशभर के सिखों की आवाज

योगी आदित्यनाथ बोले, 26 दिसंबर को घोषित किया वीर बाल दिवस

सिख गुरुओं का इतिहास भारत में भक्ति और शक्ति का इतिहास

उन्होंने आगे कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबज़ादों बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के शहीदी दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाना, उनके स्वधर्म और स्वदेश के प्रति अमर बलिदान को नमन करने का अवसर है। सिख गुरुओं का इतिहास भारत में भक्ति और शक्ति का इतिहास है। गुरु नानक देव जी ने सिख धर्म की जो अलख जगाई, उसके प्रचार-प्रसार के लिए देश के कोने-कोने में गए। गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने त्याग और बलिदान से इसे अनुकरणीय बनाया।

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

- कीर्तन पाठ करने वाले बच्चों को पटका पहनाकर और पुरस्कार देकर सम्मानित किया
- सिख गुरुओं ने स्वदेश और स्वधर्म के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की जो परंपरा स्थापित की

राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के सुपुत्रों की स्मृति में वीर बाल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष पर कीर्तन समागम हुआ। मुख्यमंत्री आवास, 5 कालिदास मार्ग पर हुआ। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर सीएम योगी ने गुरु ग्रंथ साहिब को माथे से लगाकर प्रणाम किया। इसके बाद उन्होंने शबद कीर्तन और साहिबज़ादों के अमर बलिदान की गाथा को सुना। कीर्तन पाठ करने वाले बच्चों को पटका पहनाकर और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने 'छोटे साहिबज़ादे' नाम की पुस्तिका का विमोचन भी किया। वह मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' एवं असीम अरुण के साथ लंगर में भी सम्मिलित हुए। सीएम ने बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के सिखों की आवाज सुनी। उनके समर्पण का सम्मान करते हुए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया। इसे पूरे देश में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में मनाया जा रहा है। इतिहास उन्हीं का बनता है जिनके मन में त्याग और बलिदान का भाव हो। सिख गुरुओं ने स्वदेश और स्वधर्म के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की जो परंपरा स्थापित की, वही हमारी प्रगति का मार्ग है।

यूपी की पुलिसिंग का रोड मैप होगा तैयार, दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस आज से

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

यूपी में कानून व्यवस्था को चाक-चौबंध बनाए रखने के लिए शनिवार और रविवार को वरिष्ठ पुलिस अफसरों की कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। इसमें डीजीपी कॉन्फ्रेंस की तरह ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे। कॉन्फ्रेंस में प्रदेश की पुलिसिंग का रोडमैप तैयार होगा। बैठक में दोनों ही दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। दो दिनों तक चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में सभी जोन के एडीजी रेंज, आईजी और डीआईजी शामिल होंगे। कॉन्फ्रेंस में पुलिसिंग से जुड़े अहम मुद्दों पर प्रेजेंटेशन होंगे। वहीं, साइबर, नारकोटिक्स, महिला संबंधी अपराध, बॉर्डर सिक्योरिटी, आतंकवाद, बीट पुलिसिंग, ई ऑफिस, सीसीटीएनएस पर भी प्रेजेंटेशन होंगे। बता दें कि अगले वर्ष पंचायत चुनाव होने हैं और इसके साथ ही विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं।

'बोगस फर्मे' बनाकर 500 करोड़ की कर चोरी का खुलासा, एसटीएफ ने गिरोह के आठ सदस्यों को पकड़ा

गिरफ्तार किए गए आरोपी

- दिलशाद मलिक, मेरठ
- रमेश पटेल, अशोक नगर दिल्ली (मूलनिवासी देवरिया)
- अंकुर तिवारी, नोएडा (मूलनिवासी अंबेडकरनगर)
- स्वतंत्र कुमार तिवारी, गाजियाबाद (मूलनिवासी अंबेडकरनगर)
- मोहम्मद वसीम, मेरठ
- मोहम्मद सोहेल, मेरठ
- जावेद मलिक, मेरठ
- इकरामुद्दीन, मेरठ

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

एसटीएफ ने शुक्रवार को बोगस फर्मे बनाकर 500 करोड़ की कर चोरी करने वाले गिरोह का राजफाश कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लखनऊ के पते पर छह फर्मे बनाकर करोड़ों रुपये का हेरफेर किया। आगरा मे 137 करोड़ की कर चोरी के मामले में जीएसटी विभाग ने केस दर्ज कराया था। केस की तफ्तीश में इन आरोपियों से कनेक्शन सामने आया। एसटीएफ के डीएसपी प्रमेश कुमार शुक्ला ने बताया कि मेरठ के दिलशाद मलिक, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद सोहेल, जावेद मलिक, इकरामुद्दीन, दिल्ली(मूलनिवासी देवरिया) के रमेश पटेल, नोएडा के अंकुर तिवारी (मूलनिवासी अंबेडकरनगर) और गाजियाबाद (मूलनिवासी अंबेडकरनगर) के स्वतंत्र कुमार तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी के मुताबिक, आरोपियों ने तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, झारखंड, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहारऔर असम में भी फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों का हेरफेर किया है। गिरोह में और भी लोग शामिल हैं, उनकी तलाश की जा रही है।

लखनऊ में इन फर्मों का कराया गया रजिस्ट्रेशन

गिरोह ने लखनऊ में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जिन बोगस फर्मों का रजिस्ट्रेशन कराया गया उनमें हर्ष ट्रेडर्स, इंदर इंटरप्राइजेज, आरके इंटरप्राइजेज, राहुल इंटरप्राइजेज, मार्शल इंपैक्स व कुमार ट्रेडर्स शामिल है। इन फर्मों के जरिये सर्कुलर ट्रेडिंग करते हुए खुद की और अन्य वास्तविक फर्मों को लाभ पहुंचाया गया और करोड़ों की जीएसटी चोरी की गई।

सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह में पुष्कर सिंह धामी ने किया प्रतिभाग

जन एक्सप्रेस। देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को तिब्बती मार्केट, देहरादून स्थित ओल्ड मल्टीपरपज हॉल में सासंद खेल महोत्सव-2025 के समापन समारोह कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में विजेता टीम को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न, अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि यह अवसर केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण, सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों को नमन करने का है। उन्होंने अपने जीवन से यह सिखाया कि राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का संकल्प होती है। उत्तराखंड राज्य निर्माण से लेकर देश को नई दिशा देने तक, उन्होंने हमेशा युवाओं, खिलाड़ियों और प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का सपना देखा। आज खेलों के माध्यम से जो सशक्त, आत्मविश्वासी और अनुशासित युवा भारत उभर रहा है, यह अटल जी के विचारों को सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर उनका उत्साह बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ सांसद खेल महोत्सव आज केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि गाँव-गाँव से खेल प्रतिभाओं को पहचान देने का सशक्त माध्यम बन चुका है। इस महोत्सव ने प्रदेश के युवाओं को एक ऐसा मंच दिया है, जहाँ से वे जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना रहे हैं। यह 'फिट इंडिया, स्पोर्ट्स इंडिया, स्ट्रॉन्ग इंडिया' के संदेश को धरातल पर उतारने का सशक्त उदाहरण है। इसके माध्यम से स्थानीय, पारंपरिक और लोक खेलों को पुनर्जीवित किया गया है और हर वर्ग के बच्चों को खेल के अवसर मिले हैं। खेल, युवाओं को नशे से दूर रखने और सकारात्मक दिशा देने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्द्वानी में उत्तराखंड का प्रथम खेल विश्वविद्यालय एवं लोहाघाट में महिला स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई खेल नीति के अंतर्गत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को ''आउट ऑफ टर्न'' सरकारी नौकरी प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री खेल विकास निधि, मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी योजना तथा खेल किट योजना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य के उभरते हुए युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का काम कर रही है। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राज्य के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 50-50 लाख रुपए की सम्मान राशि से भी पुरस्कृत किया गया।

राज्य में स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान लागू किया जा रहा: धामी

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने 103 पदक जीतकर राज्य के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ा है। आज उत्तराखंड को देवभूमि के साथ-साथ खेलभूमि के रूप में भी पहचाना जाने लगा है। उत्तराखंड विश्वस्तरीय 'स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर'' के मामले में भी देश के प्रमुख राज्यों में गिना जाने लगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 'स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान'' लागू किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियों की स्थापना की जाएगी। इन अकादमियों में प्रत्येक वर्ष 920 विश्वस्तरीय एथलीट और 1000 अन्य खिलाड़ी उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

उद्यमियों की समस्याओं का प्रथम प्राथमिकता पर निस्तारण हो : आयुक्त

जन एक्सप्रेस | बांदा

आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल अजीत कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में मण्डलीय उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आयुक्त ने अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ़ में पानी की उपलब्धता कराने के सम्बन्ध में क्षेत्रीय प्रबन्धक यूपीसीडा को पानी की समस्या हेतु तैयार किये गये आगणन रू0 258 लाख को संशोधित कर शीघ्र स्वीकृत कराये जाने हेतु निर्देशित किया।

उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में अतिरिक्त प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य दो माह के अन्दर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराये जाने के निर्देश यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबन्धक को दिये। औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ में स्वतंत्र विद्युत फीडर से विद्युत आपूर्ति किये जाने का कार्य 15 जनवरी, 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिये।राष्ट्रीय राजमार्ग कबरई से महोबा एवं कबरई से शहर की सड़क में बडे-बडे गड्ढों की शीघ्र मरम्मत कराये जाने हेतु परियोजना निदेशक एनएचएआई छतरपुर को निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि रोड की मरम्मत का कार्य गुणवत्तापूर्ण कराया जाए, इसकी जांच भी करायी जायेगी। उन्होंने शीघ्र राजमार्ग की टूटी लाइटों को ठीक कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र भूरागढ में रिक्त पड़ी भूमि पर कॉम्पलेक्स/मॉल सृजित करने के सम्बन्ध में यूपीसीडा कार्यालय से शीघ्र अनुमोदन प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्राम पिपरहरी तहसील जनपद में पुलिया निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो गया है, जिसे आरईएस को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने गुड लाइफ मार्केटिंग मऊ की वेयरहाउस निर्माण हेतु भूमि चिन्हित किये जाने के सम्बन्ध में उप जिलाधिकारी मऊ को भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने नन्दराज हॉस्पिटल हेतु फॉयर की एनओसी शीघ्र प्रदान किये जाने हेतु निर्देशित किया।बैठक में उन्होंने निवेष मित्र पोर्टल प्रकरणों में लम्बित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किये जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में लक्ष्य के अनुरूप शीघ्र प्रगति लाये जाने के निर्देश दिये। बैठक में उद्यमियों द्वारा लोक निर्माण विभाग के द्वारा गवई नाले का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराये जाने तथा औद्योगिक अस्थान सिविल लाइन में नाला निर्माण कार्य के गुणवत्ता की जांच कराये जाने का अनुरोध किया। उद्यमियों द्वारा संकट मोचन विद्युत सब स्टेशन से भूरागढ़ औद्योगिक क्षेत्र को जोडने हेतु मांग की गयी तथा आउटर रिंग रोड के कार्य को पूर्ण कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया। बैठक में जिलाधिकारी जे0 रीभा, अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, संयुक्त आयुक्त उद्योग, उद्यमी संतोष गुप्ता, राज कुमार राज, अशोक गुप्ता, मनोज जैन, मनोज शिवहरे सहित अन्य उद्यमीगण उपस्थित रहे।

एडीएम ने किया ग्राम समूह पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति स्वप्निल कुमार यादव ने शुक्रवार को जल जीवन मिशन की निर्माणाधीन चांदी बांगर ग्राम समूह पेयजल योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड कर्वी के ग्राम शिवरामपुर एवं बनकट का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान एडीएम ने रोड रेस्टोरेशन का कार्य संतोषजनक न पाए जाने पर सम्बन्धितों को फटकार लगाते हुए अवशेष कार्यों को जल्द पूर्ण कराकर जलापूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

ग्राम शिवरामपुर में निरीक्षण के दौरान एडीएम ने पाया कि गांव में कुल 15.1 किमी. के सापेक्ष 12.18 किमी. पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है तथा कुल 1003 के सापेक्ष 623 नग गृह जल संयोजन का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है। इसके अलावा पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त 4600 मी रोड के सापेक्ष 2180 मी. रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराया गया है। इसी प्रकार ग्राम बनकट के निरीक्षण के दौरान पाया कि ग्राम में कुल 14.57 किमी के सापेक्ष 3.18 किमी पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है तथा कुल 1180 के सापेक्ष 385 नग गृह जल संयोजन का कार्य पूर्ण कराया गया है। इसके अलावा पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त 1370 मी. रोड के सापेक्ष 936 मी. रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराया गया है। दोनों गांवों में पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ न होने तथा रोड रेस्टोरेशन कार्य संतोषजनक न पाए जाने पर एडीएम ने फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर, जल निगम के जूनियर इंजीनियर एवं टीपीआई के इंजीनियर को फटकार लगाते हुए अवशेष कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कहा कि रोड रेस्टोरेशन के कार्य मानक के अनुरूप कराएं तथा गांव के समस्त घरों में जल संयोजन का कार्य पूर्ण कराते हुये नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कराना सुनिश्चत करें। इस मौके पर जल निगम ग्रामीण के जूनियर इंजीनियर शिवम त्रिपाठी, विन्ध्यावासिनी प्रसाद चौबे, टीपीआई के साइट इंजीनियर निधीन्द्र नाथ त्रिपाठी, फर्म एलएण्डटी के प्रोजेक्ट मैनेजर प्रोविन्स कटियार आदि मौजूद रहे।

विटामिन–ए अभियान से मजबूत होगा बच्चों का स्वास्थ्य

बाल स्वास्थ्य पोषण माह का द्वितीय चरण

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

जनपद में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं कुपोषण से मुक्ति के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य एवं आईसीडीएस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बाल स्वास्थ्य पोषण माह के अंतर्गत विटामिन-ए सम्पूरण अभियान का द्वितीय चरण 27 दिसम्बर से प्रारंभ किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान नियमित टीकाकरण व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके तहत प्रत्येक वर्ष जून एवं दिसंबर माह में विशेष रूप से नौ माह से पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को सेवाएं दी जाती हैं। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह सोमवार (अतिरिक्त सत्र), बुधवार और शनिवार को वीएचएनडी एवं नियमित टीकाकरण सत्रों के माध्यम से बच्चों को लाभान्वित किया जाएगा। अभियान का मुख्य लक्ष्य बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना, पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर को कम करना, रतौंधी एवं कुपोषण से बचाव करना तथा छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही समुदाय में आयोडीन युक्त नमक के उपयोग को बढ़ावा देना है, ताकि बच्चों में शारीरिक विकृतियों की संभावना कम हो सके।

बाल स्वास्थ्य पोषण माह के दौरान नौ माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक दी जाएगी। वहीं, नौ से 12 माह के बच्चों को खसरे का प्रथम टीका तथा 16 से 24 माह के बच्चों को खसरे का द्वितीय टीका विटामिन-ए की निर्धारित खुराक के साथ दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त बच्चों का वजन मापा जाएगा और अति कुपोषित बच्चों को उपचार के लिए संदर्भित किया जाएगा। माताओं को छह माह तक केवल स्तनपान और उसके बाद पूरक आहार के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। बताया कि विटामिन-ए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व है। प्रदेश में लगभग आधे बच्चों में इसकी कमी का खतरा बना रहता है, जिससे बीमारी और मृत्यु दर बढ़ सकती है। नियमित रूप से वर्ष में दो बार विटामिन-ए की खुराक दिए जाने से सभी कारणों से होने वाली मृत्यु में 25 प्रतिशत, खसरे से होने वाली मृत्यु में 50 प्रतिशत तथा अतिसार से होने वाली मृत्यु में 30 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जनपद में इस अभियान के दौरान कुल 1,24,251 बच्चों को विटामिन-ए की खुराक देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

शहर कांग्रेस कमेटी ने पूर्व पीएम डा. मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

जन एक्सप्रेस | बांदा

शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा देश के दो बार प्रधानमंत्री रहे, पूर्व वित्त मंत्री एवं अर्थशास्त्री **'डॉ. मनमोहन सिंह'** की पुण्यतिथि के अवसर पर एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, सादगी, सरलता, उदारता और देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष 'अफसाना शाह' ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह सादगी और ईमानदारी की मिसाल थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन में देशहित को सर्वोपरि रखा और कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत आर्थिक दिशा प्रदान की। आज ऐसे व्यक्तित्व की कमी देश ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर महसूस की जा रही है। अफसाना शाह ने कहा कि डा. मनमोहन सिंह ने बिना किसी दिखावे के राष्ट्रसेवा की और आमजन, गरीब, मजदूर तथा वंचित वर्ग के उत्थान के लिए नीतियां बनाईं। उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राजबहादुर कुशवाहा, प्रभु यादव, शिवबाकी पांडेय, रफत जान, शब्बीर, रफत बानो, के. कढ़ी सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का समापन दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति की कामना के साथ किया गया।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री की स्मृति में आयोजित हुआ विधानसभा क्षेत्र सम्मेलन

जन एक्सप्रेस | बांदा

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में विधानसभा क्षेत्र में सम्मेलन का आयोजन हुआ।कार्यक्रम ब्लाक सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान मौजूद लोगों ने अटल जी के राष्ट्रसेवा, सुशासन, लोकतांत्रिक मूल्यों और विचारधारा को याद कर उनके व्यक्तित्व के बारे में बताया। शुक्रवार को ब्लाक परिसर में क्षेत्रीय विधायक ओम मणि वर्मा ने अटल जी के बारे उनके उद्देश्य बताते हुए नीतियों को आम जन तक पहुँचाने का संकल्प दिलाया।

इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे पूर्व राज्यमंत्री चंद्रिका उपाध्याय ने अटल जी राजनीति जीवन और उनकी सादगी का बखान किया।इस दौरान विशिष्ठ अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी जिला प्रभारी रामकिशोर साहू ब्लाक प्रमुख नरैनी मनफूल पटेल, जिलाउपाध्यक्ष प्रेमनानारायण, जिला मंत्री अखिलेश नाथ दीक्षित, जिला मंत्री देवेंद्र सिंह भदौरिया, हरिचंद्र सोनकर,सहित चारों मंडल के अध्यक्ष और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वीर बालक दिवस पर बच्चों ने प्रस्तुत किया पर्यावरण सम्बन्धी मॉडल

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

जिला मुख्यालय के शंकर बाजार स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शुक्रवार को वीर बालक दिवस के अवसर पर उत्साह, प्रेरणा और नवाचार से परिपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के शारीरिक, बौद्धिक और नैतिक विकास की झलक प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक कुंवर आशीष सिंह, जिला प्रचारक लोकेंद्र, डॉ आलोक तथा प्रधानाचार्य गिरजाकांत बुधौलिया ने दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। शुभारंभ अवसर पर सभी ने वीर बालकों के शौर्य और बलिदान को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और परिश्रम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। वीर बालक दिवस के उपलक्ष्य में विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ रिबन काटकर किया गया। जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण से संबंधित विविध शैक्षिक मॉडल, चार्ट और प्रयोग प्रस्तुत किए। बच्चों की रचनात्मक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मेहनत को देखकर सभी ने प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रदर्शनी के बाद आयोजित बाल मेले में विद्यार्थियों ने अपनी स्वयं की बनाई वस्तुओं की छोटी-छोटी दुकानें सजाईं। जिनकी दुकानों पर जाकर सभी ने खरीदारी की। इससे विद्यार्थियों में उद्यमशीलता, आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की भावना विकसित हुई। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन कौशल, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण से भी जुड़ी होती है।

महाविद्यालय की जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिश कतई बर्दाश्त नहीं : छात्र नेता प्रिंस

जन एक्सप्रेस | बांदा

पंडित जवाहरलाल नेहरू बी.एड. महाविद्यालय के प्रांगण पर किसी सरकारी संस्थान द्वारा अवैध कब्जे की खबरों ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए छात्र नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज महाविद्यालय के प्राचार्य से मुलाकात कर वस्तुस्थिति जानी और कड़ा विरोध दर्ज कराया।

प्राचार्य ने छात्र नेताओं को बताया कि पूर्व में भी जिला पंचायत जनपद द्वारा इस परिसर को खाली कराने का प्रयास किया गया था, जिसे छात्र आंदोलन के चलते विफल कर दिया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि सन 1964 से महाविद्यालय की नींव इसी प्रांगण से पड़ी थी और तब से निरंतर यहाँ बी.एड. की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। प्राचार्य ने आश्वासन दिया कि वे जमीन के संरक्षण हेतु पत्राचार कर रहे हैं।मुलाकात के दौरान छात्र नेताओं ने दो टूक शब्दों में अपना पक्ष रखा। अभय प्रताप सिंह ने कहा कि यदि महाविद्यालय की जमीन पर कब्जा हुआ, तो वर्तमान और पूर्व छात्र पदाधिकारी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।लव सिन्हा (छात्र नेता, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय) ने महाविद्यालय प्रशासन से इस मामले में कड़ी विधिक कार्रवाई की मांग की दान दे के लेना कही का न्याय नहीं है। शैलेंद्र कुमार वर्मा ने संकल्प दोहराया कि महाविद्यालय की जमीन को किसी भी कीमत पर कब्जा नहीं होने दिया जाएगा और आखिरी सांस तक संघर्ष जारी रहेगा। छात्रों को शिक्षा से अनाथ नहीं होने देंगे।दीपक गुप्ता ने मांग की कि यदि इस साजिश में महाविद्यालय का कोई कर्मचारी संलिप्त पाया जाता है, तो उसे तत्काल निलंबित किया जाए। इस अवसर पर वरिष्ठ छात्र नेता सभाजीत यादव भी मौजूद रहे। सभी छात्र नेताओं ने सामूहिक रूप से चेतावनी दी कि यदि कब्जे की कोशिशें बंद नहीं हुईं, तो वे अनशन शुरू करेंगे।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने किया चुंगी चैलेंज कप टूर्नामेन्ट का शुभारम्भ

जन एक्सप्रेस | बांदा

मौसम में शर्दीली हवाओं का प्रवेश होने के साथ ही क्रिकेट जगत में भी गर्मी का समावेश हो गया है। दिनांक 26दिसम्बर को शहर में चुंगी चैलेंज कप टूर्नामेन्ट का शुभारम्भ वरिष्ठ भाजपा नेता व बुन्देलखण्ड लाइव के सम्पादक श्याममोहन धुरिया के द्वारा उदघाटन कर खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। बतौर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा नेता श्याममोहन धुरिया ने कहा कि आज खेल के मैदानों को पूरी तरह से खत्म किया जा रहा है। खेल के मैदान खत्म हो रहे हैं हमें फोकस करना चाहिए हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार हर जिले में खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखार रही है। शहर के अतर्रा चुंगी पुलिस चौकी के पास आयोजित हुये क्रिकेट टूर्नामेन्ट में खिलाड़ियों से परिचय लेने के बाद टूर्नामेन्ट का शुभारम्भ किया गया। वरिष्ठ भाजपा श्याम धुरिया ने कहा कि इस तरह के टूर्नामेन्ट आयोजित होते रहने से क्रिकेट के नये नये खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और हुनर दिखाने का अच्छा मौका मिलता है। टूर्नामेन्ट प्रभारी इशरत खान ने बताया कि आज दो शिफ्ट में चार टीमें मैच खेलेंगी जिसमें पहला मैच कबरे पुरवा और जी सी सी बघेहटा के बीच नेता जी की मौजूदगी में खेल शुरू हुआ जिसमें पहली पारी में कबरे पुरवा बारह ओवर दो गेंदों दस विकेट के नुकसान पर अस्सी रन बनाए वही नेता जी की मौजूदगी तक संघर्ष करती हुई दूसरी टीम जी सी सी बघेहटा ने आठ ओवर पांच गेंदों में सात विकेट के नुकसान पर सत्तर रन बनाए। इस दौरान सत्येंद्र शुक्ला,विक्की बनिया, शाहरुख खान, तरुण नंदा, बालेंद्र तिवारी, शुभम सिंह रघुवंशी, कमलेश तिवारी समेत आज आदि लोग उपस्थित रहे।

सत्या को मिली प्रांत सह सोशल मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने संगठनात्मक मजबूती और सोशल मीडिया के माध्यम से नई दिशा देने के उद्देश्य से सत्या पांडेय को प्रान्त सह सोशल मीडिया संयोजक बनाया है। यह नियुक्ति परिषद के प्रांतीय नेतृत्व द्वारा की गई, जिसे लेकर कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया प्रेमी छात्रों में उत्साह का माहौल है।नवनियुक्त प्रांत सह सोशल मीडिया संयोजक सत्या पाण्डेय ने कहा कि प्रांतीय नेतृत्व द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में छात्रशक्ति को संगठित करने का कार्य करती है। जिसके तहत वह भी निरंतर सक्रियता के साथ संगठनात्मक क्षमता के विकास एवं विद्यार्थियों के हित में कार्य करेंगे। इसके पूर्व में भी सत्या पाण्डेय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभिन्न दायित्वों जिला सोशल मीडिया संयोजक एवं प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य जैसे दायित्व का निर्वहन कर चुके हैं और 2019 से परिषद से जुडे हुए है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रांत स्तर की जिम्मेदारी मिलना संगठन निष्ठा, सत्तत परिश्रम एवं छात्रहित के प्रति समर्पण का परिणाम है।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाया जन्मदिन

जन एक्सप्रेस/बांदा। परिवार की गोद में जन्मदिन की मिठास बांटने के बजाय, बेसहारा बुजुर्गों की मुस्कान में खुशियां सजाने का अनोखा संकल्प लेते हुए समाजसेवी दयाराम निषाद ने गुरुवार को शहर के नरैनी रोड स्थित वृद्धाश्रम में अपना जन्मदिन मनाया। वृद्धों के कांपते हाथों से केक कटवाकर उत्सव की शुरुआत हुई, और सभी 80 बुजुर्गों को ताजे फल (केला व सेब) वितरित कर उनका हार्दिक आशीर्वाद ग्रहण किया। यह न केवल एक जन्मदिन था, बल्कि समाज को अपनापन सिखाने वाला प्रेरणादायक संदेश भी।

पाठा क्षेत्र के होनहारों को बड़े मंच पर प्रतिभा प्रदर्शन का मिला मौका

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए शुक्रवार को जवाहर नवोदय विद्यालय मानिकपुर से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की टीम को कार्यक्रम स्थल बड़नगर, गुजरात के लिए रवाना किया गया। प्रेरणा उत्सव के नोडल विद्यालय जवाहर नवोदय विद्यालय मानिकपुर के प्राचार्य राजेश बाबू ने बताया कि यह उत्सव विद्यार्थियों में देशभक्ति, नेतृत्व क्षमता, सांस्कृतिक चेतना एवं प्रेरणादायक मूल्यों के विकास के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिलेगा। बताया कि कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली टीम में जवाहर नवोदय विद्यालय की छात्रा भाग्यवती और पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कॉलिज ऊंचाडीह का छात्र शिवम् पाल और शिक्षक के रूप में जवाहर नवोदय विद्यालय मानिकपुर की शिक्षिका शीला यादव शामिल है। विद्यालय परिवार ने टीम की सफल सहभागिता की कामना की है।

नाला खुदवाकर जल भराव की समस्या का एसडीएम ने कराया निराकरण

जन एक्सप्रेस/चित्रकूट। मऊ नगर पंचायत क्षेत्र के अंबेडकर नगर वार्ड में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या का शुक्रवार को उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने नाला खुदवाकर निस्तारण कराया। मोहल्लेवासियों ने बताया कि वार्ड में नाली न होने के कारण रास्तों पर लगातार पानी भरा रहता था, जिससे आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसके संबंध में उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन को एक शिकायती पत्र सौंपा गया था। शिकायत मिलने के बाद शुक्रवार को उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने तत्काल मौके का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और समस्या के समाधान के लिए नगर पंचायत टीम को मौके पर बुलाकर नाला बनाने के लिए रास्ता खुदवाया। जेसीबी की मदद से नाला खुदवाकर पानी की निकासी सुनिश्चित की गई। उन्होंने नगर पंचायत को तत्काल प्रभाव से नाले का निर्माण कार्य पूरा करने के भी निर्देश दिए। एसडीएम की इस कार्रवाई से अंबेडकर नगर के निवासियों को 12 महीने से चली आ रही जलभराव की समस्या से निजात मिली है।

प्रशिक्षण में कृषि सखियों को बताई गईं खेती की बारीकियां

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान के तुलसी कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवां में पांच दिवसीय कृषि सखियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके समापन अवसर पर शुक्रवार को सभी प्रतिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ राजेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती, जीवामृत-घनजीवामृत निर्माण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कीट-रोग प्रबंधन और दशपर्णी अर्क, नीमाघ निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को कृषि से जुड़े विभिन्न कार्यों में प्रशिक्षित करना है, ताकि वह आत्मनिर्भर बन सकें और किसानों को तकनीकी सहायता प्रदान कर सकें। कहा कि सभी प्रतिशिक्षित कृषि सखियां अब अपने क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देंगी और किसानों को रसायन मुक्त खेती के लिए प्रेरित करेंगी।

उप जिलाधिकारी ने गरीबों को बांटे कंबल

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

ठंड से बचाव के दृष्टिगत शुक्रवार को मऊ नगर क्षेत्र के टिकरा टोला में उप जिलाधिकारी रामऋषि रमन ने गरीब, असहाय, विधवा और विकलांग लोगों को कंबल वितरित किए। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी दिखी। उप जिलाधिकारी ने बताया कि कंबल वितरण कार्यक्रम का उद्देश्य गरीब व असहाय लोगों को ठंड से राहत दिलाना है।

कहा कि आगे भी गरीब और असहाय लोगों को कंबल वितरित किए जाएंगे। उन्होंने इस संबंध में लेखपालों को निर्देश दिए ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब, असहाय, विधवा और विकलांग लोगों की सूची बनाकर उन्हें कंबल उपलब्ध कराएं ताकि वह ठंड से सुरक्षित रह सकें। उप जिलाधिकारी ने चिन्हित स्थलों पर अलाव का भी निरीक्षण किया तथा सीएससी, बस स्टैंड और रैन बसेरा का दौरा किया। व्यवस्थाओं का जायजा लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि रैन बसेरा में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें और ठंड को देखते हुए चिन्हित स्थलों पर अलाव की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी।

लखनऊ एक्सप्रेस

हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive

एच1बी वीजा में देरी और रद्दीकरण पर...

विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों से जुड़े मामलों को लेकर भारत सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि वह अपने नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वीजा परेशानियों, सुरक्षा से जुड़े मामलों, भगोड़े अपराधियों की वापसी और विदेशों में भारतीय... पढ़ें पेज 12 पर...

लखनऊ में 'अटल व्यक्तित्व, अटल विचार' विषय पर दो दिवसीय भव्य आयोजन संपन्न

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

मानव प्रगति सेवा संस्थान एवं सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 'अटल व्यक्तित्व, अटल विचार' विषय पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय आयोजन 25 व 26 दिसम्बर 2025 को लखनऊ में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के अवसर पर उनके विचारों, व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया। मानव प्रगति सेवा संस्थान वर्ष 1986 से उत्तर प्रदेश में सामाजिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय संस्थान की सचिव आकांक्षा शुक्ला द्वारा किया गया, जिनके नेतृत्व में कार्यक्रम को गरिमामय स्वरूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 25 दिसम्बर 2025 को डिप्लोमा इंजीनियरिंग संघ भवन, लखनऊ में प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक राज्य स्तरीय बाल निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारधारा व देश के प्रति उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री सुनील भराला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन राष्ट्रभक्ति, संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है, जिससे विद्यार्थियों को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस 26 दिसम्बर 2025 को आईएमआरटी कॉलेज, गोमती नगर, लखनऊ में दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक समापन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी रहे। संगोष्ठी में समाज, शिक्षा, संस्कृति एवं राजनीति क्षेत्र से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने सहभागिता की और अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व, कवि हृदय, दूरदर्शी नेतृत्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी न केवल एक कुशल राजनेता थे, बल्कि वे विचारों की दृढ़ता, संवाद की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतीक थे। उनका जीवन आज भी युवाओं और समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के समापन पर मानव प्रगति सेवा संस्थान की ओर से सभी अतिथियों, प्रतिभागी विद्यार्थियों, सहयोगी संस्थाओं एवं सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

ईमानदार विवेचना की जीत, यूपी पुलिस का बढ़ा मान

- होटल ताज में गूंजा आलमबाग का नाम, इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र बने 'पुलिस प्राइड'

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

जब अपराध के जाल में फंसा सच ईमानदार विवेचना की धार से बाहर आता है, तब पुलिस पर जनता का भरोसा और मजबूत होता है। उत्तर प्रदेश पुलिस के ऐसे ही निर्भीक, कर्मठ और पेशेवर अधिकारी आलमबाग थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र को उनकी बेमिसाल विवेचना और निष्पक्ष कार्यशैली के लिए प्रदेश के सबसे प्रतिष्ठित 'पुलिस प्राइड - बेस्ट इन्वेस्टिगेशन' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 23 दिसंबर 2025 को ताज महल होटल, लखनऊ में आयोजित भव्य समारोह में एक अखबार की 'पुलिस प्राइड' पहल के तहत यह सम्मान प्रदान किया गया। राजधानी के प्रतिष्ठित मंच से सम्मानित होकर इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र ने न सिर्फ आलमबाग थाना बल्कि पूरे यूपी पुलिस बल का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया।

डीजीपी बोले, यही हैं यूपी पुलिस की असली ताकत

समारोह में मौजूद डीजीपी उत्तर प्रदेश राजीव कृष्ण (आईपीएस) ने कहा कि इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र जैसे अधिकारी ही पुलिस की असली ताकत हैं। सीमित संसाधनों में भी निष्पक्ष, तेज और ठोस विवेचना कर अपराधियों को कानून के शिकंजे में लाना आसान काम नहीं, लेकिन ऐसे अफसर इसे संभव बनाते हैं।

बिना दबाव, बिना समझौते की पहचान

एक अखबार के ब्रांच हेड (यूपी-उत्तराखंड) अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि 'पुलिस प्राइड सम्मान उन जांबाज़ पुलिसकर्मियों को समर्पित है, जो किसी दबाव में आए बिना सिर्फ कानून और न्याय के लिए काम करते हैं।

विवेचना से बदली मामलों की दिशा

इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र की पहचान गहन और वैज्ञानिक विवेचना, सटीक साक्ष्य संकलन,समयबद्ध कार्रवाई के लिए रही है। उनकी जांचों ने न केवल कई जटिल मामलों की दिशा बदली, बल्कि पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाकर पुलिस की साख को मजबूत किया।

पुलिस प्राइड: वर्दी के नायकों को मंच

'पुलिस प्राइड' पहल का उद्देश्य उन पुलिसकर्मियों को सम्मान देना है, जो सुर्खियों से दूर रहकर समाज की सुरक्षा में दिन-रात जुटे रहते हैं। इस उपलब्धि पर पुलिस महकमे के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने भी इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जब पुलिस मजबूत होती है, तभी समाज सुरक्षित होता है।

बीकेटी में भाजपा जिलाध्यक्ष पदाधिकारीयों ने की संगोष्ठी, विधायक हुए शामिल

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ जिले में वीर बाल दिवस पर भारतीय जनता पार्टी जिला लखनऊ द्वारा बख्शी का तालाब स्थित श्रीपति लॉन में जिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विजय मौर्य द्वारा की गई, संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक योगेश शुक्ला ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि वीर बाल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि साहस उम्र का मोहताज नहीं होता गुरु गोविंद सिंह के छोटे साहिबजादों साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह ने धर्म आस्था और सत्य के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था हम सभी साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह के अतुलनीय साहस को नमन करते हैं उनका सर्वोच्च बलिदान हमें सिखाता है कि चाहे कितनी भी कीमत चुकानी पड़े लेकिन आस्था सत्य धर्म और न्याय के लिए दृढ़ता के साथ खड़े रहना चाहिए ।संगोष्ठी में वीर बाल दिवस पर एक लघु फ़िल्म का भी प्रदर्शन किया गया। संगोष्ठी में क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा अरुण सिंह अभियान के संयोजक विवेक सिंह, सह संयोजक सरदार नरेंद्र सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अरविंद यादव, रवि प्रकाश तिवारी, मोर्चा अध्यक्ष, पदाधिकारी समेत जिले के पदाधिकारी मंडल के अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता मौजूद रहें।

लखनऊ के रास्ते चलेगी आला हजरत एक्सप्रेस, हो सकेगी भुज की सीधी यात्रा

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

यूपी के बरेली से भुज (गुजरात) के बीच चलने वाली आला हजरत एक्सप्रेस जल्द ही लखनऊ से भी गुजरेगी। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने बोर्ड को इसका विस्तार पीलीभीत, मैलानी, लखीमपुर, सीतापुर के रास्ते लखनऊ जंक्शन तक करने का प्रस्ताव भेजा है। इसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। ट्रेन से दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात तक पहुंच आसान हो जाएगी। प्रस्ताव के अनुसार, गाड़ी संख्या 14311 आला हजरत एक्सप्रेस लखनऊ जंक्शन से सोमवार, बुधवार, शुक्रवार को रात 10 बजे चलकर सीतापुर से रात 12:10 बजे, लखीमपुर से 12:52 बजे, गोला से रात 1:22 बजे, मैलानी से रात दो बजे, पूरनपुर से रात 2:55 बजे, पीलीभीत से सुबह चार बजे, इज्जतनगर से सुबह 5:10 बजे चलकर सुबह 6:35 बजे बरेली पहुंचेगी। उसके आगे ट्रेन अपने तय समयानुसार संचालित होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 14312 बरेली से मंगलवार, बृहस्पतिवार व शनिवार को रात 9:25 बजे चलकर इज्जतनगर से रात 10:05 बजे, पीलीभीत से रात 11:10 बजे, पूरनपुर से रात सवा बारह बजे, मैलानी से रात 1:10 बजे, गोला से रात 1:32 बजे, लखीमपुर से रात 2:02 बजे, सीतापुर से रात 2:45 बजे चलकर सुबह पौने पांच बजे लखनऊ जंक्शन पहुंचेगी। आला हजरत एक्सप्रेस के उपरोक्त रैक भेल्दी के रास्ते चलाए जाएंगे। इसी क्रम में मेहसाणा के रास्ते चलने वाली ट्रेन नंबर 14321 आला हजरत एक्सप्रेस लखनऊ जंक्शन से रविवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार, शनिवार को और 14322 आला हजरत एक्सप्रेस भी बरेली से सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को इसी समय सारिणी से चलेगी।

एडेड महाविद्यालयों के 115 शिक्षकों को मिला एकल तबादला

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

प्रतीकात्मक फोटो

उच्च शिक्षा विभाग ने लंबे समय से इंतजार कर रहे अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) महाविद्यालयों के शिक्षकों को एकल तबादले का लाभ दिया है। इसके तहत 115 शिक्षकों को तबादले का लाभ मिला है। इसमें प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर शामिल हैं। उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव शकील अहमद सिद्दीकी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि एकल तबादले की अनुमति दोनों महाविद्यालयों के प्रबंध तंत्र की अनापत्ति के आधार पर दी गई है। इससे संबंधित पूरा उत्तरदायित्व संबंधित प्रबंध तंत्र का होगा। इस संबंध में कोई भी सूचना गलत पाए जाने पर एकल तबादले का आदेश स्वतः निरस्त माना जाएगा।

गांव, गरीब और किसानों के उत्थान को समर्पित डबल इंजन की सरकार: केशव

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

- सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचाना प्राथमिकता
- उपमुख्यमंत्री ने 'ग्राम चौपाल' में जनता से किया सीधा संवाद

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित 'ग्राम चौपाल' में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर स्थानीय जनता को संबोधित किया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'डबल इंजन' की सरकार गाँवों के विकास और गरीबों के कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। ग्राम चौपालों का उद्देश्य शासन और जनता के बीच की दूरी को समाप्त करना है ताकि विकास योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुँच सके। उपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का निरीक्षण किया और महिलाओं के उद्यमशीलता की सराहना की।विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की चाबी, बच्चों व महिलाओं के लिए पोषाहार और सहायता सामग्री वितरित की।उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुन अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।उन्होंने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का आह्वान किया कि वे केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल विधायक राम फेरन पाण्डेय भाजपा जिलाध्यक्ष मिश्रीलाल वर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के लिए 'जीरो फेटेलिटी' का लक्ष्य तय

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को शून्य करने के लक्ष्य के साथ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह को 'जीरो फेटेलिटी माह' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 1 जनवरी से शुरू होकर 31 जनवरी तक चलेगा। प्रदेश का परिवहन, पुलिस, लोक निर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज और सूचना विभाग सहित सभी स्टेकहोल्डर विभागों को समन्वित रूप से कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। सभी जनपदों में 25 दिसंबर से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सड़क सुरक्षा माह के दौरान चलाये जाने वाले विशेष अभियानों की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

31 दिसंबर को मनाई जाएगी श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ

- धार्मिक अनुष्ठान आज से, 2 जनवरी तक चलेंगे कार्यक्रम
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे मुख्य अतिथि, योगी होंगे साथ

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

रामनगरी अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ 31 दिसंबर को श्रद्धा, भव्यता और धार्मिक उल्लास के साथ मनाई जाएगी। श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को संपन्न हुई थी, लेकिन वर्षगांठ का निर्धारण हिंदू पंचांग के अनुसार किया जा रहा है। इसी परंपरा के तहत पहली वर्षगांठ 11 जनवरी को मनाई गई थी। दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत 27 दिसंबर से होगी। मुख्य समारोह 31 दिसंबर को होगा, जबकि पूजन-अनुष्ठान और अन्य धार्मिक कार्यक्रम 2 जनवरी तक चलते रहेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे। श्रृंखला के तहत 29 दिसंबर से सांस्कृतिक आयोजनों की शुरुआत होगी, जिसमें विविध धार्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।श्रद्धालुओं की सुविधा और सुव्यवस्थित आवागमन को ध्यान में रखते हुए अंगद टीला तक पहुंचने के लिए सुग्रीव पथ से आने-जाने की व्यवस्था की गई है। 31 दिसंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर में ध्वजारोहण भी करेंगे। वे प्रतिष्ठा द्वादशी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके साथ उपस्थित रहेंगे।

योगी सरकार का 'सबको हुनर, सबको काम' पर फोकस

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

योगी सरकार के नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ने की दिशा में कौशल विकास मिशन के तहत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने की। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने निर्देश दिए कि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मिशन मोड में संचालित करते हुए कार्यों में तेजी लाई जाए। हॉस्पिटैलिटी, अकाउंटेंसी, हेल्थकेयर सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ प्रशिक्षण को जोड़ा जाए, जिससे प्रदेश के युवाओं को स्मार्ट लर्निंग और उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण प्राप्त हो सके।डॉ. हरिओम ने कहा कि सबको हुनर, सबको काम के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नामचीन ब्रांड्स के साथ साझेदारी अत्यंत आवश्यक है। ब्रांड-आधारित प्रशिक्षण से न केवल युवाओं को ब्रांड सर्टिफिकेशन मिलेगा, बल्कि उन्हीं ब्रांड्स में रोजगार के अवसर भी सहज रूप से उपलब्ध होंगे, जिससे प्लेसमेंट की संभावनाएं और अधिक मजबूत होंगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रशिक्षार्थियों की नियमित ट्रैकिंग एवं मॉनिटरिंग की जाए। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद रोजगार प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की भी प्रभावी निगरानी की जाएताकि प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के परिणामों का वास्तविक आकलन किया जा सके।बैठक में यूपीएसडीएम के मिशन निदेशक पुलकित खरे, अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह, वित्त नियंत्रक संदीप कुमार तथा संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

देश का उभरता डिजिटल हब बन रहा यूपी

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

- आईटी सेक्टर को मिला नया विस्तार, पंजीकृत हुई 400 कंपनियां

उत्तर प्रदेश तेजी से देश के प्रमुख आईटी और डिजिटल हब के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लागू की गई नीतियों और मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था का असर अब धरातल स्टार पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। प्रदेश में आईटी कंपनियों का विस्तार हो रहा है, जो रोजगार सृजन निवेश, तकनीकी नवाचार के नए अवसर पैदा कर रही हैं। इनमें से सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया एसटीपीआई के अंतर्गत प्रदेश में 400 आईटी कंपनियां पंजीकृत हैं। उत्तर प्रदेश में संचालित आईटी कंपनियों में स्टार्टअप्स, मध्यम उद्यम और वैश्विक स्तर की बड़ी कंपनियां शामिल हैं। ये कंपनियां सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आईटीईएस क्लाउड सर्विसेज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई आधारित सेवाओं पर कार्य कर रही हैं। आईटी विशेषज्ञ प्रदीप यादव का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की टेक्नोलॉजी सेक्टर को बढ़ावा देने विज़न से आईटी कंपनियों का उत्तर प्रदेश की ओर रुझान बढ़ रहा है।नोएडा और ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े आईटी गंतव्य के रूप में स्थापित हो चुके हैं। जो डेटा सेंटर और नई तकनीकों पर आधारित सेवाएं प्रदान करने का काम कर रही हैं। कानपुर और वाराणसी जैसे शहर भी तेजी से उभरते डिजिटल केंद्र बन रहे हैं, जिससे प्रदेश के संतुलित विकास को मजबूती मिल रही है। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के अंतर्गत प्रदेश में 400 इकाइयां पंजीकृत हैं। ये इकाइयां आईटी निर्यात में अहम भूमिका निभा रही हैं। आईटी विशेषज्ञों का कहना है कि वर्ष 2026 तक प्रदेश में एसटीपीआई पंजीकृत इकाइयों की संख्या 500 से अधिक हो जाएगी।उत्तर प्रदेश में माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, एचसीएल, विप्रो, इंफोसिस, पेटीएम और एडोब जैसी प्रमुख कंपनियां बड़े स्तर पर संचालन कर रही हैं। 90 ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स जीसीसी स्थापित किए जा चुके हैं, जहां रिसर्च और उच्च स्तरीय सेवाओं पर काम हो रहा है। इन कंपनियों की मौजूदगी से प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर काम करने का अवसर मिल रहा है। सरकार की स्किल डेवलपमेंट योजनाओं के अंतर्गत युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

यीडा बनेगा उत्तर भारत का सबसे बड़ा मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट और इंडस्ट्रियल हब

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र को देश के सबसे महत्वाकांक्षी मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित कर रही है। इस समग्र योजना का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को निवेश, उद्योग, लॉजिस्टिक्स और रोजगार के क्षेत्र में राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। विजन का केंद्र नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर है, जो उत्तर भारत का सबसे बड़ा एविएशन, लॉजिस्टिक्स गेटवे बनेगा।यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एसीईओ शैलेन्द्र कुमार भाटिया के मुताबिक योगी सरकार की प्राथमिकता है कि एयर, रोड, रेल, आरआरटीएस, एक्सप्रेसवे पांचों माध्यमों से निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाए। इसके तहत 8 लेन एक्सेस कंट्रोल यमुना एक्सप्रेसवे को एयरपोर्ट से सीधे जोड़ा गया है, जिससे दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक तेज आवाजाही संभव होगी। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के माध्यम से हरियाणा और उत्तराखंड की सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी, जबकि दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे बल्लभगढ़ इंटरचेंज के जरिए जेवर एयरपोर्ट से जुड़कर सबसे बड़े औद्योगिक, वाणिज्यिक कॉरिडोर को सीधा लाभ पहुंचाएगा।

यूपी में ब्राह्मण सहभोज पर नोटिस से गरमाई यूपी की सियासत, 'जाति बनाम विकास' की बहस फिर तेज

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

- भाजपा संगठन की सख्ती से असहज विधायक, विपक्ष ने साधा निशाना, पार्टी बोली, जाति नहीं, विचारधारा हमारी पहचान

भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष द्वारा ब्राह्मण विधायकों के सहभोज कार्यक्रम को लेकर नोटिस जारी किए जाने के बाद सियासी तापमान अचानक बढ़ गया है। कड़ाके की ठंड के बीच इस फैसले ने राजनीतिक गलियारों में गर्मागर्म बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं या फिर किसी खास वर्ग को लेकर अलग नजरिया अपनाया जा रहा है। मामला तब तूल पकड़ गया जब ब्राह्मण जनप्रतिनिधियों द्वारा आयोजित सहभोज कार्यक्रम पर पार्टी संगठन ने आपत्ति जताते हुए लिखित स्पष्टीकरण मांगा। इसके बाद पार्टी के भीतर और बाहर यह चर्चा तेज हो गई कि जब क्षत्रिय, वैश्य और अन्य समाजों से जुड़े जनप्रतिनिधियों की बैठकों और कार्यक्रमों पर कोई कार्रवाई नहीं होती, तो केवल ब्राह्मण सहभोज को ही अनुशासनहीनता क्यों माना गया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के मौके पर सामने आए इस विवाद ने सियासी मायने और बढ़ा दिए हैं। पार्टी के अंदरखाने असंतोष की खबरें हैं। कुछ विधायक इसे अपने समाज को जोड़ने का प्रयास बता रहे हैं, जबकि संगठन इसे जाति-आधारित राजनीति की श्रेणी में रख रहा है। हालांकि, सार्वजनिक मंचों पर अधिकतर नेता खुलकर बोलने से बचते नजर आ रहे हैं। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संगठन का रुख साफ करते हुए कहा कि जाति-आधारित सहभोज और बैठकें भाजपा के संविधान और विचारधारा की भावना के अनुरूप नहीं हैं। उनका कहना है कि ऐसे आयोजनों से समाज में गलत संदेश जाता है और पार्टी अनुशासन सर्वोपरि है। भाजपा का स्पष्ट संदेश है कि वह जाति या परिवार नहीं, बल्कि विकास, राष्ट्रवाद और विचारधारा के आधार पर राजनीति करती है।

इस घटनाक्रम के बाद यह सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या भाजपा में ब्राह्मण नेतृत्व धीरे-धीरे हाशिए पर जा रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसी विभूतियों की विरासत वाले दल में इस मुद्दे ने नई बहस को जन्म दे दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मामला केवल सहभोज तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे बदलते सामाजिक समीकरण और संगठनात्मक अनुशासन की बढ़ती सख्ती भी है।

उधर, विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सरकार और भाजपा संगठन पर हमला तेज कर दिया है। विपक्ष का आरोप है कि अन्य समाजों की बैठकों पर आंख मूंद ली जाती है, जबकि ब्राह्मण जनप्रतिनिधियों पर कार्रवाई कर दोहरा मापदंड अपनाया जा रहा है। वहीं, भाजपा इस आरोप को खारिज करते हुए कह रही है कि जाति-आधारित राजनीति किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है।

कुल मिलाकर, सर्द हवाओं के बीच यूपी की सियासत में गर्माहट साफ महसूस की जा सकती है। अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि यह विवाद जल्द शांत होता है या आने वाले दिनों में किसी बड़े राजनीतिक घटनाक्रम की भूमिका बनता है। इतना तय है कि प्रदेश की राजनीति में 'जाति बनाम विकास' की बहस एक बार फिर केंद्र में आ गई।

रत्नेश हत्याकांड का खुलासा, दो नाबालिगों सहित पांच गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में लाठी-डंडों से पीटकर की गई थी हत्या,पुलिस ने बरामद किए हथियार

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जनपद के मुंशीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पिंडारा ठाकुर गांव में हुए 23 वर्षीय रत्नेश मिश्रा हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस जघन्य वारदात में पुलिस ने दो नाबालिगों सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि एक फरार आरोपी की तलाश में दबिशें दी जा रही हैं। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लाठी-डंडे भी बरामद कर लिए हैं। घटना तीन दिन पूर्व की है,जब रत्नेश मिश्रा शौच के लिए घर से बाहर गए थे।

इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते उन पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल रत्नेश को परिजन अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा तो परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंचे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया, जिसके बाद अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने नामजद अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपियों के बीच पूर्व से आपसी रंजिश चली आ रही थी। इसी रंजिश के चलते 23 दिसंबर की शाम आरोपियों ने रत्नेश को अकेला पाकर हमला कर दिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में 21 वर्षीय अंकित यादव उर्फ लालू यादव, 27 वर्षीय पंकज यादव पुत्र शिवपूजन यादव, शिवपूजन यादव पुत्र रामेश्वर यादव सहित दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कानून के तहत सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी और फरार आरोपी को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।इस हत्याकांड के खुलासे से जहां पुलिस को सफलता मिली है, वहीं गांव में शांति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। पुलिस प्रशासन ने लोगों से कानून व्यवस्था बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की है।

डिवीजनल टैलेंट सर्च एग्जामिनेशन में सेंट जेवियर्स विद्यालय के बच्चों का दबदबा

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मेधावी छात्रों ने मंडलीय प्रतिभा खोज परीक्षा मे बलरामपुर तहसील से प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर परचम लहराया है। जानकारी के अनुसार 25 दिसंबर को श्री जगदम्बा शरण सिंह महाविद्यालय जनपद गोण्डा में 9 जनपदों में आयोजित डिवीजनल टेलेंट सर्च एग्जामिनेसन (DTSE- 2026)में से गोण्डा एवं बलरामपुर के विजेताओं को पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये । इस टेलेंट सर्च प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल बलरामपुर कक्षा 8 के युवराज सिंह तोमर एवं तेजस ओझा ने बलरामपुर तहसील स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जनपद स्तर पर कक्षा 8 के सर्वज्ञ तिवारी ने 10 वां स्थान प्राप्त किया। पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह द्वारा इन बच्चों को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं 1100 रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक सुयश कुमार, सह निदेशिका सुजाता आनंद एवं प्राचार्य आसिम रूमी ने विजेता बच्चों को शुभकामनायें प्रेषित करते हुए उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना की।

बिना सुरक्षा उपकरण जर्जर मकान तोड़ना पड़ा भारी

मलबे में दबकर मजदूर की मौत

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जनपद मुख्यालय गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कस्बे के वार्ड नंबर चौबीस में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। पुराने और जर्जर मकान को बिना सुरक्षा मानकों के तोड़ने के दौरान अचानक छत भरभरा कर गिर पड़ी, जिसकी चपेट में आने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 24 निवासी अरुण यादव का पुराना और जर्जर मकान ठेकेदार के माध्यम से गिरवाया जा रहा था। मकान तोड़ने का कार्य बिना किसी सुरक्षा उपकरणों और मानकों के कराया जा रहा था।मजदूर जैसे ही दीवार तोड़ने का कार्य कर रहे थे,तभी अचानक मकान की छत भरभरा कर गिर पड़ी।छत गिरते ही मौके पर काम कर रहे अन्य मजदूर किसी तरह अपनी जान बचाकर भाग निकले, लेकिन परशुराम नामक मजदूर मलबे के नीचे दब गया।हादसे की सूचना मिलते ही आस पास के लोग मौके पर जुट गए।

तत्काल जेसीबी मशीन मंगवाकर मलबा हटवाया गया और गंभीर रूप से घायल मजदूर को बाहर निकाला गया।परशुराम लगभग 40 वर्ष, निवासी दादूपुर थाना मुंशीगंज को आनन-फानन में जिला अस्पताल ले जाया गया,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

सूचना पर गौरीगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है,कि मकान गिराने का कार्य बिना सुरक्षा मानकों के कराया जा रहा था।

फिलहाल परिजनों की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर ठेकेदार व अन्य जिम्मेदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह हादसा एक बार फिर निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कार्यों में सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े करता।

मां गायत्री शक्तिपीठ में हिन्दू सम्मेलन

सनातन एकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र चेतना पर हुआ मंथन

जन एक्सप्रेस । अमेठी

गायत्री नगर स्थित माँ गायत्री शक्तिपीठ अमेठी में गुरुवार को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु,समाजसेवी,बौद्धिक वर्ग और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

पूरे आयोजन में अनुशासन और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। सम्मेलन के मुख्य अतिथि अयोध्या धाम से पधारे महन्त विमल दास जी महाराज ने शास्त्रीय प्रमाणों के माध्यम से जाति-प्रथा की भ्रांतियों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का मूल संदेश समानता,करुणा और समरसता है। समाज में ऊंच-नीच का भाव धर्म की विकृति है,ना कि उसकी परंपरा। उन्होंने कहा कि भारत अनादिकाल से हिन्दू राष्ट्र रहा है।और इसकी सांस्कृतिक पहचान सनातन मूल्यों से ही निर्मित है। उन्होंने सभी वर्गों से एकजुट होकर संस्कृति संरक्षण का आह्वान किया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत ग्राम विकास प्रमुख रजनीश ने कहा कि समाज के सभी महापुरुषों का सम्मान और उनके आदर्शों का अनुसरण ही सशक्त राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता के बिना राष्ट्र निर्माण की कल्पना अधूरी है।और हर नागरिक की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है।कार्यक्रम के संरक्षक एवं समाजसेवी दिनेश तिवारी ने कहा कि जो व्यक्ति हीन-भावना से ऊपर उठकर समाज हित में कार्य करता है,वही सच्चे अर्थों में हिन्दू कहलाने योग्य है। उन्होंने सामाजिक भेदभाव को समाप्त कर समरस समाज के निर्माण पर बल दिया।

सम्मेलन के संयोजक डॉ.त्रिवेणी सिंह ने भी हिन्दू समाज को संगठित रहने और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। सम्मेलन का संचालन आरएसएस नगर कार्यवाह डॉ.दिलीप सिंह ने किया। इस अवसर पर साहित्यकार अभिजित त्रिपाठी, अनिरुद्ध मिश्र, दिलीप जायसवाल, अशोक बरनवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सम्मेलन का समापन सनातन एकता और राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

वीर बाल दिवस पर आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के तहसील तुलसीपुर मुख्यालय स्थित आदि शक्ति मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल में गुरुवार को वीर बाल दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन पूरे श्रद्धा, उत्साह के साथ किया गया। यह दिवस साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान और उनकी वीरता को याद करते हुए मनाया गया।

जानकारी के अनुसार 26 दिसंबर को आयोजित वीर बाल दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ डी पी सिंह द्वारा साहिबजादों के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में प्राचार्य ने साहबजादों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह का बलिदान विश्व इतिहास की वह गौरवगाथा है, जो हमें सिखाती है कि धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए उम्र नहीं, बल्कि हौसला बड़ा होना चाहिए। आज के युवाओं को उनके जीवन से साहस और नैतिक मूल्यों की शिक्षा लेनी चाहिए। विद्यालय के शिक्षकों ने बोलते हुए कहा कि किस प्रकार छोटी सी आयु में भी उन्होंने अन्याय के सामने शीश नहीं झुकाया और इतिहास में अमर हो गए।

अटल जन्म शताब्दी समारोह: प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

जन एक्सप्रेस । अमेठी

भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई की जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर जनपद में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में कलेक्ट्रेट स्थित एनआई सी में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर लखनऊ में हुए राज्य स्तरीय आयोजन का सजीव प्रसारण देखा गया। लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल बसंत कुंज योजना सेक्टर-जे में 65 एकड़ में विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया। जिसका लाइव प्रसारण अधिकारियों कर्मचारियों एवं उपस्थित नागरिकों ने देखा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी संजय चौहान ने भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेई के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने अटल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात सुशासन सप्ताह के अंतर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुसाफिरखाना में आयोजित जनपद स्तरीय भाषण,काव्य पाठ एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रिंस कुमार को 10,000 रुपये, द्वितीय स्थान पर शताक्षी तिवारी को 5,000 रुपये तथा तृतीय स्थान पर आकृति तिवारी को 2,500 रुपये का प्रतीकात्मक चेक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर साधना यादव, द्वितीय स्थान पर स्वास्तिक सिंह एवं तृतीय स्थान पर दिशा सिंह को क्रमशः 10,000, 5,000 एवं 2,500 रुपये का प्रतीकात्मक चेक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।वहीं निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रियाशी यादव, द्वितीय स्थान पर तनिषका तथा तृतीय स्थान पर वंशिका पाण्डेय को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।इस अवसर पर जिलाधिकारी संजय चौहान ने अटल बिहारी बाजपेई के प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं विचारों पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं से उनसे प्रेरणा लेकर राष्ट्र विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डीआईओएस डॉ.राजेश द्विवेदी, बीएसए संजय तिवारी,प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष शिक्षक संघ अमेठी धीरेंद्र प्रताप सिंह सहित अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षकगण,छात्र- छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पूर्व प्रधानमंत्री का 101वां जन्मोत्सव

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पायनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज में गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेयी का 101 वां जन्म दिवस धूमधाम से मनाया गया।

जानकारी के अनुसार 25 दिसम्बर को शहर के अग्रेंजी माध्यम विद्यालय पॉयनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कॉलेज में पूर्व प्रधानमंत्री **'भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म दिवस'** धूमधाम से मनाया गया। पायनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज के प्रबन्ध निदेशक डा0 एमपी तिवारी एवं उप प्रधानाचार्या शिखा पाण्डेय ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनका नमन किया।

उन्होंने बच्चों को बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी (25 दिसंबर 1924-16 अगस्त 2018) भारत के तीन बार के प्रधानमंत्री थे। वे पहले 16 मई से 1 जून 1996 तक तथा फिर 1998 मे और फिर 19 मार्च 1999 से 22 मई 2004 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। वे हिंदी कवि पत्रकार व एक प्रखर वक्ता थे। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में एक थे और 1968 से 1973 तक उसके अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने लंबे समय तक राष्ट्रधर्म, पन्चजन्य, और वीर अर्जुन राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत अनेक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन भी किया। अटल जी चार दशकों तक भारतीय संसद के सदस्य थे। लोकसभा, निचले सदन, दस बार और दो बार राज्य सभा, ऊपरी सदन में चुने गए थे। इन्होंने आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लेने के कारण इन्हें भीष्म पितामह भी कहा जाता है। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आयुश, स्वरा, विष्णु, वैभव, उन्नति, इलमा, आदित्य एवं शास्वत ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में अपना-अपना विचार प्रस्तुत किया।

इसी क्रम चित्रकला में साहवी, अनुष्का, मिनाक्षी, आकर्ष, दक्षेस, आस्था, मानविक, तनय शंशाक, आदित्य एवं सुधा ने अपनी-अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रबन्ध निदेशक ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्या शिखा पाण्डेय अध्यापक अध्यापिकाओं में अशोक कुमार शुक्ला, अशोक चौहान, अविनाश, विजय शंकर एवं उर्वशी शुक्ला उपस्थित होकर **''पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिवस''** मनाया।

बेकाबू ट्रक ने बाजार में मचाई तबाही

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में डीह थाना क्षेत्र के भरतगंज बाजार में उस वक्त चीख पुकार मच गई, जब एक तेज जा रहे अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे चल रहे कई राहगीरों को भीषण टक्कर मारते हुए भागने की कोशिश क, इस भीषण हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जहां घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया और सभी घायलों का इलाज चल रहा है। फिलहाल पुलिस इस मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला भरतगंज बाजार का बताया जा रहा है। एक तेज ट्रक अचानक बेकाबू होता हुआ आया और ट्रक ने सबसे पहले एक ठेले वाले को टक्कर मारी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस कारण ट्रक कंटेनर का चालक गाड़ी को भगाकर ले जाने की कोशिश करने लगा, तभी सड़क पर चल रहे राहगीरों और बाजार में सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदते हुए वह आगे जाकर रोका गया, इस घटना के बाद बाजार में अपरा-तफरी मच गई।

जिले में संचालित हो रहे हैं 159 अधिकृत आधार केंद्र, चरणबद्ध तरीके से और आधार केंद्रों का किया जाएगा विस्तार

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

आम नागरिकों को आधार नामांकन एवं आधार संशोधन सुविधा सुलभ, पारदर्शी, सुरक्षित एवं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा एक व्यापक आधार सेवा नेटवर्क स्थापित किया गया है। इसके अंतर्गत बाल विकास एवं पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा विभाग, बैंक, डाक विभाग, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक तथा कॉमन सर्विस सेंटरों के माध्यम से कुल 159 अधिकृत आधार केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत 05 आधार केंद्र संबंधित बाल विकास परियोजना कार्यालयों पर संचालित हैं, जहां 0-05 वर्ष एवं 0-18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का नया आधार नामांकन एवं संशोधन किया जा रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 14 बीआरसी आधार केंद्र–बीआरसी बलरामपुर, पचपेड़वा, गैसड़ी, उतरौला, गैंड़ास बुजुर्ग, हर्रैया सतघरवा, रेहरा बाजार आदि विकास खंड संसाधन केंद्रों–पर कार्यरत हैं, जहां 0-18 वर्ष आयु वर्ग हेतु नामांकन एवं संशोधन की सुविधा उपलब्ध है। कॉमन सर्विस सेंटर (ई-गवर्नेंस) के अंतर्गत 05 आधार केंद्रों पर नया नामांकन एवं संशोधन तथा 43 जन सेवा केंद्रों पर केवल आधार संशोधन की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त जनपद के प्रमुख बैंकों में स्थित 07 बैंक आधार केंद्रों–जैसे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया वीर विनय चौक एवं उतरौला, बैंक ऑफ बड़ौदा संतोषी माता मंदिर के पास बलरामपुर, इंडियन बैंक पचपेड़वा एवं गैसड़ीपर सभी आयु वर्ग के नागरिकों को आधार नामांकन एवं संशोधन की सुविधा उपलब्ध है। डाक विभाग के 07 आधार केंद्रों में प्रधान डाकघर पर सभी आयु वर्ग के लिए तथा पचपेड़वा, तुलसीपुर, सदुल्लानगर, मथुरा बाजार, परसपुर आदि पोस्ट ऑफिसों पर 0-18 वर्ष आयु वर्ग हेतु आधार सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विशेष रूप से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे बच्चों के आधार नामांकन को सुगम बनाने हेतु इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की 70 मूवेबल (चलित) किट पचपेड़वा, तुलसीपुर, उतरौला बाजार, मथुरा बाजार, सदुल्लानगर, श्रीदत्तगंज, हर्रैया सतघरवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में संचालित की जा रही हैं, जबकि श्रीटान प्राइवेट लिमिटेड की 08 मूवेबल किट (कृषक शिशु विद्यापीठ, लो0 मा0 तिलक इंटर कॉलेज पचपेड़वा, आदिश त्कि मां पाटेश्वरी स्कूल भावनियापुर तुलसीपुर, ग्रामीण इंटर कॉलेज गौरा चौराहा गैसड़ी, डिवाइन पब्लिक स्कूल बलरामपुर, राजकीय इंटर कॉलेज इटईरामपुर गैंडास बुजुर्ग, 0-18 वर्ष आयु वर्ग के लिए कार्यरत हैं।

भारत रत्नों पूर्व प्रधानमंत्री व महान शिक्षाविद् की जयंती पर किया गया नमन

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के एमडीके बालिका इंटर कॉलेज में गुरुवार को %भारत रत्नों% की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए गए । कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई तथा महान शिक्षाविद् महामना पंडित मदन मोहन मालवीय को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए

जानकारी के अनुसार 25 दिसंबर को एमडीके बालिका इंटर कॉलेज महान शिक्षाविद् महामना पंडित मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती अत्यंत श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्या नीलम भारती ने दोनों विभूतियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने दोनों महापुरुषों के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला । प्रधानाचार्या ने बताया कि %महामना%पंडित मदन मोहन मालवीय आधुनिक भारत के महानतम शिक्षाविदों में से एक थे। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (ब्ला) के रूप में राष्ट्र को विद्या का ऐसा मंदिर दिया, जहाँ भारतीय संस्कारों और आधुनिक विज्ञान का संगम हुआ। उनका नारा %सत्यमेव जयते% आज भी हमारा राष्ट्रीय आदर्श वाक्य है। पंडित अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि वे एक ऐसे राजनेता थे जिनकी स्वीकार्यता दलगत राजनीति से ऊपर थी। एक प्रखर वक्ता और ओजस्वी कवि के रूप में उन्होंने %परमाणु शक्ति संपन्न भारत% का सपना साकार किया। उनका सुशासन और सिद्धांतों के प्रति समर्पण सदैव वंदनीय रहेगा। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएं प्रगति श्रीवास्तव, गिरजेश कुमारी, अपर्णा उपमन्यु, सारिका श्रीवास्तव, वंदना पाण्डेय, संतोष श्रीवास्तव, तबस्सुम एवं वरसिया ने भी महापुरुषों के जीवन प्रसंग साझा कर छात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम में बीएड के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और वर्तमान समय में इन आदर्शों की प्रासंगिकता पर बल दिया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान विद्यालय की समस्त छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनएसपीएस त्रिपुला में क्रिसमस डे पर आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में क्रिसमस पर्व हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं सांस्कृतिक रंगों के साथ मनाया गया साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु यीशु मसीह के जीवन और उनके संदेशों को स्मरण करते हुए किया गया। विद्यार्थियों में प्रेम, करुणा, सेवा और भाईचारे के भाव को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले क्रिसमस के त्योहार पर छात्रा आराध्या ने प्रभु यीशु मसीह के जीवन, उनके त्याग और मानवता के लिए दिए गए संदेशों को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत क्रिसमस गीत ने पूरे वातावरण को भक्ति और आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण नाट्य प्रस्तुति रही, जिसमें छात्र अनुभव ने प्रभु यीशु मसीह की भूमिका निभाई, वहीं छात्र अनुमेहा ने मदर मैरी की भूमिका में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से सभी को भावविभोर कर दिया, इन प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रभु यीशु के जन्म और उनके संदेशों को जीवंत रूप में दर्शाया गया।

बुजुर्ग महिला को बंधक बनाकर लूटने वाले छह शातिर बदमाश गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

शहर कोतवाली क्षेत्र में करीब 6 दिन पहले बुजुर्ग महिला को बंधक बनाकर घर में लूट की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का शहर कोतवाली पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह के छह बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है।साथ ही लूट के गहने व नकदी भी बरामद कर ली है। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि 21 दिसंबर को शहर के गांधी नगर इलाके में बदमाशों ने बुजुर्ग महिला को जबरन उनके घर में घुसकर बंधक बनाकर आभूषण व नकदी लूट लिए थे। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। शहर कोतवाली इंस्पेक्टर शिवशंकर सिंह की टीम ने सक्रियता दिखाते हुए महज पांच के दिन भीतर सभी आरोपियों को पकड़ कर उनके पास से लाखों के गहने व नकदी बरामद कर ली है। एएसपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में लालगंज कोतवाली के बहाई निवासी दीपक मौर्य,अवधेश मौर्य,सौरभ मौर्य,प्रिंस कुमार पिंटू राम व डलमऊ थाना के पखरौली निवासी प्रदीप शामिल हैं। इनके पास से लूट के लाखों के गहने व नकदी बरामद हुई है।एएसपी ने बताया कि आरोपियों में दीपक मौर्या और प्रिंस मौर्या आपराधिक इतिहास वाले हैं। इस लूट की पूरी साजिश दीपक मौर्या ने रची थी, जिसने वारदात से पहले कई महीनों तक पीड़ित के घर की रेकी की थी। वारदात के दिन रात करीब 8:30 बजे जब कृष्ण कुमार पांडेय घर पर मौजूद नहीं थे तभी दीपक मौर्या अपने दो साथियों के साथ उनके घर में घुस गया। आरोपियों ने पांडेय की पत्नी को नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश कर बंधक बना लिया और घर से करीब चार लाख रुपए के जेवर तथा सवा लाख रुपए नकद लूटकर फरार हो गए थे। बदमाशों को पकड़ने में शहर कोतवाल शिवशंकर सिंह, दरोगा कपिल चौहान, अंकुर दुबे, अवधेश यादव की अहम भूमिका रही।वहीं एएसपी ने लूटकांड का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को 5 हजार रुपए का नगद इनाम दिया है।

मंदिर से चोरी हुई बेशकीमती अष्टधातु की मूर्तियां बरामद, चार गिरफ्तार

रायबरेली। दस दिन पहले डलमऊ के रामपुर बरारा गांव स्थित मंदिर से चोरी हुई अष्टधातु की मूर्तियां पुलिस ने बरामद की हैं। 70 किलो की तीन मूर्तियों के साथ पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है व एक आरोपित की तलाश की जा रही है। गांव निवासी राजाराम वाजपेयी ने 14 दिसंबर को पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सुबह छह बजे वह घर के पास बने पूर्वजों द्वारा बनवाए गए मंदिर की सफाई करने गए। उन्होंने देखा कि मंदिर का ताला टूटा हुआ है और अंदर स्थापित तीन मूर्तियां गायब हैं। राजाराम ने बताया कि मूर्तियां अष्टधातु की है और करीब 200 वर्ष पुरानी है। राजाराम की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया। जांच के आधार पर एसओजी, डलमऊ व गदागंज पुलिस ने गुरुवार को डलमऊ के पखरौली गांव के पास चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। इनमें डीह के कल्लू मिश्र का पुरवा मजरे पोठई निवासी आयुष त्रिवेदी, फिरोज गांधी कालोनी कोतवाली नगर निवासी शिवांक उर्फ शिवा, गदागंज के बीबा नहर निवासी अमन कुमार व भदोखर के पूरे माधव बख्श मजरे चकबल्लिहार निवासी अभिषेक यादव को गिरफ्तार किया गया है।

पति को मौत के घाट उतारने वाली पत्नी हुई गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिठूर पति को कुल्हाड़ी से पति को मौत के घाट उतारने वाली हत्यारिन पत्नी बोली कि साहब पति घर शराब लाता था और पति साथ में शराब पिलाता था जिससे उसकी आदत पड़ गई थी, शराब के बाद दोनों के बीच विवाद होता था और रोज़ रोज़ कि कलह से वह ऊब गई थी, घटना वाले दिन भी वह शराब पीकर घर गई और पति भी शराब के नशे में था, जिसके बाद विवाद हुआ और उसने अपना आपा खो दिया जिसके बाद उसने बेलन और सिलबट्टे से उसके ऊपर कई वार कर दिए, इसके बाद घर से एक किलोमीटर दूर रहने वाले ससुरालीजनों को एक्सीडेंट की जानकारी दी।

घर परिजन पहुँचे तो महिला सबूत मिटा रही थी

बिटोला देवी ने बताया कि पति हरिशंकर दिव्यांग हैं। परिवार में तीन बेटे पप्पू (45),संतोष व जीतू हैं। पप्पू मजदूरी करता था। वर्ष 2019 में पप्पू की शादी बांदा तिंदवारी के तेरहीं माफी गांव निवासी वीरांगना देवी के साथ हुई थी। दोनों का एक चार साल का बेटा जय है।

मां बिटोला ने बताया कि शादी के कुछ समय बाद से ही बहू आए दिन बेटे से झगड़ा करती थी। चार साल पहले हम लोगों को घर से निकाल दिया। जिसके बाद से वह पति और छोटे बेटे संतोष व जीतू के साथ घर से एक किलोमीटर दूर झोपड़ी बनाकर रहती थीं! दोनों, नशे में धुत होकर झगड़ा करते थे बुधवार सुबह 9 बजे वीरांगना, पौत्र जय के साथ पनकी में रहने वाली अपनी दो शादीशुदा बहनों से मिलने के लिए गई थी, जबकि पप्पू काम पर गया था। शाम सात बजे करीब वह जब घर वापस आई तो शराब के नशे में धुत थी। पप्पू के घर लौटने पर उसका झगड़ा हो गया, जिसके बाद उसने गुस्से में आकर एक के बाद एक कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर दिए।

पुलिस ने किया गिरफ्तार महिला बोली ऊब गई थी साहब

घटना को अंजाम देने के बाद फरार महिला को मंधना से गिरफ्तार कर लिया पूछताछ के दौरान महिला ने पुलिस को बताया कि वह रोज़ रोज़ होने वाली कलह से ऊब गई थी

चकमार्ग पर पक्का निर्माण कर अतिक्रमण

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर। बिल्हौर तहसील क्षेत्र के ग्राम नोनहा कलां में सरकारी चकमार्ग पर अवैध अतिक्रमण का मामला सामने आया है। ग्राम त्रिलोकपुर निवासी किसानों ने उपजिलाधिकारी बिल्हौर को प्रार्थना-पत्र सौंपकर चकमार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।किसानों के अनुसार उनकी कृषि भूमि ग्राम नोनहा कलां में स्थित है, जिसके समीप से चकमार्ग संख्या 396 व 345 गुजरते हैं। आरोप है कि गाटा संख्या 395 व 392 के काश्तकारों द्वारा चकमार्ग पर जबरन बाउंड्रीवाल खड़ी कर पक्का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे सरकारी चकभूमि पर अवैध कब्जा हो रहा है। प्रार्थना-पत्र में बताया गया है कि राजस्व अभिलेखों में चकमार्ग की चौड़ाई लगभग दो लट्ठे दर्ज है, लेकिन मौके पर मार्ग को काफी संकरा छोड़ा गया है। इससे ट्रैक्टर व अन्य कृषि यंत्रों का आवागमन बाधित हो रहा है और किसानों को खेती-किसानी में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि चकमार्ग संख्या 396 व 345 पर हो रहे अवैध पक्के निर्माण को तत्काल रुकवाया जाए तथा नक्शे के अनुसार चकमार्ग को पूर्ण रूप से खुलवाया जाए।

दुधवा-गौरीफंटा बस सेवा को मिला विस्तार, प्राकृतिक पर्यटन को मिलेगा नया बढ़ावा: जयवीर सिंह

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में हाल ही में जन्मे एक सींग वाले गैंडे के शावक इन दिनों पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बने हुए हैं, जिससे बच्चों सहित बड़ों में भी यहां आने को लेकर रुची काफी बढ़ती जा रही है। इसी को लेकर दुधवा नेशनल पार्क व आसपास के क्षेत्रों में प्रकृति-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लखनऊ के कैसरबाग बस स्टेशन से चलने वाली विशेष एसी 2×2 बस सेवा को अब दुधवा से आगे अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित गौरीफंटा तक विस्तारित कर दिया गया है। पहले यह बस सेवा केवल दुधवा तक सीमित थी और मुख्य रूप से नेचर व वाइल्डलाइफ प्रेमियों के लिए संचालित होती थी, लेकिन पर्यटकों के अन्य जगहों पर घूमने व बेहतर कनेक्टिविटी की जरूरत को देखते हुए इसका विस्तार किया गया। ठंड के मौसम में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां बाघ, एक सींग वाला गैंडा, हाथी, हिरण, बारहसिंगा और तेंदुए जैसे दुर्लभ वन्यजीवों के साथ नन्हे गैंडे को देखने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं।नई व्यवस्था के तहत, यह बस सुबह 8:00 बजे कैसरबाग से रवाना होकर दोपहर 2:00 बजे गौरीफंटा पहुंचेगी। वापसी में बस 2:30 बजे गौरीफंटा से चलकर 3:00 बजे दुधवा पहुंचेगी और फिर 3:30 बजे दुधवा से लखनऊ लौटते हुए रात 9:00 बजे कैसरबाग पहुंचेगी। इसके साथ ही लखनऊ से दुधवा का किराया 487 तथा लखनऊ से गौरीफंटा तक 536 तय किया गया है। इस नई सेवा से दुधवा, कतर्नियाघाट और गौरीफंटा के जंगलों में आने वाले प्रकृति प्रेमियों को बेहद सुविधा मिलेगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, यूपीएसआरटीसी की यह पहल उत्तर प्रदेश इको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड की दूरदृष्टि और वन विभाग के सहयोग का परिणाम है। दुधवा, कतर्नियाघाट और गौरीफंटा का पूरा तराई क्षेत्र जैव विविधता से भरा हुआ है। बस सेवा के विस्तार से अब पर्यटक न केवल दुधवा के जंगल और दलदली इलाकों को देख पाएंगे, बल्कि दुधवा से लगभग 20 किलोमीटर आगे स्थित गौरीफंटा और उससे जुड़े प्राकृतिक इलाकों का अनुभव भी कर सकेंगे। यह प्रकृति प्रेमियों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। फील्ड डॉयरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, एच राजामोहन ने बताया कि दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में ठंड के समय पर्यटकों के काफी आकर्षित करता है, खासकर इस समय कुछ गैंडों के शावक पर्यटकों को खूब लुभा रहे हैं। यहाँ के घने साल जंगल, घास के मैदान और दलदली ज़ोन इसे भारत के सबसे समृद्ध प्राकृतिक आवासों में शामिल करते हैं। कतर्नियाघाट वाइल्डलाइफ सेंचुरी- जो दुधवा रिज़र्व का ही हिस्सा है, अपनी अनोखी पारिस्थितिकी, नदियों, दलदली क्षेत्र और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ हाथी, बाघ, तेंदुए, दुर्लभ पक्षी और अन्य जीवों को देखने का अवसर पर्यटकों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय है। हाल ही में दुधवा टाइगर रिजर्व (लखीमपुर खीरी) में वन विभाग और विशेषज्ञों की टीम ने तीन दिवसीय अभियान के तहत ट्रैंक्यूलाइज कर एक नर गैंडा नकुल और एक मादा दीपिका के गले से रेडियो कॉलर सफलतापूर्वक हटा दिए हैं, ताकि वे अब जंगल में स्वतंत्र रूप से घूम सकें। रेडियो कॉलर निकालने का यह अभियान पहले से आज़ाद किए गए गैंडों की निगरानी के बाद उनकी जंगल में अनुकूलता के संकेत मिलने पर किया गया है। कॉलर अब बगैर लगे दोनों गैंडों को जंगल में आज़ादी से विचरण करते देखा जाएगा, जबकि तीसरे मादा गैंडा विजयश्री का कॉलर मौसम और स्थितियों के अनुकूल बाद में हटाया जाएगा। दुधवा तक पहुंचने वाले पर्यटक अब आसानी से आगे 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गौरीफंटा भी जा सकेंगे। यह क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों और बर्ड वॉचर्स के लिए उभरता हुआ केंद्र माना जा रहा है। विभाग का मानना है कि नई बस सेवा सीमा के आसपास स्थित जंगलों, वेटलैंड्स और दुर्लभ प्रजातियों की खोज को बढ़ावा देगी।

खजुराहो फिल्म फेस्टिवल में समर्थन फिल्म हुई सिलेक्ट

- कानपुर के प्रमोद फिल्म्स क्रिएशन के निर्माता निदेशक को सम्मानित किया गया

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में कानपुर में बनी मोटिवेशनल फिल्म (समर्थन) की स्क्रीनिंग खजुराहो टपरा टॉकीज में की हुई। फिल्म के सभी चित्रण को देखकर सभी ने सराहा। फिल्म के निर्देशक/राइटर प्रमोद गुप्ता रहें। फिल्म फेस्टिवल में गंगू बाई जैसी सुपरहिट फिल्म की अभिनेत्री इंदिरा तिवारी खजुराहो फिल्म फेस्टिवल के फाउंडर/अभिनेता राजा बुंदेला द्वारा फिल्म के निर्देशक
प्रमोद गुप्ता को सम्मानित किया गया। प्रमोद गुप्ता फिल्म की कहानी ने बताया कि इस फिल्म की स्टोरी एक समाज से जुड़ी हुई है जो लोग अक्सर पूजा पाठ करते हैं फिर भी कहते हैं कि मेरा कोई फायदा नहीं हो रहा है पूजा पाठ करने से कोई फल मुझे अच्छा नहीं मिल पा रहा है

परेशान रहता हूं दुखी रहता हूं कभी एक्सीडेंट होता है कभी चोट लगती है कभी कुछ ऑफिस में प्रॉब्लम हो जाती है कभी किसी से झगड़ा हो जाता है यह लोग कहते हैं की पूजा पाठ करने से क्या होता है कहां है भगवान......?
दो दोस्त होते है एक पूजा पाठ करता है दूसरा दारु शराब मुर्गा अय्याशी लौंडिया बाजी अफीम चरस गांजा सब गंदे काम करता है जो अच्छे कर्म करता है जो पूजा पाठ करता है उसका एक्सीडेंट हो जाता है जो दोस्त दूसरा गंदे काम करता है उसके रास्ते में अचानक पैसे से भरा एक बैग मिल जाता है तो इस फिल्म में यही दर्शाया गया है क्या कर्मों का फल सबको मिलता है। फिल्म में अभिनेता विनीत सिन्हा द्वारा बोला गया एक डॉयलॉग ÷जो जैसा करता है, उसे वैसा ही फल मिलता है÷ काफी हिट रहा। इस फिल्म के माध्यम से हमने इस फिल्म में कुछ सीन दर्शाने की कोशिश किया हैं इस फिल्म को लोगों ने सहराना की। इस फिल्म की शूटिंग कानपुर में हुई है इस फिल्म में राजेंद्र कुमार राज, विनीत सिन्हा, रवि गुप्ता, राज, राजा सिंह , सुधीर निगम, कार्तिक अरोड़ा, अजय त्रिपाठी, अंशु कमल, राजू कमल, दीपक शर्मा, पूर्णिमा त्रिपाठी, रिया द्विवेदी, शिवम् कुमार आदि लोगों ने भूमिका निभाई है।
(समर्थन) शॉर्ट फिल्म जल्दी ही यूट्यूब, एमएक्स प्लेयर एवं अन्य प्लेटफॉर्म में रिलीज होगी खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल मे बॉलीवुड अभिनेता आरिफ शाडोली/राम बुंदेला आदि लोग मौजूद रहें।

संकट मोचन धाम में 9 दिवसीय रासलीला व श्री हनुमान महायज्ञ का भव्य आयोजन

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिल्हौर संकट मोचन धाम में आयोजित नवदिवसीय रासलीला एवं श्री हनुमान महायज्ञ के सप्तम दिवस पर श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण द्वारा रुक्मणी के करुण पुकार पत्र को प्राप्त कर द्वारिका से पहुंचकर रुक्मणी से विवाह (रुक्मणी मंगल) का अत्यंत भावपूर्ण एवं जीवंत मंचन किया गया। रुक्मणी मंगल की लीला देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।वृंदावन से पधारी कलाकारों की टोली के प्रमुख सतपाल जी महाराज के निर्देशन में उच्च स्तरीय कलाकारों द्वारा प्रतिदिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं सहित विभिन्न लीलाओं का प्रभावशाली मंचन किया जा रहा है। रासलीला के दर्शन हेतु दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु संकट मोचन धाम पहुंच रहे हैं।कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद डॉ. अंजू बाला का आगमन हुआ। उन्होंने भगवान

श्रीकृष्ण की विधिवत आरती एवं पूजन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर सेवा समिति द्वारा उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।रासलीला एवं महायज्ञ कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के अश्वनी कटियार, बाबा राम जी (आयोजक), अर्पण अग्निहोत्री, बहादुर सविता, मंच संचालक गोविंद भूषण, रामचंद्र दोहरे, अंशुमान कमल, बिपिन कुमार, राजेश्वर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।अपार जनसमूह द्वारा भगवान की लीलाओं का दर्शन किए जाने से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया।

शीत लहर के चलते दो लोगों की हार्ट अटैक से मौत

जन एक्सप्रेस। मोहम्मदी खीरी

भीषण शीत लहर के चलते चपेट में आ जाने पर कस्बा में दो लोगों को सुबह अचानक हार्ट अटैक पडने से परिजनों ने इलाज के लिए दौड़ लगाई तब तक देर हो चुकी थी समुचित इलाज न मिलने पर दोनों असमय मौत के मुंह में समा गए हैं। एक शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है जबकि दूसरे शव को गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया है।शुक्रवार को सुबह 3 बजे करीब मोहल्ला पूर्वी लखपेडां निवासी सुरेश 50 वर्षीय को अचानक दिल का दौरा पड़ने से परिजन इलाज के लिए सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे तब तक देर हो चुकी थी डॉक्टर ने जांच के दौरान मृत घोषित कर दिया घर में चीज पुकार मच गई शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।
सुबह इसी समय मोहल्ला सरैया निवासी परवीन 35 वर्षीय को ठंड में काम करते समय अचानक दिल का दौरा पड़ गया परिवार के लोग इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल लेकर लेकर दौड़े तब तक रास्ते में ही दम तोड़ दिया घर वापस लाकर गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया है। लगातार बढ़ते अटैक के चलते लोगों में दहशत है जिसके चलते तमाम संगठनों द्वारा लगातार सरकारी अस्पताल पर दिल के डॉक्टर की नियुक्ति को लेकर जनप्रतिनिधियों को समस्या से रूबरू करा चुके हैं।

गोला एसडीएम व सीओ ने अंग्रेजी व देशी शराब की दुकानों का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी एवं क्षेत्राधिकार गोला रमेश कुमार तिवारी द्वारा संयुक्त रूप से आबकारी निरीक्षक अवनीश रावत व कोतवाली प्रभारी गोला अंबर सिंह के साथ गोला व क्षेत्र मे अंग्रेजी एवं देसी शराब की दुकानों को चेक किया गया।
जिसमें सभी दुकान धारको को रेट लिस्ट बाहर लगाने एवं सीसीटीवी कैमरे चालू रखने के निर्देश दिए गए। वही गोला उप जिला अधिकारी व पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया की प्रिंट रेट से ज्यादा कीमत पर बेचने पर होगी बडी कार्रवाई, और जो भी ठेका खुलने व बंद होने का टाइम है उसका अनुपालन करे।

बांग्लादेश का पुतला दहन कर जताया विरोध: विश्व हिंदू महासंघ

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष जगत पांडेय जी के निर्देशानुसार सभी जिलों में बांग्लादेश में कानपुर जिला मंत्री अरविंद दुबे के नेतृत्व में झक्करकट्टी बस अड्डा चौराहे पर पुतला दहन आक्रोश आयोजित हुआ। जिला अध्यक्ष हरिओम ने बताया कि हिंदुओं पर हो रहा हत्या लूट बहन बेटियां का बलात्कार से हिंदू समाज सुरक्षित नही है।
आज आक्रोशित हिंदू पदाधिकारी जनों ने आशा देवी मंदिर से होकर झक्करकट्टी चौराहे पर बांग्लादेश मुर्दाबाद बांग्लादेश होश में आओ नारे लगाते हुए जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्रा पदाधिकारी, हिंदू सनातन साथियों ने पुतला दहन किया और संदेश दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी बांग्लादेश पर हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर कार्रवाई करें कैसे हिंदू सुरक्षित हो वार्ता करें नहीं तो आने वाले दिनों में भारत में रहने वाले बांग्लादेशी को बक्शा नहीं जाएगा। ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। कार्यक्रम में रणदीप कनौजिया नगर अध्यक्ष, संतोष जायसवाल जिला संयोजक, उमेश तिवारी जिला संयोजक, अंकुर प्रताप जिला महामंत्री, शरद त्रिवेदी पूर्व जिला अध्यक्ष विहिप, विजय कश्यप, आनंद विश्वकर्मा मोनू बाजपेई, टोनी ठाकुर आदि लोग थे।

ग्राम पूरा में श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रभक्ति के साथ मनाई गई भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेई जी की जयंती

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिल्हौर तहसील क्षेत्र के ग्राम पूरा में देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई जी की जयंती श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रभक्ति के भाव के साथ मनाई गई।
कार्यक्रम का आयोजन मीडिया प्रभारी अंशुल बाजपेई के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंशुल बाजपेई ने स्व. अटल बिहारी बाजपेई जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।
उन्होंने कहा कि अटल जी न केवल एक कुशल और दूरदर्शी प्रशासक थे, बल्कि भारतीय राजनीति में शुचिता, संवाद और राष्ट्रहित के सशक्त प्रतीक भी थे।
उनका संपूर्ण जीवन देशसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को समर्पित रहा। इस

अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संतोष बाजपेई ने अटल जी को आधुनिक भारत का शिल्पकार बताते हुए कहा कि उनके विचार, नीति और नेतृत्व आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।
अटल जी का जीवन राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ सेवा, समर्पण और दृढ़ संकल्प का अद्भुत उदाहरण है। अन्य वक्ताओं ने भी अटल बिहारी बाजपेई जी के सशक्त नेतृत्व, कवि हृदय और दूरदर्शी सोच को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में नीलू पाल, रवि श्रीवास्तव, निर्विकार राठौर, सूरज अग्निहोत्री, विशाल अवस्थी, शिवम चौरसिया सहित अनेक कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन स्व. अटल बिहारी बाजपेई जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों और विचारों पर चलने का संकल्प लेकर किया गया।

ग्राम मन्नौवरपुर में निशुल्क नेत्र जांच शिविर सफल, 90 मरीजों की जांच

15 मोतियाबिंद मरीजों का होगा फ्री ऑपरेशन

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिल्हौर तहसील क्षेत्र के ग्राम मन्नौवरपुर में पूर्व प्रधान जयसिंह यादव के तत्वावधान में आयोजित निशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे कुल 90 मरीजों की आंखों की जांच की गई।जांच के दौरान 15 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि होने पर उन्हें साईं हॉस्पिटल, कानपुर में निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। चयनित सभी मरीजों का ऑपरेशन पूरी तरह नि:शुल्क कराया जाएगा।शिविर में नेत्र परीक्षण का कार्य नेत्र परीक्षक डॉ. उपदेश सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने मरीजों को आंखों की देखभाल, समय-समय पर जांच, स्वच्छता एवं आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से

जानकारी दी। इस अवसर पर एडवोकेट सौर्य यादव, विकास यादव, मुन्नू, राधेलाल राठौर, गुड्डी यादव (पूर्व प्रधान), संतोष कुमार, ग्रगपाल सिंह सेंगर, संतोष कुमार दुबे, अशोक कुमार, दिनेश सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे।आयोजक पूर्व प्रधान जयसिंह यादव ने कहा कि ग्रामीणों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भविष्य में भी ऐसे निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।वहीं ग्रामीणों ने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए आयोजकों एवं चिकित्सकीय टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

विद्युत एक मुस्त समाधान योजना के अंतर्गत 3 करोड 53 लाख 53 हजार रुपये उपभोक्ताओं ने जमा किए

जन एक्सप्रेस। मोहम्मदी खीरी। सरकार द्वारा विद्युत एक मुस्त समाधान योजना के अंतर्गत अधिशासी अभियंता विद्युत रंजीत कुमार ने बताया कि बरवर, मोहम्मदी, मैगलगंज तीनों उपखंड मे 53हजार 609 कुल उपभोक्ता है,जिसमे कुल विझुत बकाया 99 करोड रूपये बकाया है, जिसमे इस योजना के अंतर्गत 26 दिसंबर तक 3 करोड 53 लाख 53 हजार रुपये उपभोक्ताओं ने जमा किए है,इस योजना का लाभ सभी उपभोक्ताओं को मिले और उपभोक्ता जागरूक हो इसी उद्देश्य के तहत विभाग के अधिकारियों के माध्यम से गांव-गांव शिबिर लगाऐ जा रहे है, उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि इस योजना की समाप्ति के बाद अगर उपभोक्ता इस योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं और बकाया बिजली बिल नहीं जमा कर रहे हैं तो उन उपभोक्ताओं पर विभाग के माध्यम से कड़ी कार्रवाई की जाएगी,उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से अपील करते हुऐ कहा कि इस योजनख का लाभ लेने के लिऐ आज ही रजिस्ट्रेशन करा ले और छूट का लाभ ले।

मजदूर के घर में घुसकर जानलेवा हमला, जाति सूचक गालियां, रॉड-चाकू से हमला

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

थाना शिवराजपुर क्षेत्र के ग्राम कढ़नी में अनुसूचित जाति के एक मजदूर युवक पर दबंग अराजक तत्वों द्वारा घर में घुसकर जानलेवा हमला करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने जाति सूचक गालियां देते हुए रॉड और चाकू से हमला किया तथा गला दबाकर हत्या का प्रयास किया। घटना के बाद से पीड़ित परिवार दहशत में है। ग्राम कढ़नी निवासी अंशु कमल पुत्र अनिल कुमार ने पुलिस अधिकारियों को दिए प्रार्थना-पत्र में बताया कि 24 दिसंबर की शाम करीब छह बजे पड़ोसी गांव शुक्लापुर निवासी उमेश अवस्थी पुत्र बिरजू उनके घर पहुंचा और उनकी मां से उनके बारे में पूछताछ करने लगा। मां द्वारा घर पर न होने की बात कहने पर वह भड़क गया और धमकी देने लगा। कुछ देर बाद उसने अपने साथियों को बुला लिया और एक राय होकर घर में घुसकर हमला कर दिया।आरोप है कि हमले के दौरान भुर्री अवस्थी ने हाथ में ली लोहे की रॉड से प्रहार किया, जबकि श्याम अवस्थी ने चाकू से वार किया। इसके बाद आरोपियों ने युवक का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। मां के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। जाते-जाते उन्होंने पीड़ित परिवार को गांव में न रहने देने की धमकी भी दी।पीड़ित का कहना है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति के हैं और उससे जबरन मजदूरी कराने का दबाव बना रहे थे। बटाई की खेती छोड़ने और धान की ट्राली में बोरा लदवाने से इनकार करने पर वे रंजिश मान बैठे। चार-पांच महीने पूर्व भी युवक के साथ मारपीट कर उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया गया था, जिसकी शिकायत थाना शिवराजपुर में दी गई थी। समझौते के बावजूद 4 जुलाई को दोबारा हमला किया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि घटना के बाद 24 दिसंबर को थाने में प्रार्थना-पत्र देने के बावजूद आरोपी पक्ष समझौते का दबाव बना रहा है।

बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के अत्याचार को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल ने किया प्रदर्शन

बांग्लादेश का पुतला फूक कर गोला तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में गोला तहसील पहुंचकर उप जिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी द्वारा राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपती मुर्मू भारत सरकार को ज्ञापन सौंपा गया। राष्ट्रीय बजरंग दल गोला गोकर्णनाथ जिला लखीमपुर खीरी के कार्यकर्ताओं ने सदर चौराहे पर पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन करते हुए मांग की है कि बांग्लादेश से सारे संबंध खत्म किया जाए। 2-भारत से दूतावास हटाया जाए। 3-भारत से जाने वाले प्याज नमक पर खाक सामग्री सहित पूरा व्यापार बंद किया जाए।
4-बांग्लादेशी वीजा बंद किया जाए। 5-अगर हिंदुओं पर अत्याचार ना रुके तो आपको इसका कड़ा रुख अपनाना चाहिए और सख्त चेतावनी दिए कि हिंदुओं की सुरक्षा के लिए भारत सरकार कोई हद तक जा सकता है।
6- बांग्लादेश के राजनीति व कूटनीति के द्वारा इस पर आवश्यक कार्रवाई एक्शन भारत का होना चाहिए। जिला अध्यक्ष कनोडिया ने कहा कि हमारा संदेश इलेक्ट्रिक मीडिया क प्रिंट मीडिया व युटुब द्वारा देश के हिंदू भाइयों को पहुंचाने का कार्य करें। हिंदुओं पर अत्याचार करने वालों व आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले व अपनी जहरीले जवानों से हिंदुत्व को खत्म करने वाले सनातन धर्म को खत्म करने वालों का जगह-जगह विरोध करने का कार्य करें।
जितने दोषी जिहादी कट्टरपंथी हैं उनको बढ़ावा देने वाले नेता भी उतने दोषी हैं।
ऐसे नेताओं के काफिले रोकने व उनकी हड्डियां तोड़ने का कार्य करें उनकी जनसभाओं पर टमाटर अंडे जूता चप्पल फेंकने का कार्य करें। तब जाकर इनके समझ में आएगा कि हिंदू कमजोर नहीं है हिंदू धर्म योद्धा है जो धर्म की लड़ाई लड़ता है और बुराई पर अच्छाई की लड़ाई लड़ने का कार्य करता है।
अब धर्म युद्ध शुरू हो चुका है हमारे देश का हर हिंदू धर्म योद्धा बनकर इस युद्ध में उतरेगा और अत्याचारों को मारकर भागने का कार्य करेगा। जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के साथ जिलामहामंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला मंत्री ऐ के

जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष अनुज वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी पंकज शुक्ला, विकास कनौजिया, कृष्ण कुमार, विश्वास वर्मा, आकाश कुमार, हैप्पी गुप्ता, छोटू भाई, प्रशांत ठाकुर, कमलजीत गुप्ता, विष्णु कश्यप, मोहित कुमार, विक्रम सिंह, जितेंद्र कुमार, लोक राम, गोल्ड मिश्रा, सूरज रस्तोगी, प्रवीण दिवाकर, एड0 प्रशांत श्रीवास्तव, राजू गुप्ता, अंकित कुमार, अर्पित, गौरव गुप्ता, पारुष श्रीवास्तव नगर महामंत्री, विपिन कुमार, आकाश कुमार, गगन, विपिन कुमार, नितिन कुमार, विशाल वर्मा, आकाश भारती, धर्मेंद्र भारती सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

अरावली पहाड़ियों में खनन पर अदालत और सरकार

निश्चित ही ये दावा अधूरा और पूरी तरह भ्रामक है। विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाया गया 100 मीटर मानदंड पहाड़ी की ऊँचाई को 'स्थानीय राहत' के संदर्भ में परिभाषित करता है। इसका अर्थ यह है कि पहाड़ी का आधार यदि जमीन के भीतर 20 मीटर नीचे तक फैला है तो संरक्षण की गणना वहीं से होगी। यानी चट्टान की पूरी मोटाई, उसकी ढलानें और उससे जुड़ी घाटियां भी संरक्षण के दायरे में आती हैं। दूसरे शब्दों में यह नियम खनन को छूट देने के लिए नहीं है, उक्त संदर्भ में यह स्पष्ट करने के लिए है कि अरावली वास्तव में कहाँ तक फैली है।

भारत की अरावली पर्वतमाला उत्तर और पश्चिम भारत की पारिस्थितिक सुरक्षा प्रणाली की रीढ़ है। दिल्ली से लेकर गुजरात तक फैली यह प्राचीन पर्वत श्रृंखला भारत की सबसे पुरानी भूवैज्ञानिक संरचनाओं में से एक होने के साथ ही यह मरुस्थलीकरण को रोकने वाली प्राकृतिक दीवार, भूजल पुनर्भरण का अहम क्षेत्र और जैव विविधता का महत्वपूर्ण आश्रय भी है। ऐसे में हाल के दिनों में सोशल मीडिया और कुछ यूट्यूब चैनलों पर यह दावा किया जाना कि सरकार ने अरावली में खनन और निर्माण के लिए 'ढील' दे दी है, स्वाभाविक रूप से चिंता पैदा करता है और इससे जुड़ा सच जानने के लिए प्रेरित करता है। इसी संदर्भ में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण देना पड़ा है। उन्होंने इन आरोपों को भ्रामक और तथ्यों से परे बताया। वास्तव में इस पूरे विवाद को समझने के लिए तीन बुनियादी पहलुओं को स्पष्ट रूप से देखना आवश्यक है; अरावली का भौगोलिक और पारिस्थितिक महत्व, सुप्रीम कोर्ट के पुराने और नए आदेश तथा सरकार की वर्तमान संरक्षण नीति। हम यदि गहराई से देखें तब अरावली पर्वतमाला दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के 39 जिलों में फैली हुई दिखाई देती है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लिए यह 'ग्रीन लंग्स' की तरह काम करती है। यही पहाड़ियाँ थार मरुस्थल को उत्तर और पूर्व की ओर बढ़ने से रोकती हैं। वर्षा जल को रोककर यह भूजल को रिचार्ज करती हैं। हवा के बहाव को नियंत्रित करती हैं और प्रदूषण के स्तर को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। एनसीआर की जलवायु, वायु गुणवत्ता और जल सुरक्षा सीधे-सीधे अरावली की स्थिति से जुड़ी हुई है। यही कारण है कि दशकों से अरावली क्षेत्र में खनन और निर्माण गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण और कई जगहों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए गए हैं। अरावली में अवैध खनन और पर्यावरणीय क्षति को लेकर 1980 के दशक से ही जनहित याचिकाएँ दाखिल होती रही हैं। इन याचिकाओं के परिणामस्वरूप उच्चतम न्यायालय ने कई ऐतिहासिक आदेश दिए। वर्ष 2009 में उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के फरीदाबाद, गुरुग्राम और नूंह जिलों की अरावली पहाड़ियों में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह प्रतिबंध आज भी प्रभावी है। इसके बाद न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वैज्ञानिक मैपिंग और पर्यावरण प्रभाव अध्ययन (ईआईए) के बिना अरावली क्षेत्र में किसी भी नई खनन गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती। पहले वैज्ञानिक सर्वे फिर पर्यावरणीय योजना और उसके बाद ही किसी प्रकार की अनुमति, यह सिद्धांत स्थापित किया गया। इसमें भी महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि ये रोकें अस्थायी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और कई मामलों में स्थायी हैं। आम धारणा के विपरीत हर साल नई-नई रोकें नहीं लगतीं, किंतु एक बार सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद वह वर्षों तक लागू रहता है। वर्ष 2025 में उच्चतम न्यायालय ने अरावली को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्देश दिया। अदालत ने सभी राज्यों से अरावली की एक समान, वैज्ञानिक और लागू करने योग्य परिभाषा तैयार करने को कहा और केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया। यहीं से भ्रम की शुरुआत हुई। कुछ लोगों ने यह प्रचारित किया कि अब केवल पहाड़ी की चोटी से 100 मीटर ऊपर तक ही संरक्षण रहेगा और उसके नीचे खनन की छूट मिल जाएगी।

एक्सप्रेस आलेख

कांग्रेस पर इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 19884 में हुए सिख विरोधी हिंसा का भी दाग है। दिलचस्प यह है कि उस वक्त राजीव सरकार के गृहमंत्री नरसिंह राव ही थे। लेकिन कांग्रेस ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। क्योंकि उसके साथ राजीव गांधी का वह बयान चिपका हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हिंसा से ग्रस्त पंजाब को पटरी पर लाने वाले नरसिंह राव ही थे। नरसिंह राव ने ही लुक ईस्ट नीति शुरू की और एशियायी देशों से भारत के मजबूत संबंध बनाने शुरू किए थे। लेकिन उनके इन योगदानों को भुला दिया गया। राव सिर्फ भारतीय आर्थिकी के ही शिल्पकार नहीं थे।

राव की सोच की बुनियाद पर भारत बना चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था

उमेश चतुर्वेदी

देश के आतंकग्रस्त इलाकों को सख्त प्रशासन और विकास कार्यों के समायोजन के जरिए मुख्यधारा में जोड़ने वाले रचनाकार भी रहे। मोदी सरकार के बारे में कहा जा सकता है कि उसने राजनीतिक कारणों से राव को 2024 में भारत रत्न दिया। लेकिन यह भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि राव का सम्मान भारत के बदलाव का दौर शुरू करने वाले शिल्पी का सम्मान है।

पामुलपार्थी वेंकट नरसिंह राव...यही पूरा नाम था उनका। आज ही के दिन ठीक इक्कीस साल पहले उन्होंने दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आखिरी सांस ली थी, जिसे देश के सबसे बेहतरीन सार्वजनिक अस्पताल माना जाता है। एम्स के नाम से विख्यात इस अस्पताल में जब उनकी आत्मा उनके शरीर रूपी पिंजरे से उड़ गई, तब देश में उन डॉक्टर मनमोहन सिंह का शासन था, जिन्हें उन्होंने ही राजनीति की दुनिया में प्रवेश कराया था। राव कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण और गरिमापूर्ण विदाई के हकदार थे। लेकिन उनकी ही पार्टी ने उन्हें यह विदाई मयस्सर नहीं होने दी और देश का प्रधानमंत्री भी मौन व्रत धारण किए रह गया। नेहरू, इंदिरा और राजीव को भारत रत्न देने वाली कांग्रेस की अगुआई वाली सरकार ने अपने ही उस राव को उचित सम्मान देना उचित नहीं समझा, जिसके वे अध्यक्ष रह चुके थे। भारतीय अर्थव्यवस्था की उछाल इन दिनों दुनिया देख रही है। लेकिन पिछली सदी के अस्सी के दशक में अर्थव्यवस्था बेहद खराब हालत में पहुंच चुकी थी। हालात इतने बुरे थे कि भारत को अपना रिजर्व सोना बैंक ऑफ इंगलैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था। राव से ठीक पहले प्रधानमंत्री रहे चंद्रशेखर ने अपनी आत्मकथा, ' जीवन जैसा जिया' में इस गिरवी प्रकरण की पूरी जानकारी दी है। चंद्रशेखर के बाद एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री बने राव के सामने तत्कालीन कैबिनेट सचिव ने भारतीय अर्थव्यवस्था की बुरी गत की जानकारी दी तो उनका चिंतित होना स्वाभाविक था। ऐसे हालात में उनका विचलित होना स्वाभाविक था। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और प्रोफेशनल अर्थशास्त्री को देश का वित्त मंत्री बनाने की सोची। उन्हें तब दो नाम सुझाए गए थे, रिजर्व बैंक के गवर्नर रह चुके आईजी पटेल और मनमोहन सिंह। राव की पहली पसंद पटेल थे, लेकिन उन्होंने अपनी बीमार और बुजुर्ग मां की देखभाल के चलते वह जिम्मेदारी भरा पद लेना स्वीकार नहीं किया। नियति मनमोहन सिंह के पक्ष में थी। मनमोहन वित्त मंत्री बने। 1991 की 25 जुलाई को लोकसभा में बजट पेश करते हुए मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को खोल दिया। आर्थिक मोर्चे पर जारी लाइसेंस राज की विदाई की शुरूआत हुई। आर्थिक खुलेपन ने देश की आर्थिकी की जो नींव रखी, आज उसी नींव पर आगे बढ़ते हुए देश दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था का गौरव हासिल कर चुका है। बेशक यह सब मनमोहन सिंह की बदौलत हुआ। लेकिन अगर उनकी पीठ पर नरसिंह राव का हाथ नहीं होता तो क्या वे भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक व्यवस्था के साथ कदमताल करने के लिए उद्यत हो सकते थे? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। भारत की आर्थिकी को मजबूत बुनियाद देने के साथ ही वैश्विक व्यवस्था के साथ कदमताल के लिए तैयार करने में मनमोहन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। लेकिन बिना नरसिंह राव के मजबूत समर्थन के, वे ऐसे कदम नहीं उठा

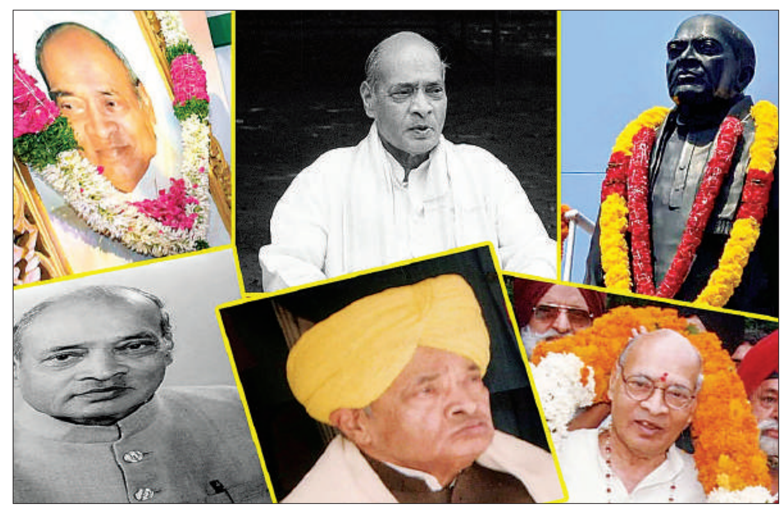

भारतीय अर्थव्यवस्था की उछाल इन दिनों दुनिया देख रही है। लेकिन पिछली सदी के अस्सी के दशक में अर्थव्यवस्था बेहद खराब हालत में पहुंच चुकी थी। हालात इतने बुरे थे कि भारत को अपना रिजर्व सोना बैंक ऑफ इंगलैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था।

सकते थे। आज भारत की आर्थिकी की जो वैश्विक चमक दिख रही है, उसके असर नींव निर्माता नरसिंह राव ही हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश जिस कांग्रेस के वे नेता रहे, जिस कांग्रेस क साथ उन्होंने अपनी समूची राजनीतिक यात्रा पूरी की, उस कांग्रेस ने उनसे किनारा कर लिया। किनारा करने की वजह रहा बाबरी विध्वंस। छह दिसंबर 1992 को बाबरी का ध्वंस हुआ। ऐसा नहीं कि नरसिंह राव ने ध्वंस को रोकने की तैयारी नहीं की थी। गांधी-नेहरू परिवार के नजदीकी रहे पूर्व विदेश सेवा अधिकारी और कांग्रेसी राजनेता मणिशंकर अय्यर राव को इसी वजह से भाजपा का पहला प्रधानमंत्री कहते हैं। बाबरी विध्वंस के बाद वामपंथी बौद्धिकों के एक खेमे ने उन्हें खाकी निक्कर वाला कहना शुरू कर दिया था। यहां याद दिलाना जरूरी है कि खाकी निक्कर कुछ साल पहले तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों की गणवेश होती थी। लेकिन नरसिंह राव ने अपने उपर लगे आरोपों का पुस्तक लिखकर जवाब दिया है. जो 2004 में उनके निधन के बाद प्रकाशित हुई है। 'अयोध्याः छह दिसंबर' नामक यह पुस्तक साल 2006 में प्रकाशित हुई। इस किताब में एक तरह से राव ने बाबरी ध्वंस को लेकर उन पर लगने वाले अकर्मण्यता के आरोपों का सिलसिलेवार जवाब दिया है। इसमें उन्होंने बाबरी मस्जिद विध्वंस के दिन और उससे पहले की घटनाओं, अपनी कार्रवाइयों और तब के राजनीतिक दबावों को लेकर पूरी जानकारी दी है। इसमें उन्होंने बताया है कि आखिर उत्तर प्रदेश में वे संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन क्यों नहीं लगा पाए। उन्होंने बताया है कि राज्यपाल की रिपोर्ट राष्ट्रपति शासन के पक्ष में नहीं थी और उनके सामने कई संवैधानिक चुनौतियां और बाधाएं भी थीं। इन तथ्यों के जरिए उन्होंने बताने की कोशिश की है कि आखिर क्यों मस्जिद को बचाने की उनकी कोशिशें किस तरह नाकाम रहीं। विनय सीतापति ने 'हाफ लायन' नाम से राव की जीवनी लिखी है। इस पुस्तक में वे भी तमाम तथ्यों से साबित करने में सफल रहे हैं कि राव चाहकर भी उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन नहीं लगा सकते थे। अपनी किताब में राव ने तफसील से बताया है कि उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि अयोध्या पहुंच रहे कारसेवक शांतिपूर्ण हैं। राव ने साथ ही यह भी बताया है कि तत्कालीन कल्याण सिंह सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर मस्जिद की सुरक्षा का आश्वासन दिया था। ऐसे में संवैधानिक मर्यादाओं और संघीय ढांचे के संवैधानिक प्रावधानों के कारण उनके हाथ बंधे हुए थे। राव ने अपनी पुस्तक में राम मंदिर आंदोलन के पीछे की राजनीतिक चालों और धार्मिक भावनाओं के दोहन के खतरों पर भी प्रकाश डाला गया है। इसमें दो राय नहीं कि बाबरी ध्वंस के बाद कांग्रेस की राजनीति पूरी तरह बदल गई। दलित, ब्राह्मण और मुसलमान की जातीय कीमियागिरी के दम पर लंबे समय तक शासन में रही कांग्रेस का समर्थक आधार छीजने लगा। अल्पसंख्यकों ने कई प्रमुख राज्यों मसलन उत्तर प्रदेश, बिहार आदि से किनारा कर लिया। इसका असर कांग्रेस की सत्तावादी राजनीति पर पड़ा। जिस समय बाबरी ध्वंस हुआ, उस समय गांधी-नेहरू परिवार राजनीति से दूर था। सोनिया गांधी तो सक्रिय राजनीति में 1998 में आईं। लेकिन उनके इशारे पर कांग्रेस का एक बड़ा खेमा काम करता रहा। अर्जुन सिंह, प्रियरंजन दास मुंशी, मणिशंकर अय्यर, प्रणब मुखर्जी आदि कांग्रेसी प्रथम परिवार के इशारे पर काम करते रहे। जब 1996 में कांग्रेस संसदीय चुनावों में हार गई तो नरसिंह राव को इस खेमे ने ना सिर्फ अप्रासंगिक बनाना शुरू किया, बल्कि उन्हें महत्वहीन भी बना दिया।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरुरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	सप्तमी 13:06 तक
नक्षत्रः	पूर्वभाद्रपदा 08:59 तक
पक्षः	कृष्ण
वारः	शनिवार
योगः	व्यतिपाता, 12:12 तक
सूर्योदयः	07:16
सूर्यास्तः	17:27
चंद्रमाः	मीन राशि में
राहुकालः	09:49-11:05
विक्रमी संवत्ः	2082
शक सम्वतः	1947
मासः	पौष
शुभ मुहूर्तः	12:01-12:42

जन एक्सप्रेस

ना लगाओ आग !

हर तरफ है शांति ।
ना लगाओ आग ।।
जो है असली मुद्दे ।
रहे क्यों उससे भाग ।।
बेमतलब, बेवजह ।
आप रहे कुरेद ।।
देखकर जनमानस ये ।
करता व्यक्त खेद ।।
छोड़कर तकरार अब ।
राह सही अपनाओ ।।
उब गए है लोग ।
अब ना भय दिखाओ ।।
हो सही सलाह ।
लाओ ये बदलाव ।।
होगा तभी दूर ।
दिखता जो अभाव ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

मांसपेशियों और जोड़ों के लिए फायदेमंद है जावित्री का तेल

भारतीय मसालों में से एक जावित्री में बहुत से पोषक तत्व होते हैं। इसका सेवन करने से सूजन को कम करने, पाचन में सुधार करने, श्वसन तंत्र को दुरुस्त करने, ब्रेन को रिलैक्स करने और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने में मदद मिलती है, साथ ही, इसका तेल भी स्वास्थ्य के लिए कई तरीकों से फायदेमंद है। आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. चंचल शर्मा के अनुसार, जावित्री के तेल में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीसेप्टिक, एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स के गुण होते हैं। इसका इस्तेमाल करने से मांसपेशियों को रिलैक्स करने में मदद मिलती है।

सूजन कम करेः जावित्री के तेल में अच्छी मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी के गुण होते हैं। इसका इस्तेमाल करने से मांसपेशियों की सूजन को कम करने, ऐंठन को कम कर इनकी ऐंठन को कम करने में मदद मिलती है। इससे जोड़ों के दर्द को कम करने और इनके स्वास्थ्य में सुधार करने में भी मदद मिलती है।

दर्द कम करेः जावित्री के तेल में भरपूर मात्रा में एनाल्जेसिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी के गुण होते हैं। इसका इस्तेमाल करने से मांसपेशियों के दर्द को कम करने मांसपेशियों के स्ट्रेस और अकड़न को कम करने में मदद मिलती है, जिससे जोड़ों के दर्द और इनसे जुड़ी गठिया जैसी कई समस्याओं से राहत देने में भी मदद मिलती है।

ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करेः जावित्री की तासीर गर्म होती है। ऐसे में इसका इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन के स्तर को कम करने, मांसपेशियों को रिलैक्स करने, अकड़न को कम करने और इनके स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिलती है।

शरीर को गर्म करेः जावित्री के तेल में बहुत से औषधीय गुण होते हैं, साथ ही, इसकी तासीर गर्म होती है। इसका इस्तेमाल करने से जोड़ों में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने, शरीर को गर्माहट देने, मांसपेशियों को रिलैक्स कर जोड़ों को फ्लैक्सिबल बनाने में मदद मिलती है।

सावधानियांः जावित्री के तेल का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। इससे किसी भी तरह की जलन या एलर्जी होने पर इसका इस्तेमाल करने से बचें। इसके अलावा, इसको कैरियर ऑयल में मिलाकर इस्तेमाल करें और इसको घाव पर लगाने से बचें। इसका इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें, ताकि किसी भी समस्या से बचा जा सके।

निष्कर्षः औषधीय गुणों से भरपूर जावित्री के तेल में बहुत से पोषक तत्व होते हैं। इसका इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने, शरीर को गर्म करने, दर्द को कम करने, सूजन को कम करने और मांसपेशियों के स्ट्रेस या ऐंठन को कम करने में मदद मिलती है। ध्यान रहे, इसका इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें और इससे किसी भी तरह की एलर्जी महसूस होने पर डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

एक्सप्रेस विशेष

नया साल नहीं बदलेगा, जब तक आप खुद से नहीं बदलेंगे

कृति आरके जैन

इस यात्रा में चुनौतियों का आना स्वाभाविक है। कभी पुराने विचार लौट आएंगे, तो कभी सामाजिक अपेक्षाएं मन को विचलित करेंगी। याद रखिए, सेल्फ-फॉरगिवनेस एक दिन की उपलब्धि नहीं बल्कि निरंतर अभ्यास है।

सच यह है कि नए साल की सबसे बड़ी हिम्मत बाहर नहीं, भीतर से शुरू होती है–खुद को माफ करने से। हर साल हम लक्ष्य गिनाते हैंः स्वस्थ शरीर, बेहतर करियर, अनुशासित जीवन। लेकिन बोझिल मन के साथ कोई भी संकल्प टिक नहीं पाता। 2026 की दहलीज पर खड़े होकर सबसे ज़रूरी है पुराने अपराधबोध को विदा कहना। स्वयं को माफ करना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल की स्पष्ट घोषणा है। यही वह क्षण है जब आप स्वीकारते हैं–मैं गलतियों से बना इंसान हूं और आगे बढ़ने का पूरा अधिकार रखता हूं। अपराधबोध वह मौन शत्रु है जो भीतर ही भीतर हमें खोखला कर देता है। यह पुरानी असफलताओं, बिखरे रिश्तों और अधूरे निर्णयों की स्मृति बनकर मन में घर कर लेता है। हम स्वयं के सबसे कठोर न्यायाधीश बन जाते हैं और अनजाने में अपने मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। लगातार अपराधबोध में जीने वाला व्यक्ति तनाव, बेचैनी और अनिद्रा से घिर जाता है। ऐसे बोझ के साथ यदि नववर्ष शुरू हो, तो हर नया संकल्प भारी लगने लगता है। आगे बढ़ने के लिए जरूरी है कि पहले इस बोझ को पहचाना जाए और साहसपूर्वक उतार

हर महीने किसी एक पुरानी गलती को सचेत रूप से माफ करने का निर्णय लें। साथ ही दैनिक जीवन में आत्मप्रेम के छोटे अभ्यास जोड़ें— स्वस्थ सीमाएँ तय करना, नकारात्मक आत्मसंवाद को रोकना और स्वयं को पर्याप्त विश्राम देना। जब आप खुद पर अनावश्यक दबाव नहीं डालते, तब लक्ष्य अधिक स्थायी बनते हैं। यह अभ्यास बाहरी उपलब्धियों से पहले भीतर संतुलन और स्थिरता विकसित करना सिखाता है।

दिया जाए। सेल्फ-फॉरगिवनेस का मतलब खुद को निर्दोष ठहराना नहीं, बल्कि अपनी गलती को ईमानदारी से स्वीकार कर उससे सीख लेना और आत्मदंड की श्रृंखला तोड़ना है। जब आप स्वयं को माफ करते हैं, तो नकारात्मक विचारों की पकड़ धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगती है। मन में करुणा जन्म लेती है और आत्मस्वीकृति सशक्त होती है। यही वह आधार है जिस पर सच्चा आत्मप्रेम खड़ा होता है–जहाँ आप खुद को संपूर्ण नहीं, बल्कि मानवीय मानते हुए, अपनी कमियों और खूबियों दोनों के साथ स्वीकार करते हैं। विज्ञान भी इस आंतरिक बदलाव की प्रभावशीलता को स्पष्ट रूप से स्वीकार करता है। शोध बताते हैं कि सेल्फ-फॉरगिवनेस तनाव हार्मोन को घटाती है और मस्तिष्क के भय-केंद्र को शांत करती है। इसका असर केवल मानसिक स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि नींद, रक्तचाप और ऊर्जा पर भी सकारात्मक रूप से दिखाई देता है। जो लोग स्वयं को माफ करना सीख लेते हैं, उनमें आशा, धैर्य और आत्मविश्वास स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। इसी कारण मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे भावनात्मक उपचार की एक सशक्त और आवश्यक प्रक्रिया मानते हैं। सेल्फ-लव और सेल्फ-फॉरगिवनेस वास्तव में एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जब तक व्यक्ति स्वयं को दोषी ठहराता रहता है, तब तक आत्मप्रेम संभव नहीं हो पाता। माफी का सार यह स्वीकार करना है कि आप पूर्ण नहीं हैं, फिर भी मूल्यवान हैं। अपराधबोध हमें अपने ही विरुद्ध खड़ा कर देता है, जबकि माफी हमें अपना साथी बना लेती है। नववर्ष में यदि आत्मप्रेम की सच्ची शुरुआत करनी है, तो पुराने आत्मदोष को छोड़ना अनिवार्य है–यही भावनात्मक मजबूती की पहली सीढ़ी है। गिल्ट-फ्री जीवन की शुरुआत ठोस और सरल अभ्यासों से होती है। सबसे पहले बिना कठोरता के अपनी गलतियों को लिखें और स्वीकारें। फिर स्वयं से कहें कि उस समय आपने अपनी समझ के अनुसार सर्वोत्तम प्रयास किया था। रोज कुछ मिनट जर्नलिंग या ध्यान में लगाइए, जहाँ पुराने विचारों को आने-जाने दें। आईने के सामने खड़े होकर स्वयं से सकारात्मक वाक्य कहना भी प्रभावी उपाय है। ये छोटे-छोटे अभ्यास धीरे-धीरे मन का बोझ हल्का करते हैं। एक वास्तविक कहानी इस आंतरिक परिवर्तन की शक्ति को उजागर करती है। एक युवती लंबे समय तक करियर की असफलता के अपराधबोध में घिरी रही, जिससे उसकी नींद, रिश्ते और आत्मविश्वास टूटते चले गए। फिर एक दिन उसने समझा कि असफलता दंड नहीं, सीख है। उसने स्वयं को माफ कर आगे बढ़ने का निश्चय किया। इसका परिणाम यह हुआ कि उसका मानसिक संतुलन लौटा और जीवन को नई दिशा मिली। यह कथा दिखाती है कि माफी सचमुच भीतर से जीवन बदल देती है। नववर्ष 2026 के लिए एक सरल लेकिन गहन संकल्प अपनाइए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक- मनोज तिवारी, सह-संपादकः इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)

गन्ने के साथ सहफसली खेती: बढ़ती आय, सुधरती मिट्टी और किसानों का नया भरोसा

जन एक्सप्रेस। मुकेश कुमार

पीलीभीत। तराई के जनपद बांसुरी नगरी टाइगर रिजर्व पीलीभीत में गन्ने के साथ दलहन-तिलहन फसलों की सहफसली खेती अब केवल प्रयोग भर नहीं रही, बल्कि यह किसानों की आय बढ़ाने और मिट्टी की सेहत सुधारने का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है। सीमित लागत में अतिरिक्त उत्पादन और वैज्ञानिक लाभों के कारण यह प्रणाली तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम मलुआ में प्रगतिशील गन्ना किसान अरुण मिश्रा द्वारा अपनाई गई सहफसली खेती इस परिवर्तन की जीवंत मिसाल है। गन्ने के साथ मसूर, राजमा, चना, सरसों और मटर जैसी फसलों की खेती कर उन्होंने यह सिद्ध किया है कि सही तकनीक अपनाने पर मुख्य फसल पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि कुल उत्पादन और मुनाफा दोनों बढ़ते हैं।

दलहनी फसलों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे भूमि में प्राकृतिक रूप से नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ाती हैं। इससे मिट्टी की उर्वरता और संरचना में सुधार होता है, जो दीर्घकालीन खेती के लिए अत्यंत आवश्यक है। वहीं तिलहनी फसलें कीट नियंत्रण और खरपतवार रोकथाम में सहायक सिद्ध हो रही हैं, जिससे रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम होती जा रही है।

चालू पेराई सत्र में जनपद के लगभग 8000 हेक्टेयर क्षेत्र में सहफसली खेती का विस्तार यह दर्शाता है कि किसान अब परंपरागत सोच से आगे बढ़कर वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपना रहे हैं। यह न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहा है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और भूमि संरक्षण की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम है। जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव के नेतृत्व में लगातार उनके द्वारा किसानों को लगातार जागरूक और प्रेरित किया जाना इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यदि इसी प्रकार वैज्ञानिक मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग और प्रोत्साहन मिलता रहा, तो सहफसली खेती आने वाले समय में किसानों की समृद्धि और सतत कृषि विकास की मजबूत आधारशिला साबित होगी।साफ है कि गन्ने के साथ सहफसली खेती अब विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता बनती जा रही है।

पत्नी और चचरे भाई ने मिलकर की युवक की हत्या

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर। जिले के कछवां थाना क्षेत्र के कांशीराम आवास पर बृहस्पतिवार की देर रात अनजाने में गोली लगने से सद्दाम अली (32) पुत्र सलीम अंसारी निवासी लखनीपुर थाना बक्शा जौनपुर की मौत हो गई। मृतक के पिता की तहरीर पर पत्नी और चचेरे भाई पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आशंका जताई जा रही है की आशनाई के चक्कर में पत्नी ने चचेरे देवर के साथ मिलकर हत्या की है। सद्दाम अपने परिवार के साथ कांशीराम आवास में किराये पर रहता था। सद्दाम कुछ दिनों पहले अपने चचेरे भाई अरबाज को अपने साथ काम करने के लिए बुलाया था। अरबाज अपने साथ एक अवैध पिस्टल लेकर आया हुआ था। बृहस्पतिवार की देर रात पिस्टल देखने के चक्कर में दोनों भाइयों में खींचातानी होने लगी। अनजाने में अरबाज के हाथ से ट्रिगर दब गया। जिससे सद्दाम गंभीर रूप से घायल हो गया।

बरखेड़ा में बांग्लादेश की घटनाओं के विरोध में पुतला दहन, विहिप-बजरंग दल का प्रदर्शन

ब्लॉक चौराहे पर जताया आक्रोश, हिंदू उत्पीड़न के मामलों पर कार्रवाई की मांग

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और दुर्गावाहिनी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही कथित हिंसा और प्रशासनिक निष्क्रियता की कड़ी निंदा करते हैं। हम मांग करते हैं कि दोषियों को सख्त सजा दी जाए और वहां अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

ललित कुमार
जिला संगठन मंत्री, विश्व हिंदू परिषद।

बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार अत्यंत निंदनीय और मानवता को शर्मसार करने वाले हैं। हाल ही में एक हिंदू युवक को जिंदा जलाकर मार दिया जाना बेहद दुखद और क्रूर घटना है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल इस अन्याय के खिलाफ पूरे देश में निरंतर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।ऐसी हिंसक घटनाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए।

प्रवीन मोहन अग्रवाल
जिला उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद, पीलीभीत।

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

बांग्लादेश में कथित तौर पर हो रही अमानवीय घटनाओं और अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं दुर्गावाहिनी के कार्यकर्ताओं ने नगर के ब्लॉक चौराहे पर इस्लामिक जिहाद का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा को रोकने की मांग की। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला संगठन मंत्री ललित कुमार ने कहा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद कथित रूप से इस्लामी जिहादी गतिविधियां बढ़ी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन गतिविधियों के निशाने पर हिंदू समुदाय से जुड़े मंदिर, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, महिलाएं, संपत्ति, शासकीय कर्मचारी और पत्रकार रहते हैं। उनका कहना था कि हिंदुओं के उत्पीड़न की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने हाल ही में मेमन सिंह जिले के भालुका क्षेत्र की एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि एक सामान्य हिंदू श्रमिक दीपू दास पर ईशनिंदा का झूठा आरोप लगाकर भीड़ द्वारा कथित रूप से उसकी हत्या कर दी गई। आरोप है कि घटना के दौरान प्रशासन की निष्क्रियता भी सामने आई, जिससे हालात और बिगड़े। संगठन ने इस घटना को मानवता को शर्मसार करने वाला बताते हुए कड़ी निंदा की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में प्रशासनिक तंत्र की निष्क्रियता से ऐसे तत्वों को बढ़ावा मिल रहा है, जो अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि ऐसी हिंसक घटनाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए, दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और अल्पसंख्यकों के लिए भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित किया जाए। प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष श्रीकृष्ण गंगवार, जिला उपाध्यक्ष प्रवीन मोहन, जिला गौ रक्षा प्रमुख नंदकिशोर गंगवार, प्रखंड मंत्री सुखदेव वर्मा, प्रखंड संयोजक हरीश पाल, सहसंयोजक कौशल गंगवार सहित शिवम भोजवाल, नीरज भोजवाल, विनोद, राजेश भोजवाल और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किराना स्टोर चोरी का 24 घंटे में खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

- 1,00,600 नकद, 315 बोर तमंचा व कारतूस बरामद, थाना अमरिया पुलिस की त्वरित कार्रवाई

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जनपद के थाना अमरिया क्षेत्र में थोक किराना स्टोर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सफल अनावरण कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से चोरी की गई 1,00,600 की नकदी के साथ एक अवैध 315 बोर तमंचा व एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। अपराध नियंत्रण अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर थाना अमरिया पुलिस ने अभियुक्त अरवाज 23 वर्ष पुत्र सईद, निवासी ग्राम कैन्टूटा, थाना अमरिया को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने कस्बा अमरिया स्थित एम.एस. इंटरप्राइजेज थोक किराना स्टोर में चोरी की घटना को स्वीकार किया। अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई नकदी के साथ अवैध असलहा भी बरामद किया। उल्लेखनीय है कि उक्त स्टोर में गुरुवार की रात ताला तोड़कर चोरी की गई थी, जिसकी रिपोर्ट वादी द्वारा थाना अमरिया में दर्ज कराई गई थी। मामले में थाना अमरिया पर विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वही दूसरी तरफ अमरिया पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अवैध तमंचा व जिंदा कारतूस सहित एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शुक्रवार को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना अमरिया पुलिस टीम ने महबूब हसन उर्फ छोटा मुन्ना उर्फ नासिर उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र मकसूद खां, निवासी छोटा मुस्लिम बस्ती, थाना अमरिया को क्षेत्र से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध 315 बोर तमंचा तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इस संबंध में थाना अमरिया पर मुकदमा अपराध संख्या 359/2025, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध पूर्व में आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम सहित अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक राजेश कुमार, हेड कांस्टेबल विशेष चौधरी तथा कांस्टेबल संदीप कुमार शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध हथियार रखने वालों में हड़कंप मच गया है।

सुनगढ़ी क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोर ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

- मजदूरी कर परिवार का सहारा बना किशोर संदिग्ध हालात में मृत, वजह अब तक साफ नहीं

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

> थाना सुनगढ़ी प्रभारी निरीक्षक नरेश त्यागी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। किशोर के आत्महत्या करने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

थाना सुनगढ़ी क्षेत्र में गुरुवार रात एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां 16 वर्षीय किशोर ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि मोहल्ले में मातम और सन्नाटा पसरा हुआ है। हर कोई इस बात से स्तब्ध है कि शांत स्वभाव का किशोर ऐसा कदम कैसे उठा गया।मोहल्ला नई बस्ती निवासी रामचरण मौर्य के पुत्र प्रिंस मौर्य (16) शहर के लीची बाग स्थित एक डेयरी पर मजदूरी करता था। प्रिंस के पिता का पूर्व में निधन हो चुका था, जिसके बाद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी प्रिंस और उसके बड़े भाई हरचरण पर आ गई थी। दोनों भाई मिलकर मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे।

परिजनों के अनुसार, गुरुवार शाम प्रिंस रोज की तरह काम खत्म कर करीब आठ बजे घर लौटा था। रात लगभग दस बजे उसका बड़ा भाई हरचरण जब काम से लौटकर घर पहुंचा, तो उसने अंदर का नजारा देखा और चीख-पुकार मच गई। प्रिंस घर के अंदर रस्सी के फंदे से लटका हुआ था। भाई की चीख सुनकर मां गंगादेई समेत अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। बेटे को इस हालत में देखकर मां बदहवास हो गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए। पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का कहना है कि प्रिंस बेहद शांत और सीधा-सादा था, उसका किसी से कोई विवाद भी नहीं था। उसने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया, यह परिवार की समझ से परे है। सूचना पर थाना सुनगढ़ी प्रभारी निरीक्षक नरेश त्यागी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर जांच-पड़ताल की और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। वहीं यह दुखद घटना एक बार फिर किशोरों पर पड़ने वाले मानसिक दबाव और पारिवारिक परिस्थितियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर गई है।

कड़ाके की ठंड से राहत को प्रशासन सतर्क

- 10 हजार कंबलों की खरीद, 7666 जरूरतमंदों तक पहुंची मदद
- जनपद में 37 रैन बसेरा, 179 स्थानों पर अलाव की व्यवस्था

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच सामान्य से कम तापमान और शीतलहर की चेतावनी को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। शासन की मंशा के अनुरूप निराश्रित, असहाय एवं कमजोर वर्ग के लोगों को ठंड से राहत पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपर जिलाधिकारी प्रसून द्विवेदी ने बताया कि जनपद में ठंड से बचाव के लिए 10 हजार कंबलों का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से किया गया है, जिन्हें सभी तहसीलों को उपलब्ध करा दिया गया है।

अब तक 7,666 जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरित किए जा चुके हैं। अमरिया में 1545, बीसलपुर में 1642, कलीनगर में 1352, सदर में 1549 तथा पूरनपुर में 1578 लोगों को कंबल दिए गए हैं।प्रशासन द्वारा जनपद की सभी तहसीलों और नगरीय क्षेत्रों में रैन बसेरा व शेल्टर होम स्थापित किए गए हैं, जहां ठहरने वाले लोगों के लिए गद्दे, कंबल, स्वच्छ पेयजल, प्रकाश, शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही रैन बसेरों के आसपास अलाव जलाने की भी समुचित व्यवस्था की गई है। शीतलहर से बचाव के लिए जनपद की पांचों तहसीलों में कुल 37 स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं। वहीं नगर पालिका परिषद क्षेत्रों में 70 तथा नगर पंचायतों में 72 स्थानों को अलाव के लिए चिन्हित किया गया है। इस प्रकार पूरे जनपद में कुल 179 स्थानों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रशासन ने रैन बसेरा और शेल्टर होम के लिए नोडल अधिकारी एवं केयर टेकर भी नामित किए हैं, ताकि जरूरतमंदों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और ठंड के दौरान उन्हें त्वरित राहत मिलती रहे। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं कोई असहाय व्यक्ति ठंड से परेशान दिखाई दे तो नजदीकी रैन बसेरा अथवा प्रशासन को सूचना दें, ताकि उसे तत्काल मदद पहुंचाई जा सके।

युवती को बहला फुसलाकर भगाने का आरोप, छह लोगों पर मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में एक 19 वर्षीय युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित का आरोप है कि वह किसी कार्य से बिलसंडा गया हुआ था, जबकि उसकी पत्नी खेत पर गई थी। इसी दौरान गांव निवासी विकास पुत्र छत्रपाल, जो अपनी ननिहाल में रह रहा है, ने अपने साथियों की मदद से उसकी 19 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा लिया। जब पीड़ित घर लौटा तो पत्नी से घटना की जानकारी मिली। इसके बाद पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर विकास पुत्र छत्रपाल, राहुल, रागिनी, राजाराम, शेर बहादुर और सुखलाल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने युवती की तलाश और आरोपियों की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक गौतम सिंह ने बताया कि युवती को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में तहरीर के आधार पर छह लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जमीन के लालच में सगा भाई ही बना हत्यारा, छोटे भाई की पीट-पीटकर हत्या कर घर में दफनाया शव

- पीलीभीत के लिलहर गांव में सनसनी, आठ फुट गहरा गड्ढा खोदकर छिपाया गया था शव
- कड़ाई से पूछताछ में आरोपी ने कबूला जुर्म, पुलिस शव बरामदगी में जुटी

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

पीलीभीत जनपद के बिलसंडा थाना क्षेत्र के लिलहर गांव में जमीन के विवाद ने रिश्तों को खून से रंग दिया। यहां मझले भाई ने सात बीघा जमीन के लालच में अपने ही छोटे भाई की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की नीयत से शव को अपने घर में ही करीब आठ फुट गहरा गड्ढा खोदकर जमीन में दबा दिया। घटना का खुलासा होते ही गांव में सनसनी फैल गई और पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया।

> जमीन के विवाद में युवक की हत्या किए जाने की जानकारी मिली है। आरोपी ने पूछताछ में हत्या कर शव को घर में दबाने की बात स्वीकार की है। उसकी निशानदेही पर शव बरामदगी की कार्रवाई चल रही है। फॉरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। शव बरामद होने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा और आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।
>
> **प्रगति चौहान सीओ बीसलपुर।**

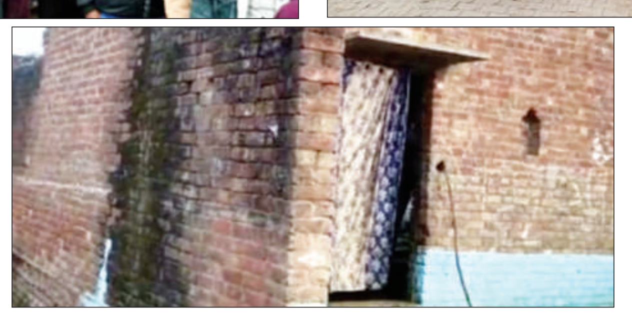

तीन भाइयों में बंटवारे को लेकर चल रहा था विवाद

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव भौरूआ निवासी हंसराज 35 पुत्र करन सिंह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। वह अपने बड़े भाई पृथ्वीराज के साथ भौरूआ गांव में रहता था, जबकि मझला भाई नक्षत्रपाल सिंह अपनी ननिहाल बिलसंडा थाना क्षेत्र के लिलहर गांव में परिवार सहित रह रहा था।परिजनों के अनुसार ननिहाल पक्ष की करीब सात बीघा जमीन को लेकर काफी समय से भाइयों के बीच विवाद चल रहा था। इसी विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से 12 दिसंबर को हंसराज अपने बड़े भाई को बताकर लिलहर गांव गया था, लेकिन इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा।

भाई के लापता होने पर बढ़ी शंका

कई दिनों तक हंसराज के वापस न आने पर बड़े भाई पृथ्वीराज को अनहोनी की आशंका हुई। उसने आसपास रिश्तेदारों और परिचितों से जानकारी ली, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पृथ्वीराज ने पुलिस को सूचना देकर मझले भाई नक्षत्रपाल पर हत्या की आशंका जताई। शुक्रवार शाम करीब चार बजे पुलिस टीम गांव पहुंची और नक्षत्रपाल से पूछताछ शुरू की। शुरुआत में वह पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन जब पुलिस ने सख्ती दिखाई तो वह टूट गया और उसने छोटे भाई हंसराज की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी के बयान के बाद पुलिस ने मौके पर खुदाई कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

पहले मंडी के पास की पिटाई, फिर घर में हत्या

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि 14 दिसंबर को नक्षत्रपाल ने पहले गांव के बाहर मंडी के पास हंसराज की लाठी-डंडों से जमकर पिटाई की। इसके बाद वह उसे जबरन घर ले आया, जहां दोबारा बेरहमी से पीटकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को छिपाने के लिए घर के अंदर ही करीब आठ फुट गहरा गड्ढा खोदकर जमीन में दबा दिया।

मौके पर पहुंचीं सीओ, फॉरेंसिक टीम जुटा रही साक्ष्य

हत्या की सूचना मिलते ही मौके पर सीओ बीसलपुर प्रगति चौहान पहुंचीं और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं।

पुलिस आरोपी की निशानदेही पर शव बरामदगी के प्रयास में जुटी हुई है। गांव में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

जमीन के लालच ने उजाड़ दिया परिवार

इस दिल दहला देने वाली वारदात ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। जमीन के लालच में एक भाई ने दूसरे भाई की जान ले ली और परिवार हमेशा के लिए उजड़ गया।

पुलिस का कहना है कि शव बरामदगी और पोस्टमार्टम के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

घुंघचाई क्षेत्र के गांव गुलड़िया भूपसिंह में घुसा तेंदुए का शावक, ग्रामीणों में दहशत

- करीब एक घंटे तक गलियों में मचा हड़कंप, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जनपद के घुंघचाई क्षेत्र स्थित गांव गुलड़िया भूपसिंह में गुरुवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आबादी के बीच तेंदुए का एक शावक देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण शावक के गन्ने के खेतों से भटककर गांव की गलियों में घुस आने की आशंका जताई जा रही है।शावक की मौजूदगी की सूचना फैलते ही गांव में हड़कंप मच गया। दर्जनों ग्रामीण लाठी-डंडे और टॉर्च लेकर घरों से बाहर निकल आए। एहतियातन बच्चों और महिलाओं को घरों में सुरक्षित कर दिया गया, जबकि पुरुषों ने आपसी तालमेल बनाकर स्थिति को संभालने का प्रयास किया। करीब एक घंटे तक तेंदुए का शावक और ग्रामीणों के बीच गलियों में लुका-छिपी का सिलसिला चलता रहा। ग्रामीणों ने शोर मचाकर और चारों ओर से घेराबंदी कर शावक को डराने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों को सफलता मिली और शावक को आबादी से बाहर खदेड़ दिया गया। इसके बाद वह गन्ने के खेतों की ओर भाग गया, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। इस पूरी घटना का वीडियो भी कुछ ग्रामीणों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में तेंदुए के शावक को गांव की संकरी गलियों में इधर-उधर भागते हुए साफ देखा जा सकता है, जिससे घटना की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा रहा है।

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गांव व आसपास के क्षेत्रों में जांच की। टीम को पदचिह्न मिलने से तेंदुए के शावक की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। इसके बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है और लगातार निगरानी की जा रही है। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व ही पास के गांव बिलंदपुर अशोक में भी तेंदुआ देखे जाने की सूचना सामने आई थी। तराई क्षेत्र में फैले ऊंचे और घने गन्ने के खेत तेंदुओं के लिए सुरक्षित ठिकाने बनते जा रहे हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं और ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

खुटार सामाजिक वानिकी के रेंजर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया था। गांव और आसपास पदचिह्न मिलने से तेंदुए के शावक की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे रात के समय अकेले बाहर न निकलें, बच्चों को बिना जरूरत घर से बाहर न जाने दें, खेतों की ओर समूह में जाएं और किसी भी वन्यजीव की गतिविधि दिखने पर तुरंत वन विभाग या पुलिस को सूचना दें।

नौगमियां व गन्ना क्रय केंद्र पांच दिन से बंद पेड़ी खेतों में खड़ी, गेहूं की बुवाई पर संकट

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत। जनपद की तहसील बीसलपुर क्षेत्र के किसानों के सामने इन दिनों बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। गन्ना क्रय केंद्र नौगमियां और इससे संबद्ध अन्य केंद्रों को इंडेंट पूरा होने के चलते 21 दिसंबर से बंद कर दिया गया है। बीते पांच दिनों से तौल बंद होने के कारण किसानों की गन्ने की पेड़ी खेतों में खड़ी हुई है, जिससे समय पर गेहूं की बुवाई नहीं हो पा रही है। नौगमियां गन्ना क्रय केंद्र डालमिया शुगर मिल निगोही से संबद्ध है। जानकारी के अनुसार यहां पांचवीं फोरनाइट 5/15 पूरी हो चुकी है, जिसके बाद आगे की पर्चियां जारी नहीं की जा रहीं। जबकि इस समय अधिकांश किसानों के खेतों में पेड़ी खड़ी है और किसान पेड़ी कटवाकर ही गेहूं की बुवाई करते हैं। पर्चियां न मिलने से किसान खेत खाली नहीं कर पा रहे, जिससे रबी की फसल पर संकट मंडराने लगा है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द पर्चियां जारी नहीं हुईं तो उन्हें मजबूरी में अपना गन्ना अन्य क्रय केंद्रों या बिचौलियों के हाथों औने-पौने दामों में बेचना पड़ेगा। इससे जहां किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, वहीं सरकार द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे दावों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि क्रय केंद्र बंद होने से रोजाना ट्रालियों में गन्ना लाकर लौटना पड़ रहा है। इससे परिवहन खर्च भी बढ़ रहा है।

वीर बाल दिवस पर बालाजी प्राइवेट आईटीआई सैदपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत। वीर बाल दिवस के अवसर पर महिला कल्याण विभाग द्वारा शुक्रवार को बालाजी प्राइवेट आईटीआई, सैदपुर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने की। इस दौरान बच्चों को वीर बाल दिवस के महत्व, शिक्षा के उद्देश्य और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी द्वारा सभी अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। उन्होंने वीर बाल दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की अद्वितीय वीरता और बलिदान की स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है, ताकि नई पीढ़ी देशभक्ति और साहस के मूल्यों को आत्मसात कर सके। इसके पश्चात अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुनील कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य व्यक्तित्व और सोच का विकास करना है। उन्होंने बच्चों को किसी भी प्रकार के अपराध या अन्याय की स्थिति में तुरंत शिकायत करने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की सलाह दी।सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर ने बच्चों को छोटे-छोटे अच्छे कार्यों जैसे पेड़ लगाना, जरूरतमंदों की सहायता करना और समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आत्मनिर्भर बनने, स्वयं का रोजगार शुरू करने और दूसरों को भी साथ जोड़ने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के दौरान रिमझिम मौर्य एवं आरती ने भी वीर बाल दिवस के अवसर पर अपने विचार साझा किए। साथ ही आईटीआई फिटर ट्रेड में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाकर किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिटी मजिस्ट्रेट, जिला प्रोबेशन अधिकारी, संरक्षण अधिकारी, जिला मिशन कोऑर्डिनेटर सहित महिला कल्याण विभाग का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एक्सप्रेस खबरें...

पारिवारिक बंटवारे को लेकर हुई मारपीट, दो पक्षों पर मुकदमा

जन एक्सप्रेस/उरई। कदौरा थाना क्षेत्र के गांव बबीना में पारिवारिक बंटवारे को लेकर हुई मारपीट में तहरीर मिलने पर पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध मुकदमा दर्जकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। कदौरा थाना क्षेत्र के गांव बबीना में कुछ दिन पूर्व पारिवारिक बंटवारे को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई थी। जिस पर एक पक्ष की महिला ने परिवार के ही तीन युवकों के खिलाफ छेड़खानी सहित मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी थी। जिस पर पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपितों के खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। वही दूसरे पक्ष की महिला की तहरीर पर पुलिस ने दो महिलाओं सहित चार के खिलाफ मामला दर्जकर विवेचना शुरू कर दी है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक प्रभात सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के खिलाफ मामला पंजीकृत किया गया है और आगे की विवेचना की जा रही है।

सिंचाई विभाग के कर्मचारी का शव घर के बाहर मिलने से इलाके में फैली सनसनी

जन एक्सप्रेस/उरई। सिंचाई विभाग के कर्मचारी का शव घर के बाहर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों द्वारा उसकी हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्जकर जांच शुरू कर दी है।
शहर के जालौन रोड सिंचाई विभाग कार्यालय परिसर में कर्मचारियों के आवास हैं। विभाग में रनर पद पर तैनात 51 वर्षीय वीरेंद्र गौतम उर्फ मुन्ना गुरुवार की शाम घर से गया था। बताया गया कि वह शराब पीने का लती भी था, और देर शाम करीब 8 बजे कुछ लोग उसे घायल हालत में आवास के दरवाजे पर छोड़कर चले गए। पत्नी लता गौतम ने उसे दरवाजे पर घायल हालत में पड़ा देखा तो पुत्र अनंत को सूचना दी। घर में पत्नी के साथ छोटी बेटी निमिशा भी रहती है। मां बेटी ने कुछ अन्य लोगों की मदद से गम्भीर हालत में उसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले गए। जहां पर जांच पड़ताल के बाद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर चंद मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। पत्नी ने आरोप लगाते हुए पुलिस को बताया कि उसके पति की हत्या की गई है।
मामल में प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर चंद ने बताया कि हादसे में कर्मचारी घायल हुआ था, जिसकी सिर में चोट लगने के कारण मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत की सही वजह साफ हो सकेगी और उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
फिलहाल घटना की हर पहलू पर जमीनी स्तर से जांच पड़ताल की जा रही है।

नाले में गिरकर एक व्यक्ति की मौत, जांच में जुटी पुलिस

जन एक्सप्रेस/उरई। एट थाना क्षेत्र के कस्बे में देर रात्रि को लघुशंका के दौरान नाला में गिरकर अधेड़ मौची की मौत हो गई। कोटरा थाना क्षेत्र के ग्राम सैदनगर हाल निवासी कस्बा एट निवासी धनीराम कोटरा चौराहा पर प्रतीक्षालय के बगल में रोड पर बैठकर जूता चप्पल सुधारने का काम करता था और वह शराब का लती था। संभवतः रात्रि को शराब पीकर घर जा रहा था। तभी लघुशंका करने के दौरान वह नाली में सर के बल गिर गया। नाले में मालवा होने के कारण वह उभर नहीं पाया और उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कस्बा में अधिकतर नाला खुले पड़े हैं अनेकों बार जानवर गे बछड़े नाला में गिर जाते हैं और उनकी मौत हो जाती है। नई नगर पंचायत बनने पर अधिक रुपए आना और अधिक कमीशन बाजी के चक्कर में ना तो नाला पाटे जा रहे हैं। आदर्श नगर पंचायत का दर्जा मिलने पर बजट पर्याप्त आता है। ना तो मानक के अनुरूप काम हो रहा है सब माल गोलमोल हो रहा है। फिलहाल सूचना मिलने पर थाना प्रभारी पंकज पांडे हमराही फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और शव को नाला से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना के बाद से मृतक के परवारीजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्लीपर बस में जहरखुरानी : गिरोह ने नशीला पदार्थ खिलाकर युवक को किया बेहोश, पर्स व बैग चोरी

जन एक्सप्रेस/उरई/जालौन। दिल्ली से स्लीपर बस में आ रहे युवक को किसी ने रास्ते में कोई नशीला पदार्थ खिला दिया। बस का स्टॉफ युवक को गल्ला मंडी गेट पर बेहोशी की हालत में उतारकर चला गया। युवक का पर्स और बैग भी नहीं मिला। राहगीरों ने युवक को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे उच्च संस्थान रेफर किया गया। कोंच क्षेत्र के गुरावती निवासी आकाश कुमार (22) गुरूवार की रात दिल्ली से स्लीपर बस द्वारा अपने गांव के लिए आ रहा था। रास्ते में कहीं किसी व्यक्ति ने युवक को कोई नशीला पदार्थ खिला दिया। जिससे युवक बेहोश हो गया। सुबह जब बस जालौन पहुंची तो स्टॉफ ने युवक को जगाने का प्रयास किया। लेकिन वह उसके बेहोशी के हालत में होने के चलते स्टॉफ ने युवक को गल्ला मंडी पर सड़क किनारे उतार दिया और उसे जमीन पर लिटाकर बस चली गई। वहां से निकल रहे राहगीरों ने जब युवक को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा तो उसे सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे उच्च संस्थान रेफर कर दिया। युवक के पास उसका बैग और पर्स आदि भी नहीं मिला।

24 महिलाओं की नसबंदी की गई

जन एक्सप्रेस/जालौन। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत नसबंदी शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 24 महिलाओं की नसबंदी की गई। सभी महिलाओं को सुरक्षित घरों तक भी पहुंचाया गया। परिवार नियोजन के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नसबंदी शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. केडी गुप्ता के नेतृत्व मे डाक्टरो की टीम द्वारा नसबंदी शिविर आयोजित हुआ। डॉ. विनोद राजपूत, चीफ फार्मासिस्ट डॉ. पीएन शर्मा, ओटी टैक्नीशियन डॉ. छवि कुशवाहा, स्टाफ नर्स मणींद्र, सायना आदि ने सभी 24 महिलाओं सुरक्षित नसबंदी कराई। इसके बाद सभी को सुरक्षित उनके घरो पर एम्बुलेंस द्वारा पहुचाया गया।

युवक की पिटाई कर जान से मारने की दी धमकी

जन एक्सप्रेस/जालौन। रंगबाजी को लेकर तीन युवकों ने दलित युवक की पिटाई कर जान से मारने की धमकी दे दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बालमभट्ट निवासी मेहरकिशोर ने पुलिस को बताया कि वह 24 दिसंबर की रात करीब 11 बजे मोहल्ला खंडेराव में अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे। जब वह क्रय-विक्रय केंद्र के पास संचालित शराब के ठेके के पास पहुंचे तो वहां पर पहले से मौजूद वरुण, अन्नू व ईलू ने उनके साथ गाली, गलौज शुरू कर दी। मना करने पर गालियां देकर पिटाई कर दी। जिसमें उसके सिर में चोटें आई हैं। मारपीट के बाद तीनों शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डीएम ने जनसुनवाई मे सुनी 57 जनशिकायतें

जनएक्सप्रेस/हरदोई। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई मे आज कुल 57 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। जन सुनवाई मे एक महिला को वृद्वावस्था पेंशन योजना से जोड़ा गया।डीएम ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो। राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। जन सुनवाई मे एक बुर्जुग महिला को एडीएम ने कम्बल दिया। इस अवसर पर एडीएम प्रियंका सिहं व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजपूत करणी सेना के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष का मुंह मीठा कराकर संगठन के कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

जन एक्सप्रेस/महोबा। देश के सबसे बड़े राजपूत संगठन राजपूत करणी सेना उत्तर प्रदेश एकीकृत राजपूत युवा संगठन द्वारा शहर के गांधीनगर जनपद महोबा निवासी प्रदीप सिंह भदौरिया को राजपूत करणी सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकरानाएवं दुर्गेश सिंह प्रदेश अध्यक्ष की अगुवाई में जिला अध्यक्ष पद पर प्रदीप सिंह भदोरिया कोमनोनीत किया गया जिला अध्यक्ष पद भार ग्रहण करते ही श्री सिंह ने कहा कि मैं करणी सेना का विस्तार करते हुए मेरे नेतृत्व और कार्यशैली को देखते हुए। मुझे संगठन ने राजपूत करणी सेना, का जिलाध्यक्ष घोषित किया गया। बहुत जल्द संगठन का विस्तार करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान की जाएगी। नवीन दायित्व मिलते ही हमारे शुभचिंतकों छोटे एवं बड़े भाइयों व समाज के बुद्धजीवियों ने दूरभाष के माध्यम से शुभकामनाएं प्रदान की तथा मेरे शुभचिंतकों के द्वारा आवास पहुंचकर मुंह मीठा कराकर आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया मैं संगठन को विश्वास दिलाता हूं कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए कर्तव्य निष्ठा ईमानदारी के साथ संगठन का कार्य करूंगा।

हरदोई में सड़क हादसा : रोडवेज बस व ट्रक में आमने सामने टक्कर

बस चालक-परिचालक सहित 9 लोग घायल, 5 की हालत गम्भीर

जन एक्सप्रेस । हरदोई

कटरा बिल्हौर हाइवे पर गुरुवार की सुबह घने कोहरे के चलते हरपालपुर थाना क्षेत्र के लमकन गांव के पास एक रोडवेज बस व ट्रक की आमने सामने टक्कर हो गयी। इस घटना में बस पर सवार चालक परिचालक सहित 9 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए एम्बुलेंस की सहायता से सीएचसी हरपालपुर में भर्ती कराया गया जहां से 5 घायलों को गम्भीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।
जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह बुद्ध विहार डिपो की एक रोडवेज बस दिल्ली से हरदोई जा रही थी। जिस पर लगभग एक दर्जन यात्री सवार थे।
कटरा बिल्हौर हाइवे पर हरपालपुर थाना क्षेत्र के लमकन गांव के पास घने कोहरे के चलते सामने से आ रहे एक ट्रक की रोडवेज बस से आमने सामने टक्कर हो गयी। जिसके बाद बस पर सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई।चीख पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आनन फानन में एम्बुलेंस की सहायता से सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी हरपालपुर में भर्ती कराया गया। बस पर सवार यात्री विनोद (38)पुत्र रामगोपाल निवासी सथरा थाना सुरसा जनपद हरदोई, संजय (41) पुत्र शिशुपाल निवासी डाभा थाना बिलग्राम जनपद हरदोई, उजमा बानो (20)पत्नी गुफरान निवासी महितापुर थाना हरपालपुर जनपद हरदोई, उमेश कुमार सिंह (43) पुत्र महेश्वर निवासी शिवराजपुर थाना पाली जनपद हरदोई, सुनीत कुमार सिंह (32)पुत्र कृष्णपाल सिंह निवासी मलवा अखबेलपुर थाना सांडी, नीलम (38) पत्नी विनोद निवासी लोनी गाजियाबाद, अनिल (39)पुत्र सीताराम निवासी हेमपुर बंदरिया थाना सुरसा हरदोई, दयावती(34)पत्नी संजय सिंह निवासी डाभा थाना बिलग्राम हरदोई, विनोद (35)पुत्र राजनारायण अलीगढ़, चालक मनोज कुमार निवासी अलीगढ़ सहित 9 लोग घायल हो गए। जिसमे से अनिल कुमार सिंह, दयावती, नीलम, सुनीत, उमेश सिंह को गम्भीर हालत में मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

तीन एफ0पी0ओ0 द्वारा उत्पाद को जैविक प्रमाणीकरण कराने की उठाई गई मांग

जन एक्सप्रेस । महोबा

जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में एफ0पी0ओ0 की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, मण्डी परिषद सचिव व जनपद में कार्यरत सक्रिय कृषक उत्पादक संगठन के निदेशक एवं जैविक खेती करने वाले कृषको ने प्रतिभाग किया द्य एफ0पी0ओ0 के. निदेशक एवं जैविक खेती करने वाले कृषकों ने अपने उत्पाद को बेचने के लिए बाजार की मांग की गयी। जिसमें जिलाधिकारी द्वारा एफ0पी0ओ0 के निदेशकों को जनपद में जैविक बाजार के नाम से स्थान चिन्हित करने के निर्देश अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका एवं मण्डी परिषद सचिव को दिये गये है। 3 एफ0पी0ओ0 द्वारा उत्पाद को जैविक प्रमाणीकरण कराने की मांग की गयी। जिसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने उप कृषि निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी एवं जिला कृषि अधिकारी को जैविक प्रमाणीकरण सस्थाओं से वार्ता कर एफ0पी0ओ0 को जैविक प्रमाण पत्र दिलाने के निर्देश दिये गए।

गरीब ने डीएम से जांच की लगाई गुहार...

आवास योजना में जांच के नाम पर सचिव ने दर्शाया फर्जी ट्रैक्टर

जन एक्सप्रेस । महोबा

प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार का एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम बुधौरा, विकास खंड जैतपुर निवासी फूलवती पत्नी कालूराम ने जिलाधिकारी गजल भारद्वाज को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि मै लगभग 4 वर्ष से शिकायती पत्र दे देकर परेशान हूं। आवास योजना का लाभ न देने के लिए ग्राम पंचायत अधिकारियों द्वारा उनके खिलाफ फर्जी जांच रिपोर्टें लगाई गईं।
फूलवती ने बताया कि वह अनुसूचित जाति (बसोर) समुदाय से हैं, लाल कार्ड धारक हैं और बेहद गरीब मजदूर महिला हैं। ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्तावित आवास की पत्रावली क्रमांक - 17 में उनका नाम शामिल किया गया था। लेकिन तत्कालीन ग्राम पंचायत अधिकारी बृजेश कुमार ने गलत तरीके से उनके नाम पक्का मकान दर्शा दिया।
इसके बाद दूसरे ग्राम विकास अधिकारी भूपेंद्र सोनकिया ने अपनी जांच रिपोर्ट में उनके पास ट्रैक्टर होना दर्शा दिया, जबकि वास्तविकता यह है कि आज भी उनका मकान कच्चा है और उनके पास साइकिल तक नहीं है।
पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद तीसरे नंबर पर आए सचिव ने जांच के नाम पर किसी जयराम नामक व्यक्ति को गारंटर दिखाकर पुनः पक्का मकान दर्शा दिया, जबकि उनके गांव में जयराम नाम का कोई व्यक्ति मौजूद ही नहीं है।
फूलवती का कहना है कि पिछले चार वर्षों में दो दर्जन से अधिक प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को दिए जा चुके हैं, लेकिन आज तक किसी भी दोषी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी दावा किया कि फर्जी जांच से संबंधित सभी दस्तावेजों की प्रतियां उनके पास सुरक्षित हैं।
पीड़िता के पति ने बताया कि वह कम से कम चार बार जिलाधिकारी महोबा गजल भारद्वाज को इस पूरे मामले से अवगत करा चुके हैं, इसके बावजूद न्याय नहीं मिला।
जब इस संबंध में वर्तमान में ब्लॉक कबरई में तैनात सचिव भूपेंद्र सोनकिया से पत्रकारों ने जानकारी लेनी चाही, तो उन्होंने कथित तौर पर कहा-
क्यों गड़े मुर्दे उखाड़कर परेशान हो रहे हो, छापने के लिए कोई और मामला नहीं है क्या?
पीड़िता के पति ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए और फर्जी रिपोर्ट लगाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें आवास योजना का वास्तविक लाभ मिल सके।

थाना प्रभारी ने अलाव जलवाकर लोगों को दिलाई ठंड से राहत

जन एक्सप्रेस । हरपालपुर

लगातार गिरते पारे से बढ़ रही गलन में ठंड से कंपकंपाते लोगो को देखकर प्रभारी निरीक्षक हरपालपुर ने ककरा तिराहे पर पुलिस कर्मियों के साथ अलाव की व्यवस्था कराई। जबकि तहसील प्रशासन की अलाव व्यवस्था पूरी तरह अभी तक हवाई साबित हो रही है। बताते चले कि दिल्ली व फर्रुखाबाद से हरदोई तक के यात्रियों को हरपालपुर कस्बे के ककरा तिराहे पर बसों का इंतजार करना होता है।जहां पर लगातार ठंड से ठिठुरते लोगो पर किसी भी जिम्मेदार की नजर नही गयी थी।आखिरकार गुरुवार की शाम पैदल गस्त पर पुलिस कर्मियों के साथ प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र पंकज ने पहुंचकर जब वहां बसों का इंतजार कर रहे आमजन को देखा तो उन्होंने बिना देर किए लकड़ियों का इंतजाम कराया और अलाव जलबा दिया।ठंड से ठिठुरते लोगो ने अलाव जलने के बाद राहत महसूस की।हालांकि तहसील प्रशासन की संवेदन हीनता के चलते क्षेत्र में चिन्हित स्थानों पर अभी तक राजस्व टीम द्वारा कोई भी अलाव व्यवस्था नही कराई गई है।

25 हजार का इनामिया वांछित शातिर अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में घायल अवस्था में हुआ गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । महोबा

पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत शुक्रवार को जनपदीय एस.ओ.जी एवं थाना कबरई प्रभारी सत्यवेंद सिंह भदौरिया की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा महत्वपूर्ण कार्यवाही की गई। पुलिस टीम द्वारा धरौन गौशाला के पास पहाड़ के नीचे से जाने वाले जंगली रास्ते ग्राम धरौन पर दबिश के दौरान अभियुक्त घनश्याम उर्फ घंसू पुत्र धनीराम पाल उम्र करीब 40 वर्ष निवासी ग्राम सलारपुरा थाना श्रीनगर द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में अभियुक्त के बाएं पैर में गोली लगी जिसे घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 1 तमंचा 315 बोर, 1 जिन्दा कारतूस 315 बोर एवं 2 खोखा कारतूस 315 बोर नाजायज बरामद किए गए।अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना कबरई पर धारा 109(1) बीएनएस एवं 3/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारी के समय सर्वोच्च न्यायालय एवं मानवाधिकार आयोग के आदेशों, निर्देशों का अक्षरशः पालन किया गया है। अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

गुरू जी के पुत्रों की वीरता, बलिदान और अटल साहस को नमन किया जाता है : सीडीओ

जन एक्सप्रेस/हरदोई। हरदोई। स्वामी विवेकानंद सभागार कलेक्ट्रेट में वीर बाल दिवस का आयोजन सीडीओ सान्या छाबड़ा की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि यह दिवस गुरू गोबिंद सिंह जी के पुत्रों साहिबजादा जोराबर सिंह और फतेह सिंह की वीरता, बलिदान और अटल साहस को नमन किया जाता है जिसे धर्म, साहस और सच्चाई के प्रति बच्चों और युवाओं को साहस जागरूक करता है। बच्चों से संवाद किया तथा प्रधानमंत्री के संबोधन का सुना।
इस अवसर पर सीडीओ ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाली खुशी वर्मा, बेणी माधव विद्या पीठ, तनुष्का सैनी, राजकीय इण्टर कालेज, हरदोई, धुव्र कुमार, रफी अहमद इ0का0, पवन वर्मा सनातन धर्म इ0का0, वर्दराज सिंह जीआईसी, हरदोई तथा बाल विज्ञान प्रदर्शनी प्रथम समर जीआईसी, खेल क्षेत्र में प्रशान्त निगत, योगेश कुमारी रफी अहमद इ0का0, संगीत में आदर्श कुमार गंगा देवी इंटर का0 तथा विज्ञान में नवल दीप जीआईसी हरदोई को बैग एवं सुल्फाहार आदि देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में एडीएम न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी,एसडीएम सदर सुशील कुमार मिश्रा, प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी विनीत तिवारी तथा वरिष्ठ सहायक सतीश वर्मा व प्रियंका सिंह, रामू, अध्यापक आदि उपस्थित रहे।

शीतलहर को देखते हुए जिले में सार्वजनिक स्थलों पर जलाए जा रहे 85 अलाव

जन एक्सप्रेस । महोबा

शासन के मनसानुरूप शीतलहर को देखते हुए जिलाधिकारी गजल भारद्वाज के आदेशानुसार जनपद के सभी तहसीलों में सार्वजनिक स्थलों पर कुल 85 अलाव जलाए जा रहे। प्रतिदिन अलाव स्थलों का निरीक्षण उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी, नायब तहसीलदार द्वारा किया जा रहा है । जनपद में कुल 7 निःशुल्क रैन बसेरा नवीन प्राइवेट बस स्टैंड छतरपुर रोड, अंबेडकर पार्क आल्हा चौक, बस स्टैंड चरखारी, महामुनि गेट के पास नगर पंचायत खरेला, कम्युनिटी हॉल गोंदी चौराहा कुलपहाड़ , यू0पी0रोडवेज बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन में संचालित हैं। कोई व्यक्ति खुले में न सोए इसलिए सभी अधिकारी फील्ड में रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक भ्रमण कर रहे हैं। कोई व्यक्ति बाहर सोता हुआ मिलने पर उन्हें रैन बसेरा में पहुंचाया जा रहा है। सभी रैन बसेरे के बाहर प्रतिदिन अलाव एवं साफ सफाई, पीने के पीने के पानी आदि के साथ साथ महिला एवं पुरुष के अलग अलग रहने की व्यवस्था की जा रही है। जिन व्यक्तियों के पास कंबल नहीं है उन्हें रात्रि भ्रमण के समय कंबल भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

नि :शुल्क चिकित्सा शिविर में 40 नेत्ररोगियो का किया गया रजिस्ट्रेशन

जन एक्सप्रेस/हरपालपुर। शंकरा आई हॉस्पिटल तत्वाधान में हरपालपुर कस्बे में गुरुवार को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कस्बे के कैलाश बाबू तिवारी मैरिज लॉन में संपन्न हुआ। जिसमें क्षेत्रीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना और मोतियाबिंद जैसी बीमारियों का समय पर पता लगाना था। शिविर में कुल 40 मरीजों का पंजीकरण हुआ। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सभी मरीजों की गहन जांच की, जिसमें से 30 मरीजों को मोतियाबिंद का पता चला। इन चयनित मरीजों को निशुल्क सर्जरी के लिए कानपुर स्थित शंकरा आई हॉस्पिटल ले जाया गया, वहां उनका ऑपरेशन किया जाएगा। इसके अलावा, अन्य नेत्र रोगियों को आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं तथा उन्हें सर्दी के मौसम में आंखों की सुरक्षा और देखभाल संबंधी महत्वपूर्ण सलाह दी गई। शिविर मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि डॉ. रजनीश कुमार त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष कमलेश पाल, डॉ.राहुल वर्मा, डॉ. राहुल तिवारी डा.रजी, डा0 गोविन्द त्रिवेदी विकास कुमार, पूजा कुमारी, विनय शुक्ला, राहुल त्रिपाठी, अजय शुक्ला आदि मौजूद रहे।

सामाजिक एकता संदेश के रूप में मना महाराजा सूरजमल बलिदान दिवस

जन एक्सप्रेस । आगरा

जाट एकता एसोसिएशन के तत्वावधान में शुक्रवार को आगरा स्थित संगठन कार्यालय पर अजेय महाराजा सूरजमल जी का बलिदान दिवस एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह का स्मरण श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकता के संदेश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके राष्ट्र के प्रति अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ आध्यात्मिक चिंतक लाखन सिंह रावत (सेवानिवृत्त डीजीएम, बीएसएनएल) द्वारा गायत्री मंत्र की पावन ऋचा के साथ किया गया। उन्होंने उपस्थित सभी के मस्तक पर चंदन का वंदन कर समारोह को आध्यात्मिक ऊर्जा और शुभता से सराबोर कर दिया। संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष विपिन चौधरी ने उपस्थित परिवारों को संकल्प दिलाया कि समाज अपने महापुरुषों की जन्म जयंती एवं निर्वाण दिवस पर भविष्य में भी ऐसे भव्य आयोजन और वैचारिक गोष्ठियों का निरंतर आयोजन करता रहेगा। कार्यक्रम के सभा अध्यक्ष

कृपालु परिहार ने ओजस्वी उद्घोष के साथ कहा कि अपने महापुरुषों को न भूलेंगे और न ही भूलने देंगे। मुख्य अतिथि जाट समाज पत्रिका के संपादक एवं पत्रकार इतिहासकार राजेन्द्र फौजदार ने महाराजा सूरजमल एवं चौ. चरण सिंह से जुड़े कई अनसुने ऐतिहासिक दृष्टांत साझा कर श्रोताओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन लाखन सिंह रावत एवं भरत चाहर ने संयुक्त रूप से किया, वहीं वीरेन्द्र इंदोलिया एवं बहन दुर्गेश रावत के जोशीले जयकारों ने पूरे वातावरण को उत्साह से भर दिया। इस अवसर पर सामाजिक योगदान एवं उपलब्धियों के लिए सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। डॉ. अनिल चाहर को सर्वाधिक मरीज देखने के उल्लेखनीय रिकॉर्ड के लिए उनके संरक्षक श्री कुँज बिहारी एवं मंजू चाहर द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं कु. दिव्या आर्य को राष्ट्रीय स्तर की छात्र संसद डिबेट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर **जाट गौरव** उपाधि से सम्मानित किया गया।
सभा को हरेंद्र चाहर (चीफ मैनेजर, एसबीआई), एनके राना, राजबीर सिंह,अशोक चौधरी सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया तथा उन्हें भी मंच पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जाट समाज के अनेक लोगों एवं मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से मधु चौधरी, कमलेश रावत, दुर्गेश रावत, मंजू चाहर, सतेन्द्री आर्य, कु. दिव्या आर्य, कु. प्रिया चाहर, विमलेश रानी, देव राना, एनके राना, राकेश वर्मा, प्रशांत चाहर, पवन पंवार, मनिंदर चाहर, प्रमोद सोलंकी, हरेंद्र सिंह, प्रमोद चौधरी, आनंद चौधरी, लाखन सिंह उंदेरा सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में लाखन सिंह मोर साहब, मनिंदर चाहर तथा कार्यक्रम संयोजक विपिन चौधरी (मैनेजर साहब) का विशेष योगदान रहा। समूचा आयोजन सामाजिक चेतना, इतिहास-बोध और एकता के संदेश के साथ यादगार बन गया।

पूर्व विधायक व समाजवादी विचारक विश्राम सिंह यादव की मनाई गई 17वीं पुण्यतिथि

जन एक्सप्रेस । हरदोई

समाजवादी विचारक व पूर्व विधायक स्वर्गीय बाबू विश्राम सिंह यादव की 17वीं पुण्यतिथि पर कटियारी डिग्री कॉलेज हरपालपुर में एक विशाल श्रद्धांजलि सभा आयोजित करते हुए वोट-बचाओ संकल्प दिवस के रूप मनाई गई।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी एवं प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग राजपाल कश्यप ने श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए कहा की बाबू विश्राम सिंह संघर्षो के प्रेणास्रोत थे।उन्होंने हरदोई जनपद में जो समाजवादी अलख जगाई हमें उसी को जलाये रखना है। जिसके लिए एक-एक वोट बनाये रखने की जरूरत है जो एसआईआर प्रकिया के द्वारा बीजेपी काटना चाहती है। कार्यक्रम के आयोजक पूर्व जिलाध्यक्ष पद्मराग सिंह यादव पम्मू ने कहा की मेरे पिता व आपके नेता बाबूजी ने पिछड़े, शोषित, बंचितों की जो लड़ाई लड़ी वो अनवरत जारी रखूँगा। बीजेपी सरकार के द्वारा प्रायोजित षड्यंत्रो के द्वारा हमारे वोट के हक को छीना जा रहा है। इसलिए घर घर जाकर वोट बनबाने व एसआईआर फॉर्म भरबाने की जरूरत है। जब वोट नहीं होगा तो लड़ाई कैसे लड़ेंगे।
पूर्व सांसद उषा वर्मा ने बाबूजी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा की बाबूजी संघर्ष के प्रणेता थे, उन्होंने कहा कि विशेष रूप से पम्मू यादव को धन्यवाद देती हूँ। कि हमारे नेता की पुण्यतिथि को किसी न किसी संकल्प दिवस के रूप में मनाते हैं। जिससे जनपद के सभी समाजवादीयों को एक नए संकल्प लेकर लड़ाई लड़ने की ऊर्जा मिलती है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन, पुतला फूंका

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे कथित अत्याचार और उत्पीड़न के विरोध में नगर पंचायत परतावल में शुक्रवार को आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने एकजुट होकर विरोध जताया और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदुओं की सुरक्षा की मांग उठाई। प्रदर्शन की शुरुआत परतावल क्षेत्र में भ्रमण के साथ हुई।

पिपराइच रोड, कप्तानगंज रोड, हॉस्पिटल रोड और परतावल चौराहा रोड से गुजरते हुए प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में हो रहे हिंदू उत्पीड़न के विरोध में नारे लगाए। **हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो, धर्म के नाम पर हिंसा नहीं चलेगी** जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इसके बाद परतावल चौराहे पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने प्रतीकात्मक रूप से पुतला दहन किया। इस मौके पर पूर्व सांसद प्रतिनिधि काशीनाथ सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के साथ जो व्यवहार हो रहा है, वह अत्यंत निंदनीय और मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में धर्म के आधार पर उत्पीड़न स्वीकार्य नहीं हो सकता। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखते हुए यह संदेश दिया कि हिंदू समाज एकजुट है और जहां भी किसी समुदाय पर अन्याय होगा, उसके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। वक्ताओं ने कहा कि यह आंदोलन किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता के समर्थन में है। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व सांसद प्रतिनिधि काशीनाथ सिंह के साथ विनय सिंह (सभासद), सोहन चौधरी, संजय जायसवाल, बलराम गुप्ता, छवि नाथ मद्धेशिया, आशु सिंह, दीपक सिंह, मित्तन साहनी, सूर्यभान, कृपाल बाबा, शेरु और राजन वर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में बांग्लादेश में हो रहे हिंदू उत्पीड़न की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

हत्या व हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार, जेल

जन एक्सप्रेस/प्रतापगढ़। जिले की देहात कोतवाली पुलिस ने हत्या व हत्या के प्रयास के आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी जयसिंह पटेल को थाना इलाके के पूरे भग्गू पीपरताली मोड़ के समीप गिरफ्तार किया। बता दें कि थाना इलाके के रेडवीर निवासी रामलाल सरोज ने तहरीर देते हुए आरोप लगाया था कि बीते सात दिसम्बर की शाम गांव में ही मान्धाता थाना इलाके के रहने वाले अंकेश पटेल उर्फ गोलई व अम्बुज पटेल ने चार पांच अज्ञात साथियों के साथ शराब के नशे में जति सूचक गाली देते हुऐ जान मारने के नियत से बांस लाठी डन्डे से हमला बोल दिए जिससे मेरे भाई को गम्भीर चोट सर पर आई। घायल को इलाज हेतु जिला अस्पताल लेकर गये जहां पर रामखेलावन की हालत गम्भीर अवस्था को देखते हुऐ प्रयागराज रेफर कर दिया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस संबंध में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया था। रामखेलावन की मृत्यु के बाद पुलिस ने मुकदमे में धारा 103 की बढोत्तरी की। एसआई रोहित सिंह व उनकी पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपी को थाना कोतवाली देहात इलाके के पड़वासी पीपरताली मोड़ के पास से गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

इंस्टाग्राम पर फर्जी अकाउंट बनाकर छात्रा को बदनाम करने की कोशिश, मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की नगर कोतवाली पुलिस ने इंस्टाग्राम पर छात्रा का फर्जी अकाउंट बनाकर अश्लील पोस्ट कर उसकी छवि धूमिल करने के मामले में एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि युवक छात्रा की फोटो लगाकर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए छात्रा के रिश्तेदारों और छात्र छात्राओं को मैसेज कर उसकी छवि को धूमिल कर रहा है। पुलिस मामले को गम्भीरता से लेते हुए मामले की छानबीन कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार थाना रानीगंज इलाके के एक गांव की छात्रा नगर कोतवाली अंतर्गत अपने ननिहाल में रहकर शहर के एक स्कूल में पढ़ाई करती है। छात्रा ने नगर कोतवाली पर तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि नगर कोतवाली इलाके का रहने वाला एक लड़का जो उसके साथ ही विद्यालय में पढ़ाई करता था। उसने सोशल मिडिया पर फर्जी एकाउन्ट बनाकर, गन्दे-गन्दे पोस्ट डालकर उसकी बदनामी कर रहा है। छात्रा का आरोप है कि युवक ने उसके नाम और फोटो का उपयोग करके इंस्टाग्राम पे फर्जी एकाउन्ट बना कर अश्लील शब्दो का प्रयोग करके मेरे रिशतेदारो और स्कूल के छात्र छात्राओ को मैसेज कर उसकी छवि को धूमिल कर रहा है। साथ ही अलग अलग फोन नम्बरो द्वारा फोन करके परेशान कर रहा है। आरोप है कि स्कूल में हुए एक निजी विवाद में गवाही न देने पर नाराज युवक ने उसे स्कूल से बाहर रोककर एसिड डालकर छात्रा के जीवन को बर्बाद करने की धमकी दी। युवक की गतिविधियों से छात्रा ने डरकर घर से निकलना बंद कर दिया है। छात्रा की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच में जुटी है।

घर के गेट पर अराजक तत्वों का उत्पात, जांच में जुटी पुलिस

जन एक्सप्रेस/प्रतापगढ़। जिले के कोहड़ौर थाना इलाके के शंकरपुर (बन्धनपट्टी) गांव निवासी रविकांत उर्फ चन्दन पाठक ने कोहड़ौर थाने पर तहरीर देते हुए बताया है कि गुरुवार देर रात लगभग दस बजे जब वो अपने घर पे सो रहा था तभी अचानक उसके घर के मुख्य गेट पर दो चारपहिया वाहन सवार आधा दर्जन अज्ञात लोग आए और गेट को पीटने के साथ ही काफी देर तक गाड़ी का हॉर्न बजाते रहे। इस दौरान गेट तोड़कर घर में घुसने का भी प्रयास किया। इस घटना से मेरे घर के लोग डरे सहमे होने की वजह से बाहर नहीं निकले, तो उन लोगों ने गेट को तोड़ने की नीयत से जोर जोर से पीटना शुरू कर दिया। पीड़ित ने तभी डायल-112 पर सूचना दिया और पुलिस की गाड़ी का हॉर्न सुनकर सभी लोग मौके से भाग निकले। रात में ही डायल-112 के अलावां कोहड़ौर पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर छानबीन की। पीड़ित ने थाने पर अज्ञात लोंगो के ख़िलाफ़ तहरीर दी है लेकिन किसी को पहचानने से इंकार किया है। प्रभारी थानाध्यक्ष सीता राम यादव ने बताया कि तहरीर मिली है जांच कर कार्यवाही की जायेगी।

बाइक रैली निकालकर संगठन और राष्ट्रबोध का दिया संदेश

जन एक्सप्रेस । टूठीबारी/महराजगंज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में ठूठीबारी में प्रस्तावित वृहद हिन्दू सम्मेलन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को कस्बे के दुर्गा मंदिर परिसर के समीप से भव्य मोटरसाइकिल रैली निकालकर सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। यह सम्मेलन आगामी 28 दिसंबर को सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आयोजित होगा।

मोटरसाइकिल रैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। रैली दुर्गा मंदिर से निकलकर नगर भ्रमण करते हुए भरवलिया, तुर्कहिया, चटिया, कड़जा, गड़ौरा, शुक्रहर, बोदना, लोहरौली, नौवाबारी से राजाबारी होते हुए वापस सरस्वती शिशु मंदिर परिसर ठूठीबारी पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग पर संगठनात्मक और देशभक्ति नारों से वातावरण गूंजता रहा। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य हिन्दू समाज को संगठित करना, सांस्कृतिक चेतना को जागृत करना तथा राष्ट्रबोध और एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। वही मोटरसाइकिल रैली के माध्यम से लोगों को सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया। सुरक्षा व्यवस्था दृष्टिगत कोतवाली ठूठीबारी के थानाध्यक्ष नवनीत नागर के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा और आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया।

इस अवसर पर संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कृष्णमोहन रौनियार, पन्नालाल वर्मा, दुर्गा प्रसाद गुप्त, नीरज वर्मा, ओंकार वर्मा, जगदीश कुशवाहा, महेश मद्धेशिया, संजय रौनियार, नितेश निगम सहित हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष आनंद तथा अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहे।

सेवा, संवेदना और सक्रियता का उदाहरण बने अध्यक्ष प्रतिनिधि

जन एक्सप्रेस/महराजगंज। शीतलहर के बढ़ते प्रकोप के बीच नगर पंचायत चौक क्षेत्र में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के लिए अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय कुमार मद्धेशिया द्वारा सराहनीय पहल की जा रही है। भीषण ठंड से बचाव के उद्देश्य से नगर पंचायत क्षेत्र के सभी वार्डों एवं प्रमुख चौराहों पर नियमित रूप से अलाव जलवाए जा रहे हैं, जिससे गरीब, बुजुर्ग और राहगीरों को काफी राहत मिल रही है। इस मानवीय व्यवस्था की खास बात यह है कि इसकी निगरानी स्वयं अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय मद्धेशिया द्वारा की जा रही है। किसी भी स्थान पर अलाव से संबंधित समस्या की सूचना मिलते ही वे तुरंत संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करा रहे हैं, ताकि ठंड से बचाव की व्यवस्था में कहीं कोई कमी न रह जाए। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की खुले दिल से सराहना की है। लोगों का कहना है कि कड़ाके की ठंड में इस तरह की व्यवस्था न केवल राहत पहुंचाती है, बल्कि जनप्रतिनिधि की संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और जमीनी सक्रियता को भी दर्शाती है।

ओडीओपी सुविधा केंद्र से बनेगा युवा रोजगार का हब

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जिले के युवाओं के लिए अब रोजगार की तलाश में बाहर पलायन करने की मजबूरी खत्म होने वाली है। उत्तर प्रदेश सरकार की एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत स्थापित सामान्य सुविधा केंद्र (ष्टस्नष्ट) महराजगंज में पूरी तरह तैयार हो चुका है। यह केंद्र युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण, रोजगार और स्वरोजगार–तीनों का मजबूत प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। अधिकारियों द्वारा हाल ही में किए गए निरीक्षण में यहां लगी अत्याधुनिक मशीनों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि प्रदेश का हर युवा हुनरमंद बने और अपने जिले में ही आत्मनिर्भर रोजगार प्राप्त करे। इसी लक्ष्य के तहत ष्टस्नष्ट में युवाओं को मशीन ऑपरेशन, उत्पादन प्रक्रिया, फिनिशिंग और गुणवत्ता नियंत्रण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। केंद्र में एयर कंप्रेसर, हाई स्पीड बीम सॉ, ष्टह्ष्ट राउटर, पैनल सॉ, हाइड्रोलिक कोल्ड प्रेस, मल्टी बोरिंग मशीन, ऑटो एज बैंडर, सर्वोकोन ट्रांसफार्मर और 160 केवीए जेनसेट सहित 10 प्रमुख आधुनिक मशीनें स्थापित की गई हैं, जो फर्नीचर एवं वुड-बेस्ड उद्योग को नई दिशा देंगी। इस संबंध में जिला उद्योग के उपायुक्त अभिषेक प्रियदर्शी ने जन एक्सप्रेस संवाददाता को बताया कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि हर जिले का युवा अपने ही जिले में रोजगार पाए। ओडीओपी केंद्र इस दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

सीएफसी से बदलेगा उद्योग का परिदृश्य

कॉमन फैसिलिटी सेंटर लकड़ी व फर्नीचर से जुड़े लगभग 30 स्नष्ट व्यापारियों के लिए लाभकारी साबित होगा। अब कटिंग, सीजनिंग, ड्राइंग और फिनिशिंग के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे लागत घटेगी और उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ेगी। लगभग 2.28 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह केंद्र 5 एकड़ भूमि में स्थापित है। अधिकारियों के अनुसार, यह केंद्र जिले में रोजगार सृजन का मजबूत आधार बनेगा और युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करेगा।

गन्ने के खेत में दिखा तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत

शावकों की रखवाली में जुटी वन टीम, गन्ना किसानों ने ठप किया कटाई कार्य

जन एक्सप्रेस । टूठीबारी/महराजगंज

पिपरिया गांव के पश्चिम सिवान क्षेत्र में नहर के समीप गन्ने के खेत में मादा तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ देखे जाने से इलाके में दहशत फैल गई है। गुरुवार को गन्ना काट रहे ग्रामीणों ने जैसे ही तेंदुआ और उसके शावकों को देखा, वे भयभीत होकर मौके से भाग खड़े हुए। इसके बाद लोगों का उस रास्ते से आना-जाना बंद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार, लोगों की आहट पाकर मादा तेंदुआ पास में चर रही एक बकरी का शिकार कर गन्ने के खेत की ओर चली गई। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार भास्कर के निर्देशन में वन दरोगा आशीष सिंह, मार्कण्डेय पाण्डेय, वाचर रामनरेश यादव व सुक्खू साहनी मौके पर पहुंचे और क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया।

वन विभाग की टीम शुक्रवार शाम तक मादा तेंदुआ का पता नहीं लगा सकी, जबकि दोनों शावक खेत में ही मौजूद पाए गए। उनकी सुरक्षा और निगरानी के लिए वन विभाग की टीम लगातार तैनात रही।

वन क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार भास्कर ने बताया कि मादा तेंदुआ की लगातार निगरानी की जा रही है। यदि वह अपने शावकों के पास नहीं लौटती है तो शनिवार को दोनों शावकों का रेस्क्यू कर उन्हें चिड़ियाघर भेजा जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे खेतों में अकेले न जाएं और सतर्क रहें।

गन्ने में छिपा तेंदुआ, किसानों के लिए मुसीबत–

पिपरिया गांव के सिवान क्षेत्र में गन्ने के खेत में तेंदुआ और उसके दो शावक होने से गन्ना किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ग्रामीण शमशाद अहमद, प्रदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, हरीशचंद्र प्रजापति, रघुवीर सिंह, श्यामा, रघ्घू मौर्य, सुदर्शन, इरशाद व ग्यासुद्दीन ने बताया कि उन्हें गडौरा चीनी मिल से गन्ना पर्ची मिल चुकी है और गन्ना काटकर मिल भेजना जरूरी है, लेकिन तेंदुए के भय से कोई भी खेत की ओर जाने को तैयार नहीं है।

हिन्दू सम्मेलन का आयोजन: सामाजिक एकता और राष्ट्र निर्माण पर जोर

जन एक्सप्रेस/प्रतापगढ़। जिले के विकासखण्ड मंगरौरा अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय सूर्यगढ़ जगन्नाथ मकूनपुर के समीप शुक्रवार को हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। जहां पर मुख्य वक्ता के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी एवं मुख्य अतिथि अंजली सिंह किन्नर व विशिष्ट अतिथि सियाराम उमरवैश्य मौजूद रहे। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सामाजिक एकता और राष्ट्र निर्माण पर जोर देना था। भारत माता की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर व पुष्प माला चढ़ाने के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान कार्यक्रम में कामायनी स्कूल कोहड़ौर और जीपीएस स्कूल गोंडे के बच्चों ने मनमोहन कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीशचंद्र त्रिपाठी ने जाति–पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी हिंदुओं से एकजुट रहने की अपील की।

अनियंत्रित खाली रोडवेज बस सड़क किनारे गढ्ढे में पलटी, चालक व कंडक्टर सुरक्षित

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में गुरुवार को अंतू थाना इलाके के डंगरी गांव के समीप एक रोडवेज बस अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। यह घटना अंतू थाना क्षेत्र के डंगरी गांव के पास हुई। गनीमत रही कि बस में कोई यात्री सवार नहीं था जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। हादसे में चालक और कंडक्टर दोनों सुरक्षित हैं।

मिली जानकारी के अनुसार रोडवेज बस बुधवार रात बनारस से मंगापुर लौट रही थी। घना कोहरा होने के कारण बस अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बाईं ओर खाई में पलट गई। हादसे के समय बस में कोई यात्री नहीं था बस पूरी तरह खाली थी। बता दें कि यह बस सेवा कुछ महीने पहले ही शुरू हुई थी। अंतू मंडल अध्यक्ष राजाराम वैश्य के प्रयासों और सदर विधायक राजेंद्र मौर्य की पहल पर रोडवेज अधिकारियों ने प्रतापगढ़ से होते हुए बनारस तक इस बस का संचालन शुरू किया था। यह बस प्रतिदिन मंगापुर से प्रतापगढ़ होते हुए बनारस जाती है और शाम को वापस लौटती है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के तेलियानी कोठा नेवढ़िया निवासी बस के कंडक्टर आशीष वर्मा और अमेठी जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के बनवीरपुर निवासी ड्राइवर जितेंद्र यादव दोनों इस हादसे में बाल बाल बच गए। एआरटीओ चौकी इंचार्ज रामनरेश यादव ने बताया कि कोहरे के कारण बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गढ्ढे में पलट गई थी और बस में कोई यात्री नहीं था। ड्राइवर और कंडक्टर भी सुरक्षित हैं। थाना प्रभारी अंतू आनंदपाल ने बताया कि कोहरे के कारण रोडवेज बस अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गढ्ढे में चली गई। बस में कोई सवारी नहीं थी। ड्राइवर कंडक्टर दोनों सुरक्षित हैं।

गोसदन प्रबंधन पर डीएम सख्त, आय बढ़ाने के दिए निर्देश

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

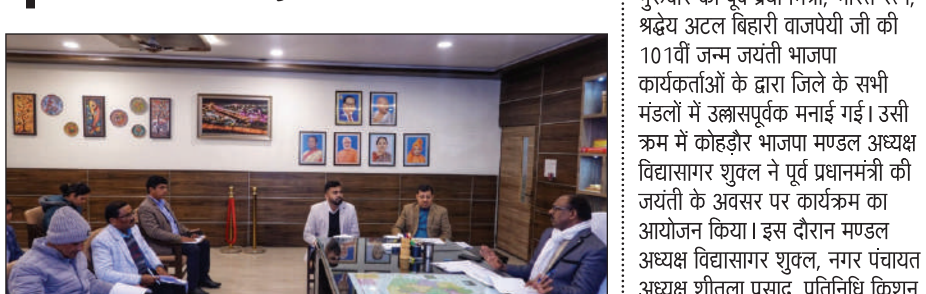

जिला गोसदन मधवलिया के सफल संचालन एवं प्रभावी प्रबंधन के उद्देश्य से गोसदन प्रबंध कार्यकारिणी समिति की बैठक जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने गोसदन में संरक्षित गोवंशीय पशुओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए हरा चारा उत्पादन, भूसा, राइस ब्रान, पशु आहार एवं चोकर की उपलब्धता की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गोसदन के समुचित संचालन के साथ-साथ उसकी आय बढ़ाने के उपायों पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया। जिलाधिकारी ने समिति के समक्ष आय संवर्धन के लिए विभिन्न सुझाव रखते हुए गोसदन परिसर में कटहल एवं बाँस के पौधे लगाने तथा मक्का की बुवाई कर आय बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों से न केवल गोसदन की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी सकारात्मक पहल होगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी महेंद्र कुमार सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. हौसला प्रसाद, निचलौल उपजिलाधिकारी सिद्धार्थ गुप्ता, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी निचलौल तथा खंड विकास अधिकारी निचलौल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जयंती

जन एक्सप्रेस/प्रतापगढ़। जिले में गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जन्म जयंती भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा जिले के सभी मंडलों में उल्लासपूर्वक मनाई गई। उसी क्रम में कोहड़ौर भाजपा मण्डल अध्यक्ष विद्यासागर शुक्ल ने पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष विद्यासागर शुक्ल, नगर पंचायत अध्यक्ष शीतला प्रसाद, प्रतिनिधि किशन सोनी के साथ ही वहां मौजूद लोगों ने बाजपेयी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष ने अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके जीवन और कृतित्व से प्रत्येक नागरिक को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वाजपेयी जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र निर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक समरसता को समर्पित रहा।

शहीदों को श्रद्धांजलि: भाजपा ने मनाया वीर बाल दिवस

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर **वीर बाल दिवस मनाया** गया। इस अवसर पर गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान को याद करते हुए एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, सदर विधायक राजेन्द्र कुमार मौर्य एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रताप मोती सिंह ने साहिबजादे जोरावर सिंह एवं साहिबजादे फतेह सिंह के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम की शुरुआत की। जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि वीर बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि साहस उम्र का मोहताज नहीं होता। गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबज़ादों, जोरावर सिंह और फतेह सिंह ने धर्म, आस्था और सत्य के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। 6 और 9 वर्ष की उम्र में भी उन्होंने अत्याचार के आगे झुकने से इनकार कर दिया। सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने 9 जनवरी, 2022 को श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के मौके पर 26 दिसंबर को **वीर बाल दिवस** के रूप में मनाने की घोषणा की थी। तभी से हर साल 26 दिसंबर के दिन को वीर बाल दिवस के रुप में मनाया जाने लगा। पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह ने बताया कि जब से मोदी सरकार केंद्र में आई है तब से हमारे पूर्वजों को उचित सम्मान मिलने लगा है। मोदी सरकार ने 2022 में 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। मुगल शासकों ने कितनी क्रूरता की थी इस घटना से हमें पता चलता है। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों साहिबजादों की शहादत को स्मरण कर उनकी वीर गाथा और अद्वितीय बलिदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है, ताकि वे इस प्रेरणादायक इतिहास से परिचित हो सकें। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उद्योग व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष राजेंद्र केसरवानी, जिला महामंत्री राजेश सिंह, जिला प्रवक्ता राघवेन्द्र शुक्ल, रतन जैन, मंजीत सिंह गोविंद, सरदार कुलविंदर सिंह, सरदार महेंद्र सिंह अनिल सिंह,पंकज शुक्ल, शिक्षक संघ अध्यक्ष रामचंद्र सिंह, संजीव आहूजा, जिला मंत्री रामजी मिश्र, रजत सक्सेना, अवनीश प्रताप सिंह, श्याम शंकर सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बस्ती की सड़कों पर कानून की धज्जियां!
ओवरलोड ट्रकों पर पुलिस-आरटीओ मौन क्यों?

फुटहिया हादसे ने खोली पोल, फिर भी नहीं जागा आरटीओ-पुलिस प्रशासन? कितनी और लाशों के बाद जागेगा आरटीओ बस्ती?

जन एक्सप्रेस। दिलीप उपाध्याय/सोनू पाठक

बस्ती। बस्ती जनपद की सड़कों पर इन दिनों कानून नहीं, बल्कि ओवरलोड ट्रकों की मनमानी दौड़ रही है। नियम-कानून को ठेंगा दिखाते हुए गन्ना लदे भारी ट्रक सिंगल रोड पर फर्राटा भर रहे हैं और आम राहगीर हर पल जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि हर मोड़ पर हादसे का खतरा मंडराता रहता है, लेकिन जिम्मेदार महकमे आंखें मूंदे बैठे हैं।

हैरानी की बात यह है कि आरटीओ बस्ती, ट्रैफिक इंस्पेक्टर और पुलिस प्रशासन–तीनों की चुप्पी इस अव्यवस्था को मौन सहमति देती नजर आ रही है। हरैया से बभनान रोड, परशुरामपुर से बभनान मार्ग, लालगंज से मुंडेरवा की ओर जाने वाली सिंगल सड़कों पर दिन-रात ओवरलोड ट्रक दौड़ रहे हैं। इन मार्गों पर न तो चौड़ाई पर्याप्त है और न ही यातायात नियंत्रण, फिर भी क्षमता से कई गुना अधिक गन्ना लादे ट्रक बेखौफ निकलते दिखाई देते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन ट्रकों की वजह से पैदल चलना दूभर हो गया है। साइकिल, बाइक और छोटे वाहनों को साइड देने की जगह तक नहीं मिलती। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। आए दिन जाम, सड़क किनारे टूट-फूट और अचानक ब्रेक से गिरते वाहन आम बात हो गई है। हाल ही में घटित हादसों ने खतरे की घंटी बजा दी, इसके बावजूद न तो सघन चेकिंग दिखी और न ही ओवरलोडिंग पर प्रभावी कार्रवाई।

सवाल यह है कि आखिर कब तक राहगीरों की जान यूं ही दांव पर लगती रहेगी? क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन जागेगा? जिले की सड़कों को मौत का रास्ता बनने से रोकने के लिए आरटीओ, ट्रैफिक और पुलिस को तुरंत सख्त कदम उठाने होंगे–वरना यह लापरवाही किसी भी दिन अपूरणीय त्रासदी में बदल सकती है।

बाइक चालान तक सिमटा आरटीओ बस्ती, ओवरलोड ट्रक-अवैध बसें बेखौफ?

जनपद में परिवहन विभाग की कार्यशैली पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। आमजन के बीच यह चर्चा अब आम हो चली है कि आरटीओ बस्ती की कार्रवाई केवल बाइक चालान तक सीमित रह गई है, जबकि ओवरलोड ट्रक और अवैध रूप से संचालित बसें सड़कों पर बेखौफ दौड़ रही हैं। नियमों की खुलेआम अनदेखी के बावजूद इन पर न तो सख्त निगरानी दिखाई देती है और न ही प्रभावी कार्रवाई।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि फर्जी या गलत तरीके से चालान का मैसेज मोबाइल पर आ जाना अब असामान्य नहीं रहा। कई मामलों में वाहन मौके पर मौजूद न होने के बावजूद चालान की सूचना मिल जाती है, जिससे विभाग की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। इसके उलट, हरैया-बभनान, परशुरामपुर-बभनान मार्ग, मुंडेरवा सहित अन्य सिंगल रोड पर ओवरलोड ट्रक दिन-रात फर्राटा भरते नजर आते हैं, जो राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं।

आरोप है कि आरटीओ बस्ती और ट्रैफिक महकमा बाइक सवारों पर कार्रवाई दिखाने में सक्रिय रहता है, लेकिन बिना परमिट, बिना फिटनेस और क्षमता से अधिक सवारियां ढोने वाली बसों पर नजर नहीं पड़ती। खासकर शाम के समय टोल प्लाजा के पास अवैध बसों का जमावड़ा लग जाता है। हाईवे पर सवारी भरने के कारण जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

इन हालातों में सवाल यह है कि क्या परिवहन नियमों का पालन केवल दोपहिया चालकों के लिए है? जब तक ओवरलोड ट्रक और अवैध बस संचालन पर सख्ती नहीं होगी, तब तक सड़क सुरक्षा एक नारा बनकर ही रह गया है।

लकड़मंडी-बभनान रोड व हरैया-बभनान मार्ग पर ओवरलोड ट्रैकों का आतंक!

लकड़मंडी से बभनान रोड तथा हरैया से बभनान जाने वाले मार्ग पर ओवरलोड ट्रैकों की आवाजाही लगातार बढ़ती जा रही है। निर्धारित क्षमता से कई गुना अधिक भार लेकर दौड़ते ये ट्रक न सिर्फ सड़कों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि राहगीरों और स्थानीय निवासियों की जान पर भी भारी पड़ रहे हैं। दिन-रात तेज रफ्तार में गुजरते ओवरलोड वाहन सड़क किनारे दुकानदारों, पैदल यात्रियों और दोपहिया चालकों के लिए खतरे का सबब बने हुए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन मार्गों पर कई बार ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होते-होते बचे हैं। संकरी सड़कों पर भारी वाहनों के कारण जाम की स्थिति आम हो गई है, जिससे स्कूल बसों और एंबुलेंस जैसी आवश्यक सेवाओं को भी परेशानी उठानी पड़ती है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही।

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि स्थानीय पुलिस, आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस की निष्क्रियता या मिलीभगत के कारण ओवरलोड ट्रकों पर लगाम नहीं लग पा रही है। नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, जबकि चेकिंग और चालान की कार्रवाई नाम मात्र की है। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो इन मार्गों पर कोई बड़ी और दर्दनाक घटना घटित हो सकती है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल अभियान चलाकर ओवरलोड वाहनों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री के आदेश भी बेअसर, नहीं उठता बस्ती के एआरटीओ का फोन?

प्रदेश के मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि प्रत्येक सरकारी अधिकारी जनता का फोन अनिवार्य रूप से उठाए, लेकिन बस्ती के एआरटीओ इन आदेशों को ठेंगा दिखाते नजर आ रहे हैं। आम नागरिकों के साथ-साथ पत्रकारों के फोन भी लगातार अनसुने किए जा रहे हैं। जन एक्सप्रेस ने इस संबंध में बात करने का प्रयास किया, लेकिन पांच बार फोन करने के बावजूद न तो कॉल रिसीव हुई और न ही कोई कॉल बैक आया। इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि अफसर कितने संवेदनहीन और गैर-जवाबदेह हो चुके हैं। सवाल यह है कि जब मुख्यमंत्री के आदेश भी अफसरों के कान तक नहीं पहुंचते, तो आम जनता की सुनवाई कैसे होगी।

कार्रवाई के नाम पर सिर्फ कोरम, ओवरलोड ट्रैकों पर मेहरबान सिस्टम?

लकड़मंडी से बभनान रोड और हरैया-बभनान मार्ग पर ओवरलोड ट्रैकों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर जिम्मेदार महकमे सिर्फ कोरम पूरा करते नजर आ रहे हैं। कभी-कभार की औपचारिक चेकिंग और चुनिंदा चालान से हालात जस के तस बने हुए हैं। भारी भरकम माल लादकर फर्राटा भरते ट्रक खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि चेकिंग अभियान की सूचना मिलते ही ओवरलोड ट्रकों को सुरक्षित रास्तों से निकाल दिया जाता है या फिर कुछ देर के लिए किनारे खड़ा कर दिया जाता है। अभियान खत्म होते ही वही ट्रक दोबारा सड़कों पर उतर आते हैं। इससे साफ है कि कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित है, जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। इन मार्गों पर संकरी सड़कें, तेज रफ्तार ट्रक और भारी लोड मिलकर हर दिन हादसों को न्योता दे रहे हैं। स्कूली बच्चे, दोपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर सबसे ज्यादा जोखिम में हैं।

कई बार मामूली चूक भी जानलेवा साबित हो सकती है।

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि स्थानीय पुलिस, आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस की ढिलाई या आपसी तालमेल के चलते ओवरलोड ट्रकों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। यदि जल्द ही ईमानदार और सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही सिस्टम जागता नजर आएगा।

एक्सप्रेस खबरें...

हिंदू सम्मेलन की सफलता के लिए निकाली रैली

जन एक्सप्रेस। बस्ती। हर्रैया। हिन्दू समाज को संगठित करने तथा सनातन संस्कृति के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आगामी रविवार को सावित्री सिंह स्मारक इंटर कॉलेज भदावल के प्रांगण में विराट हिंदू सम्मेलन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। कार्यक्रम की सफलता को लेकर शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल का भूमि पूजन करने के उपरांत विशाल मोटरसाइकिल जागरूकता रैली निकाली गई। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। आचार्यों द्वारा कराए गए पूजन-अर्चन में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सनातन धर्म की एकता, संस्कृति की रक्षा और समाज को संगठित रखने का संकल्प लिया। भूमि पूजन के पश्चात आयोजकों ने आगामी सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी साझा किए। रैली सावित्री सिंह इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर भदावल, तपसी धाम, जगदीशपुर, तिनौता, ऊभाई, जोगापुर, मिर्जापुर, बनियाजोत, खम्हरिया सुजात से होकर पुनः सावित्री सिंह इंटर कॉलेज पहुंचकर सम्पन्न हुई। रैली में सैकड़ों की संख्या में बाइक सवार युवाओं एवं सनातन बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवा ध्वजों से सजी बाइकों और जयघोषों से पूरा क्षेत्र भगवामय हो उठा। रैली के दौरान जय श्रीराम, भारत माता की जय और संगठित हिन्दू- समर्थ भारत के नारों से वातावरण गूंजता रहा। रैली में शामिल लोगों ने पूरे क्षेत्र में लोगों से आगामी रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील किया। रैली में मुख्य रूप से लालबहादुर सिंह, जिला प्रचारक राघवेन्द्र, प्रमोद, गिरजेश सिंह, रवीश मिश्र, वेद प्रकाश मिश्र आदि उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के साथ 11 दिवसीय श्री मद् भागवत कथा

जन एक्सप्रेस। बस्ती। हर्रैया। तपसी धाम कसैला में 11 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व गुरूवार को कलश यात्रा निकाली गयी। वृन्दावन धाम से आये कथा वाचक पूज्य स्वामी श्री भास्कर जी महाराज ने विधिविधान से पूजन-अर्चन के बाद कलश यात्रा का शुभारंभ किया। तपसी धाम के किनारे मनोरमा तट पर पुरोहितो द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भरा गया। कलश यात्रा तपसी धाम से होकर हाईवे के भदावल प्रट्रोल पम्प होकर भदावल व गोभिया गांव होकर तपसी धाम पहुंची । इस दौरान भक्तों के जयकारे से माहौल भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश रखकर चल रही थी। मुख्य यजमान अमृता सिंह, दिग्विजय सिंह राना के साथ विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति, अखिलेश सिंह जिलाध्यक्ष बस्ती विहिम, तपसीधाम के महंथ जय बक्स दास, योगेन्द्र सिंह, डा.राम नरेश सिंह मंजुल, मनोज प्रजापति, अभिषेक सिंह, सौरभ चतुर्वेदी, विवेक श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में भक्त गण मौजूद रहे।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह के पुण्यतिथि

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह बताया की डा. मनमोहन सिंह भारत के युग पुरुष थे... देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के पुण्य तिथि पर जिलाध्यक्ष डॉ प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में मल्हनी विधानसभा क्षेत्र के शिवापार गांव में शोक सभा का आयोजन किया गया उक्त अवसर पर उपस्थित कांग्रेस जन ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि मनमोहन सिंह सादगी, धैर्य, निस्वार्थ सेवा और शालीनता का व्यवहार सदैव हर कांग्रेस कार्यकर्ता को प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था की खिड़कियां दुनिया के लिए खोलने का काम आर्थिक उदारीकरण का दौर देश के वित्त मंत्री के रूप में किया।

मिनी बैंक संचालक की हत्या कर लाखों रूपए लूट ले गए बदमाश

- सिर पर किसी ठोस पदार्थ से हमला कर हत्या किए जाने का अंदेशा
- मौके से पुलिस ने एक ईट और मृतक की जेब से 1.68 लाख किया बरामद
- स्वजनों का आरोप है कि गोली मारकर की गई हत्या

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

खुटहन पनौली गांव में शुक्रवार की सुबह लगभग दस बजे यूबीआई के मिनी बैंक शाखा संचालक के सिर पर वार कर बदमाशों ने मौत के घाट उतार दिया। स्वजनों का आरोप है कि बदमाश हत्या के बाद लाखों रूपए नकदी लूटकर फरार हो गए। पुलिस का दावा है कि उसके सिर पर ईंट से प्रहार कर हत्या की गई है।जबकि स्वजनों का आरोप है कि गोली मारकर हत्या की गई है। मामला पीएम के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा। घटनास्थल से लगभग पांच सौ मीटर दूर परिषदीय विद्यालय के पास मृतक का मोबाइल बरामद किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस शव कब्जे में ले लिया। घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक डॉ.कौस्तुभ एसपी सिटी आयूष श्रीवास्तव,सीओ शाहगंज अजीत सिंह चौहान मौके पर पहुंच जानकारी हासिल किए। फारेंसिक टीम मौके पर पहुंच एक ईट व अन्य संदिग्ध बस्तुओं का नमूना लिया। इसी गांव निवासी 58 वर्षीय फूलचंद पासवान उर्फ सेवाराम घर से लगभग छह सौ मीटर दूर गांव के मार्ग पर एक कमरे में मिनी शाखा चलाते थे। इसी के बगल उनके छोटे भाई मेवाराम बर्तन की दुकान चलाते हैं। रोज की तरह वह सुबह लगभग दस बजे मिनी शाखा पर पहुंचे। उस समय उनका छोटा भाई घर पर ही था। कुहरा और ठंड के चलते आस पास कोई नहीं था। लगभग 11 बजे कुछ महिलाएं शाखा पर पैसा निकालने पहुंची तो शटर बंद पाया। भीतर किसी के कराहने की आवाज सुनाई देने पर महिलाओं ने इसकी सूचना मेवाराम को फोन पर दी। वह भागते हुए मौके पर पहुंचे। शटर खोल भीतर देखें तो फूलचंद्र फर्स पर पड़े कराह रहे थे। उनके सिर से खून की धारा बह रही थी। आनन फानन में उन्हें उपचार हेतु शाहगंज सीएससी ले जाया गया। जहां देखते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के द्वारा कयास लगाए जा रहे हैं कि फूलचंद्र के द्वारा शटर खोलते ही हत्यारे भीतर घुस गये।

वे तीन से चार की संख्या में रहे होंगे। जो सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दिए। पुलिस का दावा है कि हत्या किसी ठोस बस्तु से सिर पर वार कर की गई है। जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

अटल जन्मशती वर्ष पर प्रदेश स्तरीय महिला खेल महाकुंभ

खो-खो क्वार्टर फाइनल में गोरखपुर, आजमगढ़, वाराणसी व बस्ती विजयी

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिद्दीकपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय महिला वॉलीबॉल एवं खो-खो प्रतियोगिता के दूसरे दिन खेल उत्साह चरम पर रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य श्री श्यामबाबू यादव तथा विशिष्ट अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के चीफ वार्डेन डी. पाठाडीकर रहे। दोनों अतिथियों का स्वागत क्रीड़ा अधिकारी श्री चंदन सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया गया।

अतिथियों ने वॉलीबॉल व खो-खो के रोमांचक मुकाबलों का अवलोकन किया और खेल की बारीकियों पर क्रीड़ा अधिकारी व प्रशिक्षकों से चर्चा की। साथ ही स्टेडियम में चल रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

खो-खो क्वार्टर फाइनल के नतीजे

प्रतियोगिता के दूसरे दिन खेले गए खो-खो क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में गोरखपुर ने कानपुर को 14-1 से पराजित किया। आजमगढ़ ने प्रयागराज को 3-2 अंकों से शिकस्त दी। वहीं वाराणसी ने मुरादाबाद को 7-2 से हराया। चौथे मुकाबले में बस्ती ने मिर्जापुर को 6-0 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

खबर लिखे जाने तक वॉलीबॉल प्रतियोगिता में लीग मैच जारी थे। स्टेडियम में खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

बस्ती का गौरव: वैभवी राय ने जीता फॉरएवर मिस उत्तर प्रदेश का खिताब, शहर पहुंचने पर भव्य स्वागत

जन एक्सप्रेस। बस्ती

राजस्थान के जयपुर में आयोजित प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता में फॉरएवर मिस उत्तर प्रदेश का खिताब जीतकर बस्ती जिले का नाम रोशन करने वाली वैभवी राय का गृह जनपद पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर परिवारजनों, मित्रों और शहरवासियों ने उन्हें ढेरों बधाइयां दीं। मूल रूप से संतकबीर नगर जिले के मेंहदावल विकास खंड स्थित कुसौना खुर्द गांव की निवासी और वर्तमान में बस्ती शहर के गांधीनगर में रहने वाली वैभवी राय ने यह सफलता रविवार को जयपुर में हासिल की। फॉरएवर स्टार इंडिया कंपनी द्वारा जयपुर स्थित जी स्टूडियो में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न भागों से आई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। शचिंद्रनाथ राय की पुत्री वैभवी राय ने अपने प्रदर्शन से निर्णायक मंडल को प्रभावित करते हुए फॉरएवर मिस उत्तर प्रदेश का ताज अपने नाम किया।

कैंसर जागरूकता और महिला सशक्तिकरण है लक्ष्य

वैभवी राय के लिए यह खिताब केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा सामाजिक उद्देश्य भी जुड़ा है। वैभवी ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्तन (ब्क्त्द्धड्डह्यह्ल), सर्वाइकल (ष्टद्गह्1द्बष्ठ्ठ्य), तथा गर्भाशय (ह्वद्गह्लद्गह्य) कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खिलाफ जागरूक करना है। इसके साथ ही, वह अपने मेकअप बिजनेस के माध्यम से अन्य लड़कियों को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाने के लिए काम करना चाहती हैं। खिताबी जीत के बाद जब वैभवी बस्ती लौटीं, तो उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। लोगों ने उनकी सफलता को जिले के लिए गौरव का क्षण बताया और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर रामकुमार शास्त्री,सचिन्द्र नाथ राय, अनुराग राय, सुनीता राय, अभिषेक सिंह,नीरज सिंह,अरुण चौधरी, स्मिता सिंह, सुनीता त्रिपाठी, ज्योति सिंह सहित तमाम लोगों ने बधाई दिया है।

नर्सिंग कॉलेज की छत से गिरकर श्रमिक की हुई मौत

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के नयनसंड में स्थित एक नर्सिंग कॉलेज में पेंटिंग कर रहा श्रमिक की छत से गिरकर मौत हो गई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शुक्रवार शाम लगभग 4ः00 बजे दूसरे तल पर सफेदी कर रहा श्रमिक मनीष कुमार यादव उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र छोटे लाल यादव निवासी बेहराकापूरा थाना के गौरा बादशाहपुर उक्त कॉलेज में सफेदी करते-करते अचानक नीचे गिर पड़ा। वहां काम कर रहे अन्य श्रमिक दौड़कर आए और उसे उठाकर पास के स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए जहां चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल भेज दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। जैसे ही इस घटना की खबर मनीष यादव के घर पहुंची पूरा परिवार रोता बिलखता हुआ जिला अस्पताल पहुंच गया। परिजन ने बताया कि श्रमिक का बड़ा लड़का आदर्श यादव 5 वर्ष का है और उसका दूसरा लड़का कल्लू यादव 3 वर्ष का है। जिस कॉलेज में यह घटना घटित हुई है वह एक महिला चिकित्सक का बताया गया है।

वीर बाल दिवस पर साहिबजादों के बलिदान को नमन

मुख्यमंत्री योगी के कीर्तन समागम का जौनपुर में हुआ सजीव प्रसारण

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

वीर बाल दिवस के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा मुख्यमंत्री आवास से आयोजित भव्य कीर्तन समागम में जनपद जौनपुर से सहभागिता की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सिख धर्म के चारों साहिबजादों–बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह–के अद्वितीय त्याग और बलिदान को नमन करते हुए उन्हें भारत की सनातन एवं सिख परंपरा की गौरवशाली विरासत बताया। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया वीर साहिबजादों के साहस, त्याग और बलिदान को स्मरण कर रही है। उनका जीवन राष्ट्र, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया, जिसे जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट की उपस्थिति में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बच्चों द्वारा देखा और सुना गया। इस दौरान सरदार नवनीत सिंह, सतवंत सिंह, गुरमीत सिंह, रंजीत सिंह, सतनाम सिंह, जिऊपाल सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल, जिला प्रोबेशन अधिकारी विजय पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि आज का दिन राष्ट्र के लिए अत्यंत संवेदनशील और प्रेरणादायी है। आज ही के दिन गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों ने धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वीर बाल दिवस को शहीद दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि धर्म के मार्ग पर चलते हुए राष्ट्रसेवा करने से हमारे कार्य अमर हो जाते हैं। हमें इन वीर बालकों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। वीर बाल दिवस के अवसर पर प्रोबेशन विभाग द्वारा जनपद के विभिन्न विद्यालयों में स्लोगन, पोस्टर सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता बच्चों को जिलाधिकारी द्वारा उपहार एवं सम्मान प्रदान किया गया।

गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों ने बहुत कम उम्र में धर्म, सच्चाई और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे उनका साहस आज भी देश को प्रेरणा देता है: गिरीश यादव

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जौनपुर वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी शाहीपुर स्थित कार्यालय पर वीर बाल दिवस पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की एवं कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने की। सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुष्प चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रजवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पहले नगर में वीर बाल दिवस पर एक प्रभात फेरी निकाली गई जो कोतवाली से चलकर सदभावना पुल से होते हुए ओलंदगंज स्थित गुरुद्वारा पर समाप्त हुई जिसमें खेल और युवा कल्याण मंत्री गिरीश चन्द्र यादव एवं जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति शामिल हुए। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में हर साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है यह दिन सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों- जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान को याद करने के लिए समर्पित है गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों ने बहुत कम उम्र में धर्म, सच्चाई और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे उनका साहस आज भी देश को प्रेरणा देता है। गुरु गोबिंद सिंह जी सिख धर्म के महान गुरु थे उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की और अन्याय के खिलाफ खड़े होने का संदेश दिया उनके चार पुत्र थे साहिबजादा अजित सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह सन् 1705 में पंजाब में मुगल शासकों का अत्याचार बढ़ गया था मुगल सेना गुरु गोबिंद सिंह जी को पकड़ना चाहती थी इस कारण गुरु जी को अपने परिवार से अलग होना पड़ा उनके दो बड़े पुत्र, साहिबजादा अजित सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह, मुगल सेना से युद्ध करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए उस समय उनकी उम्र बहुत कम थी, लेकिन उनका साहस अद्भुत था। गुरु गोबिंद सिंह जी की माता, माता गुजरी अपने दो छोटे पोतों, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह के साथ छिपकर रह रही थीं दुर्भाग्य से, वे मुगलों के हाथों पकड़ लिए गए मुगल शासकों ने दोनों छोटे साहिबजादों पर धर्म परिवर्तन का दबाव डाला, लेकिन उन्होंने सिख धर्म छोड़ने से इनकार कर दिया इसके बाद उन्हें दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया यह घटना भारतीय इतिहास की सबसे हृदयविदारक घटनाओं में से एक है अपने पोतों की शहादत का समाचार सुनकर माता गुजरी जी ने भी अपने प्राण त्याग दिए। जिला प्रभारी अशोक चौरसिया ने कहा कि भारत सरकार ने वर्ष 2022 में यह घोषणा की कि हर साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा इसका उद्देश्य देश के बच्चों और युवाओं को साहिबजादों के बलिदान से परिचित कराना है। उन्होंने आगे कहा कि साहस उम्र का मोहताज नहीं होता गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने यह दिखा दिया कि सच्चाई और आत्मसम्मान के लिए खड़े होना सबसे बड़ा धर्म है यह दिन केवल सिख समाज के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा का प्रतीक है यह बच्चों को ईमानदारी, निडरता और बलिदान का महत्व समझाता है। जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि वीर बल दिवस, जो हर साल 26 दिसंबर को मनाया जाता है, भारत में एक राष्ट्रीय स्मृति दिवस है जो दसवें सिख गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे बेटों की असाधारण वीरता और शहादत को याद करता है। यह उत्सव विशेष रूप से साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह पर केंद्रित है उन्होंने मुगल साम्राज्य के शासनकाल में हर विपरीत परिस्थिति का सामना करते हुए असाधारण वीरता का परिचय दिया। उन्होंने आगे कहा कि वीर बल दिवस का उत्सव 26 दिसंबर 1705 से मनाया जाता है,

रात 3:30 बजे कोई मेरा दरवाजा खटखटा रहा था... मुंबई के पॉश इलाके में

उर्फी जावेद के साथ जो हुआ, रूह कांप जाएगी!

अपनी बेबाकी के लिए जानी जाने वाली उर्फी जावेद के लिए रात किसी बुरे सपने से कम नहीं थी. आधी रात को उनके घर के बाहर जो ड्रामा हुआ, उसने न केवल उनकी नींद उड़ा दी, बल्कि उन्हें सुबह-सुबह पुलिस स्टेशन जाने पर मजबूर कर दिया. उर्फी ने अब टाइम्स ऑफ इंडिया से की बातचीत में इस पूरे 'खौफनाक अनुभव' का खुलासा करते हुए बताया है कि कैसे कुछ पड़ोसियों ने उनके साथ बदतमीजी की. उर्फी जावेद ने बताया कि घटना रात के करीब 3:30 बजे की है. उर्फी उस वक्त अपनी बहनों डॉली और आसफी के साथ घर पर थीं. अचानक उनके घर की डोरबेल लगातार बजने लगी.उर्फी ने बताया,लगभग 10 मिनट तक कोई लगातार घंटी बजाता रहा. जब मैंने बाहर जाकर देखा, तो एक शख्स खड़ा था जो मुझसे दरवाजा खोलने की जिद्द कर रहा था. वो जबरदस्ती अंदर आने की बात कह रहा था, जबकि दूसरा शख्स कोने में खड़ा था. मैंने उन्हें वहां से जाने को कहा, लेकिन वे टस से मस नहीं हुए. जब मैंने पुलिस बुलाने की धमकी दी, तब जाकर वे वहां से हटे.

बिल्डिंग के ही निकले आरोपी

हैरानी की बात यह है कि छेड़खानी और बदतमीजी करने वाले कोई बाहर के लोग नहीं, बल्कि उर्फी की ही बिल्डिंग के 13वें फ्लोर के रहने वाले लोग थे. उर्फी का आरोप है कि वे खुद को किसी राजनेता का करीबी बता रहे थे और पुलिस के सामने भी उनकी हेकड़ी कम नहीं हुई. उर्फी का कहना है कि इन आरोपियों ने पुलिस के सामने भी उर्फी और उनकी बहनों से 'निकल-निकल' कहकर बात की और जब उर्फी पुलिस स्टेशन जा रही थीं, तब उन्होंने सुना कि वे लोग सिक्योरिटी गार्ड से CCTV फुटेज डिलीट करने की बात कर रहे थे. साथ ही आरोपी बार-बार ये कहते हुए नजर आ रहे थे कि वो बड़े नेताओं से जुड़े हैं और उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता.

उर्फी जावेद ने इस मामले में मुंबई के दादाभाई नौरोजी पुलिस स्टेशन में एनसी दर्ज कराई है. उन्होंने अपनी हाउसिंग सोसाइटी को भी लिखित शिकायत दी है. उर्फी ने इस पूरे मामले को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि जब लड़कियां अकेली रहती हैं, तो इस तरह की घटनाएं उन्हें बुरी तरह डरा देती हैं. फिलहाल सोसाइटी कमेटी इस पर मीटिंग कर अगला फैसला लेगी.

अकेली लड़कियों के लिए सुरक्षित नहीं है शहर ?

उर्फी ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा, जब कोई रात के 3 बजे आकर एक लड़की को दरवाजा खोलने के लिए मजबूर करे, तो ये बहुत डरावना है. मुझे अब अपने ही घर में असुरक्षित महसूस हो रहा है. सिर्फ उर्फी ने ही नहीं बल्कि उनकी बहन डॉली ने भी सोशल मीडिया पर मुंबई की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं.

रोमांस छोड़ अब एक्शन करेंगे

हर्षवर्धन राणे

एकता कपूर की फिल्म में हुई एंट्री

बॉलीवुड एक्टर हर्षवर्धन राणे आखिरी बार अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने सोनम बाजवा के साथ काम किया था. इस फिल्म में हर्षवर्धन एक आशिक के कैरेक्टर में दिखे थे. लेकिन अब वो रोमांस को छोड़कर बड़े पर्दे पर एक्शन करते हुए नजर आएंगे. हर्षवर्धन राणे की एंट्री एकता कपूर की फिल्म में हुई है, जो एक एक्शन फिल्म होगी.एकता कपूर की नई एक्शन फिल्म में हर्षवर्धन राणे लीड एक्टर के तौर पर साइन कर लिया गया है. साथ ही, इस अपकमिंग फिल्म का टाइटल है 'शूटआउट एट दुबई'. इस जॉनर के फैंस के लिए बहुत बड़ी खबर है और इसे और भी ज्यादा खास बात ये है कि एक बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म ने पहले ही इस फिल्म के डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स खरीद लिए हैं.

एकता की फिल्म के हीरो बनेंगे हर्षवर्धन

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट के मुताबिक, एकता कपूर के अपकमिंग प्रोजेक्ट 'शूटआउट एट दुबई' में हर्षवर्धन राणे हीरो बनेंगे. हालांकि, फिल्म में लीड एक्ट्रेस कौन होगी, इसकी अनाउंसमेंट नहीं की गई है. रिपोर्ट्स की मानें तो 'शूटआउट एट दुबई' एक बड़े स्केल की एक्शन थ्रिलर फिल्म होने वाली है.

हालांकि, फिल्म की कहानी की पूरी डिटेल्स अभी सीक्रेट रखी गई है, लेकिन टाइटल से ही पता चलता है कि कहानी दुबई की ग्लैमरस लेकिन खतरनाक दुनिया में सेट है. उम्मीद है कि फिल्म में हाई प्रोडक्शन वैल्यू और जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस होंगे जो ऑडियंस को एंटरटेन करने में कामयाब होंगे.

प्रोडक्शन से पहले ही नेटफ्लिक्स ने खरीदे राइट्स

एकता कपूर की इस अनाउंसमेंट का सबसे दिलचस्प पहलू ये है कि नेटफ्लिक्स ने पहले ही 'शूटआउट एट दुबई' के OTT राइट्स खरीद लिए हैं. ये इंडस्ट्री में एक आम ट्रेंड बनता जा रहा है, जहां स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म किसी फिल्म के फ्लोर पर जाने या प्रोडक्शन पूरा होने से पहले ही डिजिटल राइट्स हासिल कर लेते हैं.

हर्षवर्धन राणे वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो हर्षवर्धन राणे ने 2010 में तेलुगू फिल्म Thakita Thakita में नजर आए थे. एक्टर को पॉपुलैरिटी साल 2016 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'सनम तेरी कसम' से मिली.

रणवीर सिंह गए, तो 'डॉन 3' के लिए अब कौन होगा बेस्ट? मेकर्स इन 3 एक्टर्स पर खेल सकते हैं दांव

मन का हो तो अच्छा, ना हो तो और भी अच्छा... ये मशहूर पंक्ति है हरिवंश राय बच्चन की. जो इस वक्त फरहान अख्तर और रणवीर सिंह की DON 3 पर एकदम सटीक बैठती है. क्योंकि जब रणवीर सिंह को नया 'डॉन' बनाया गया, तो कुछ लोग इसके खिलाफ थे. अब 'धुरंधर' की सक्सेस के बाद 'डॉन 3' के लिए बज बना, तो खबर आई कि वो फिल्म से ही बाहर हो गए हैं. सच-झूठ या कुछ बीच में फंसा होञ्ये सभी फैसले मेकर्स और एक्टर के हैं. पर कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे दावे हो रहे हैं कि रणवीर सिंह ने 'प्रलय' को प्रायोरिटी में रखा है. जो कि एक जॉम्बी बेस्ड पिक्चर है. यहां तक चर्चा हो रही है कि DON 3 के लिए मेकर्स ने नए चेहरे की तलाश शुरू कर दी है. पर उनकी जगह कौन हैं, वो 5 एक्टर्स जो इस रोल के लिए एकदम परफेक्ट रहेंगे.

रणवीर सिंह के DON 3 से एग्जिट के बाद भी ऐसे 5 चेहरे हैं, जो फिल्म को डॉन वाला टच दे सकते हैं. हमारे मुताबिक, यह पांचों एक्टर्स एक-दूसरे से बहुत अलग हैं. पर छहह के किरदार के लिए एकदम परफेक्ट भी हैं. क्योंकि यह महज एक फिल्म नहीं है, ऐसी फ्रेंचाइजी है जिसे आगे बढ़ाना तो है ही. साथ ही अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान वाले स्टाइल और स्वैग के आसपास बने रहना होगा.

क्योंकि वैसे भी तुलना होगी और फिर उसका असर फिल्म की कमाई पर नहीं दिखना चाहिए. खैर, आज हम आपको उन पांच एक्टर्स के बारे में बताएंगे कि डॉन के लिए अगला चेहरा इनमें से ही एक क्यों होना चाहिए ? साथ ही अपनी परफॉर्मेंस से इन एक्टर्स ने खुद को किस तरह साबित किया है. लिस्ट में रणबीर कपूर का नाम भी शामिल है.

3. विकी कौशल: यह बॉलीवुड का ऐसा नाम हैं, जिन्हें बेशक आज भी कम ही आंका जाता है. पर शांति से जिस तरह खुद को साबित करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, वो कमाल है. विकी कौशल की फिल्मों की ताकत स्टोरी या फिल्मों से ज्यादा उनका अभिनय है. उनकी एक्टिंग में एक ऐसी गहराई है, जो उनके चेहरे पर भी झलकती है.

सैफ पर हमले से लेकर दीपिका की ऐसी डिमांड तक, 2025 के 4 चर्चित और बड़े विवाद

आज हम आपको साल 2025 के बॉलीवुड से जुड़े 4 ऐसे मुद्दे या विवाद बता रहे हैं, जिनकी हफ्तों और महीनों तक चर्चा होती रही. इन विवादों पर बात किए बिना साल 2025 बॉलीवुड के नजरिए से पूरा नहीं हो सकता है. साल की शुरुआत में ही मशहूर एक्टर सैफ अली खान पर जानलेवा हमला हुआ था. इसके बाद पाकिस्तानी एक्ट्रेस की कास्टिंग से लेकर दीपिका पादुकोण की आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड पर भी काफी बातें हुई. तो चलिए एक नजर सभी विवादों पर विस्तार से डाल लेते हैंसैफ अली खान पर जानलेवा हमलाञ्जनवरी 2025 में सैफ अली खान के घर आधी रात में एक शख्स घुस गया था. शख्स ने एक्टर पर चाकू से हमला किया था. उन्हें गर्दन और पीठ पर गंभीर चोट आई थी. सैफ को इसके बाद लीलावती अस्पताल ले जाया गया था. इसके चलते उनकी सर्जरी तक करनी पड़ी थी. इस मामले की जांच मुंबई पुलिस के साथ-साथ क्राइम ब्रांच ने भी की थी.

पाकिस्तानी एक्ट्रेस का हुआ विरोध

अप्रैल 2025 में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने पर्यटकों की हत्या कर दी थी. इस घटना के बाद भारत-पाकिस्तान के रिश्ते और बिगड़ गए थे. ऐसे में बॉलीवुड-पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सरदार जी 3' भारत में रिलीज नहीं हुई थी, क्योंकि इसमें उनके साथ पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर थीं. भारत में हानिया के साथ तब दिलजीत का भी विरोध हुआ था. हानिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की भी आलोचना की थी.

परेश रावल का 'हेरा फेरी 3' छोड़ना

'हेरा फेरी', 'फिर हेरा फेरी' के बाद अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की तिकड़ी 'हेरा फेरी 3' में भी नजर आएगी. तीनों ने फिल्म की प्रमोशनल शूटिंग भी की थी, लेकिन इसके बाद अचानक से परेश ने फिल्म छोड़ दी थी. ऐसे में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन भी हैरान रह गए थे. इस फिल्म को अक्षय प्रोड्यूस कर रहे हैं और उनकी कंपनी की तरफ से परेश को लीगल नोटिस भी भेजा गया था. लंबे समय तक ये विवाद चर्चा में बना रहा और आखिरकार परेश ने इसमें वापसी की. अक्षय ने खुद उनकी वापसी कंफर्म की थी.'एनिमल' फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा दीपिका पादुकोण और प्रभास को लेकर फिल्म 'स्पिरिट' बनाना चाहते थे. इसे लेकर उनके और दीपिका के बीच बातचीत भी हुई थी, लेकिन फिर खबरें आईं कि एक्ट्रेस ने फिल्म से दूरी बना ली है.

एच1बी वीजा में देरी और रद्दीकरण पर भारत ने जताई चिंता

कहा, बच्चों की पढ़ाई और परिवारों पर गंभीर असर

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों से जुड़े मामलों को लेकर भारत सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि वह अपने नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वीजा परेशानियों, सुरक्षा से जुड़े मामलों, भगोड़े अपराधियों की वापसी और विदेशों में भारतीय छात्रों की मौत जैसे मुद्दों पर विदेश मंत्रालय ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार को एच1बी वीजा नियुक्ति के बार-बार पुनर्निर्धारित होने को लेकर कई शिकायतें मिली हैं। इस कारण बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक लंबे समय से विदेशों में फंसे हैं, जिससे उनके परिवार और बच्चों की पढ़ाई पर गंभीर असर पड़ा है।

भगोड़े अपराधियों की वापसी पर जोर

विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि भारत उन सभी लोगों को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो देश में कानून से बचकर विदेशों में छिपे हुए हैं। इसके लिए कई देशों से बातचीत चल रही है। प्रवक्ता ने कहा कि प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में कई कानूनी स्तर होते हैं, लेकिन सरकार की मंशा साफ है कि ऐसे लोग भारत लौटें और अदालतों में मुकदमे का सामना करें।

आतंकी घटना पर नजर

रणधीर जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच में हुई आतंकी घटना पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारत इस हमले से जुड़े जिम्मेदार लोगों की गतिविधियों से अवगत है और इस मामले में संबंधित विदेशी एजेंसियों के संपर्क में है।

भारतीय छात्र की मौत

कनाडा में एक भारतीय छात्र की मौत पर विदेश मंत्रालय ने गहरा दुख जताया। रणधीर जायसवाल ने बताया कि सरकार मृतक छात्र के परिवार के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों से मौत की परिस्थितियों को लेकर जानकारी ली जा रही है। भारत का दूतावास परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

हजारों भारतीय पेशेवरों से जुड़े एच-1बी वीजा मामले पर गंभीर जताई चिंता

प्रवक्ता ने बताया कि वीजा से जुड़े मुद्दे किसी भी देश के संप्रभु अधिकार क्षेत्र में आते हैं, लेकिन भारत ने अपनी चिंताएं अमेरिका के सामने नई दिल्ली और वॉशिंगटन डीसी, दोनों जगह उठाई हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ लगातार बातचीत की जा रही है ताकि भारतीय नागरिकों को हो रही दिक्कतों को कम किया जा सके। भारत ने अमेरिका में काम करने वाले हजारों भारतीय पेशेवरों से जुड़े एच-1बी वीजा मामले पर गंभीर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बड़ी संख्या में भारतीय आवेदकों के पहले से तय एच-1बी वीजा साक्षात्कार अचानक रद्द या आगे खिसका दिए गए हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि सरकार को कई भारतीय नागरिकों से शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों में कहा गया है कि वीजा साक्षात्कार पुनर्निर्धारित होने के कारण वे लंबे समय से भारत में फंसे हुए हैं और अमेरिका लौटकर अपनी नौकरी जॉइन नहीं कर पा रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, दिसंबर के मध्य से जिन एच-1बी वीजा आवेदकों के साक्षात्कार तय थे, उन्हें अचानक कई महीनों के लिए टाल दिया गया है। कुछ आवेदकों को ई-मेल के जरिए बताया गया कि उनके साक्षात्कार अब अगले साल मई तक के लिए बढ़ा दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह फैसला सोशल मीडिया प्रोफाइल और ऑनलाइन गतिविधियों की अतिरिक्त जांच के चलते लिया गया है।साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि वीजा से जुड़े फैसले किसी भी देश के संप्रभु अधिकार क्षेत्र में आते हैं, लेकिन भारत ने इस मुद्दे को अमेरिका के सामने नई दिल्ली और वॉशिंगटन डीसी, दोनों जगह उठाया है। उन्होंने कहा कि इस देरी से भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को आर्थिक, पारिवारिक और शैक्षणिक स्तर पर गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

हिमाचल में डॉक्टर सामूहिक अवकाश पर

ओपीडी सेवाएं प्रभावित, टर्मिनेशन रद्द करने की मांग

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। शिमला

आईजीएमसी शिमला में मरीज से मारपीट पर आरोपी डॉक्टर को बर्खास्त करने के बाद यह मामला गरमा गया है। गुस्साए चिकित्सक संगठनों ने वीरवार को बैठकें कर शुक्रवार को एक दिन का सामूहिक अवकाश करने का निर्णय लिया है। मांगें न मानने पर शनिवार से हड़ताल पर जाने का एलान किया है। अपनी मांगों को लेकर शनिवार को सुबह रेजिडेंट डॉक्टर मुख्यमंत्री सुक्खू से मिलेंगे। उन्होंने मांगें न मानने पर अपने इस निर्णय पर अडिग रहने की घोषणा की। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने हड़ताल वापस ले ली है। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन आईजीएमसी शिमला के अध्यक्ष सोहिल शर्मा ने कहा कि हम आज यहां आने और हमारी शिकायतों को विस्तार से सुनने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हैं। हमने डॉ. राघव नरूला के बारे में अपनी मांग रखी, जिनके लिए मुख्यमंत्री के आश्वासन के अनुसार जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में घुसकर डॉक्टरों को धमकाने वाली भीड़ के खिलाफ कार्रवाई का भी वादा किया है। इसके अलावा, डॉक्टरों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए संशोधित गाइडलाइंस जारी की गई हैं। आईजीएमसी में 22 दिसंबर को डॉक्टर और मरीज के बीच हुई मारपीट मामले में सरकार ने सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर राघव नरूला की सेवा समाप्ति के आदेश दिए। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के सख्त रुख के बाद की गई। जिसके खिलाफ डॉक्टर संगठनों ने मोर्चा खोला है। डॉक्टर संगठनों का कहना है कि डॉ. राघव नरूला की सेवा समाप्ति का आदेश अन्यायपूर्ण है और इसे तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाना चाहिए। सामूहिक अवकाश के चलते अस्पतालों में सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। हालांकि, आपातकालीन सेवाएं जारी हैं। डीडीयू शिमला में ओपीडी सेवा बंद है, जबकि इमरजेंसी सेवाएं मरीजों को मिल रही हैं। आईजीएमसी शिमला की बात करें तो यहां सिर्फ भी इमरजेंसी सेवाएं चल रही हैं और ओपीडी सेवाएं बंद हैं। जबकि यहां कंसल्टेंट अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

डॉक्टर राघव निरुला को नौकरी से बर्खास्त करने के खिलाफ आक्रोश

आईजीएमसी शिमला अस्पताल में डॉक्टर व मरीज मारपीट मामले में डॉक्टर राघव नरूला को सरकार और विभाग ने टर्मिनेट कर दिया गया है। इस सख्त कार्रवाई के खिलाफ पांवटा क्षेत्र में दोपहर तक बाजार बंद रखा गया है। बाल्मीकि चौक से मुख्य बाजार होकर गीता भवन तक सरकार के इस फैसला के खिलाफ रोष प्रदर्शन निकाला गया। प्रदर्शन में स्थानीय विधायक सुखराम चौधरी भी शामिल हुए। इसके बाद एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश को ज्ञापन भेज दिया गया है। जिसमें डॉक्टर को फिर से बहाल करने की मांग रखी गई है।

नरेश दास्टा ने दी धमकी

आरडीए के अध्यक्ष डॉ. सोहेल शर्मा ने आरोप लगाया कि डॉ. राघव को जान से मारने और देश छोड़ने की धमकी दी गई है। उन्होंने दावा किया कि यह धमकी नरेश दास्टा नामक व्यक्ति ने दी है। एसोसिएशन ने मांग उठाई कि धमकी मामले में तुरंत एफआइआर दर्ज की जाए। एसोसिएशन ने यह भी आरोप लगाया कि आइजीएमसी परिसर में भीड़ ने डॉक्टरों को धमकाया। इससे अस्पताल की कार्यप्रणाली प्रभावित हुई। अस्पताल परिसर में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप भी लगाया है

चिकित्सक के पक्ष में उतरे कुल्लू के डॉक्टर, निष्पक्ष जांच की मांग

आईजीएमसी में मरीज और चिकित्सक मामले में कुल्लू के डॉक्टर्स भी पक्ष में उतर आए हैं। क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में डॉक्टर हड़ताल पर रहे। अस्पताल में डॉक्टरों ने ओपीडी में सेवाएं नहीं दी। चिकित्सकों ने शुक्रवार को अस्पताल परिसर में गेट मीटिंग की। वहीं, चिकित्सक एशोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र कोहली ने कहा आईएमजीसी के चिकित्सक को जिस पद हटाया गया है वो गलत है। इस मामले में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

सामूहिक अवकाश पर चिकित्सक, बेहाल मरीज

सोलन क्षेत्रीय अस्पताल समेत जिले के अस्पतालों में चिकित्सक सामूहिक अवकाश पर होने से मरीजों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात ये हैं कि सुबह मरीजों को चिकित्सकों के सामूहिक अवकाश की जानकारी नहीं थी।

राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी समुद्री सफर

कल कर्नाटक के करवार हार्बर से पनडुब्बी से यात्रा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 28 दिसंबर को कर्नाटक के करवार बंदरगाह से एक पनडुब्बी में समुद्री यात्रा करेंगी। यह यात्रा शनिवार से गोवा, कर्नाटक और झारखंड की उनकी चार दिवसीय यात्रा के दौरान होनी है। राष्ट्रपति भवन ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू 27 दिसंबर की शाम को गोवा के लिए रवाना होंगी। इसके बाद 28 दिसंबर को राष्ट्रपति कर्नाटक के करवार बंदरगाह से एक पनडुब्बी में समुद्री यात्रा करेंगी।

वायु सेना के दो लड़ाकू विमानों में भी भरी थी उड़ान

राष्ट्रपति मुर्मू भारतीय वायु सेना के दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं। उन्होंने इस वर्ष 29 अक्तूबर को राफेल में उड़ान भरी थी और 2023 में सुखोई 30 एमकेआई में उड़ान भरी थी।

झारखंड के जमशेदपुर भी जाएंगी राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को झारखंड के जमशेदपुर में ओल चिकी के शताब्दी समारोह में शामिल होंगी। इस बयान में कहा गया है, उसी दिन वह एनआईटी जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह को भी संबोधित करेंगी। 30 दिसंबर को राष्ट्रपति झारखंड के गुमला में एक अंतरराज्यीय जनसांस्कृतिक समागम समारोह, कार्तिक यात्रा को संबोधित करेंगी।

पूर्व राष्ट्रपति कलाम के बाद पनडुब्बी यात्रा करने वाली दूसरी राष्ट्राध्यक्ष

राष्ट्रपति मुर्मू पनडुब्बी में यात्रा करने वाली दूसरी राष्ट्राध्यक्ष होंगी। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति (दिवंगत) एपीजे अब्दुल कलाम ने 13 फरवरी, 2006 को विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से पनडुब्बी में समुद्री यात्रा थी। राष्ट्रपति की यह समुद्री यात्रा शनिवार से शुरू होने वाली उनकी चार दिवसीय गोवा, कर्नाटक और झारखंड यात्रा के दौरान निर्धारित है।

पीएम मोदी और असम के मुख्यमंत्री ने त्रिपुरा के अध्यक्ष बिस्व बंधु के निधन पर जताया दुख

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

शुक्रवार 26 दिसंबर को त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष बिस्व बंधु सेन का निधन हो गया। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, असम के मुख्यमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ कई लोगों ने दुख जताया है। 72 साल के सेन का शुक्रवार को बेंगलुरु के एक नीजि अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें ब्रेन स्ट्रोक आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सेन का पार्थिव शरीर शनिवार को त्रिपुरा लाया जाएगा। सेन उत्तरी त्रिपुरा के धर्मनगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताते हुए कहा कि उन्हें राज्य की प्रगति को बढ़ावा देने के प्रयासों और कई सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए याद किया जाएगा।

वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ बड़ी सफलता

कंधमाल में छह माओवादियों के मारे जाने पर बोले पूर्व सीएम पटनायक

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल (बीजेडी) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने शुक्रवार को कंधमाल जिले में छह माओवादियों को ढेर करने वाले सुरक्षाकर्मियों की तारीफ की। पटनायक ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद को रोकने के लिए राज्य के किए गए निरंतर प्रयासों का ही परिणाम है कि आज राज्य को इस मोर्चे पर बड़ी सफलता मिली है।

कार्रवाई पर जताई खुशी

पटनायक, जो 24 वर्षों से ज्यादा समय तक राज्य के गृह विभाग के प्रभारी भी रहे हैं। उन्होंने माओवादी से मुख्यधारा में लौटने की अपील की। पटनायक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'यह जानकर खुशी हुई कि छह सीपीआई (माओवादी) कैडरों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। वामपंथी उग्रवाद देश के लिए एक गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौती रहा है और ओडिशा के वामपंथी उग्रवाद को रोकने के लगातार प्रयासों से इसमें काफी सफलता मिली है।'

विकास और शांति पर जोर

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक-आर्थिक विकास, सड़क कनेक्टिविटी और गरीब-समर्थक नीतियों पर राज्य का ध्यान केंद्रित करने से माओवादी गतिविधियों में लगातार कमी आई है। उन्होंने कहा, 'हमने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि सभ्य दुनिया में हिंसा की कोई जगह नहीं है। मैं क्षेत्र के वामपंथी उग्रवादियों से अपील करता हूं कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर प्रगति और विकास को अपनाएं।'

1.1 करोड़ का इनामी हुआ था ढ़ेर

बता दें कि, शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके पर 1.1 करोड़ रुपये का इनाम था और वो ओडिशा में माओवादी संगठन का बड़ा नेता था। वो उन 6 माओवादियों में शामिल था जो कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए।

शीर्ष नेतृत्व ने क्या कहा?

इस कार्रवाई के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कंधमाल मुठभेड़ को एक बड़ी सफलता बताया, जबकि ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इसे माओवादी-मुक्त भारत बनाने की दिशा में 'एक उल्लेखनीय सफलता' बताया।

कार्रवाई पर डीजीपी ने क्या कहा?

इसको लेकर ओडिशा के डीजीपी वाई बी खुराना ने कहा कि ओडिशा में एलडब्ल्यूआर (वामपंथी उग्रवाद) गतिविधियां काफी कम हो गई हैं, लेकिन यह कंधमाल पुलिस के लिए अभी एक चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अब पुलिस और सुरक्षा बलों का पूरा ध्यान कंधमाल और उसके आस-पास के जिलों पर केंद्रित है।

'मध्यस्थता कानून की कमजोरी का संकेत नहीं बल्कि इसका उच्चतम विकास'

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कानून में मध्यस्थता की अहमियत बताते हुए कहा कि मध्यस्थता, कानून की कमजोरी का संकेत नहीं है बल्कि यह कानून का उच्चतम विकास है। सीजेआई ने कहा कि मध्यस्थता को अब एक सफल, कम लागत वाले औजार के रूप में दोनों पक्षों से स्वीकार्यता मिल रही है। गोवा में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन और मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा, जिला अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक, सभी स्तरों पर बड़ी संख्या में मध्यस्थों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता, जो न्यायिक मामलों के लंबित होने को कम कर सकती है, कानून की कमजोरी का संकेत नहीं है, बल्कि इसका उच्चतम विकास है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'जैसे-जैसे हम भविष्य की ओर देख रहे हैं, मैं बहु-द्वार कोर्टहाउस की कल्पना करता हूं। यह एक दूरदर्शी अवधारणा है जहां कोर्ट सिर्फ ट्रायल की जगह नहीं रह जाता है। बल्कि, यह विवाद समाधान के लिए एक व्यापक केंद्र बन जाता है।' सीजेआई ने कहा कि जब न्याय चाहने वाला कोई व्यक्ति कोर्ट आता है, तो उसे मध्यस्थता और अंततः मुकदमेबाजी के विकल्प मिलने चाहिए।

मंदिर में मंडला पूजा के साथ मकरविलक्कू उत्सव की तैयारियां तेज

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। सबरीमाला

सबरीमाला मंदिर में चल रही तीर्थयात्रा के आधिकारिक आंकड़े शुक्रवार को जारी कर दिए गए हैं। इन आंकड़ों अनुसार मंदिर में अब तक दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 30 लाख के पार पहुंच गई है। हालांकि, यह संख्या पिछले साल की तुलना में दो लाख से ज्यादा कम है। इस साल 25 दिसंबर तक यह आंकड़ा 30 लाख के पार पहुंच पाया है। जबकि पिछले साल 23 दिसंबर तक 30 लाख का आंकड़ा पार हो गया था। उस समय 23 दिसंबर तक 30,78,044 श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचे थे। पिछले साल 25 दिसंबर तक दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 32,49,756 थी। हालांकि, 2023 में, उसी तारीख तक मंदिर में दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या लगभग 28.42 लाख ही थी। इस सीजन मंदिर में शुरू से ही भारी भीड़ देखी गई है। इसको देखते हुए हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद प्रशासन ने वर्चुअल कतारें और तत्काल बुकिंग पर सख्त सीमाएं लागू की हैं, ताकि भीड़ को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सके। इस बार 19 नवंबर को सबसे ज्यादा भीड़ दर्ज की गई।

आज रात 11 बजे 'हरिवरासनम' के बाद बंद होगा कपाट

'थंगा अंकी' जुलूस के कारण शुक्रवार सुबह से पंपा से श्रद्धालुओं की आवाजाही भी प्रतिबंधित कर दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि सुबह 9 बजे तक 22,039 श्रद्धालुओं ने दर्शन पूरे कर लिए थे। अब मंडला पूजा शनिवार को होगी और इस मौके पर देवता को सुनहरे कपड़ों से सजाया जाएगा। पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 10.10 बजे से 11.30 बजे के बीच है। बता दें कि सबरीमाला मंदिर शनिवार रात 11 बजे 'हरिवरासनम' (भक्ति गीत) के बाद बंद हो जाएगा और मकरविलक्कू उत्सव के लिए 30 दिसंबर को फिर से खुलेगा।

नमो भारत रैपिड ट्रेन में अश्लील कृत्य की दूसरी क्लिप वायरल

जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद

- प्रबंधन ने जनता को किया आगाह क्लिप शेयर नहीं करें

नमो भारत रैपिड ट्रेन में कॉलेज छात्र छात्रा का अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद सक्रिय रूप से कार्यवाही करते हुए आपरेटर की बर्खास्तगी और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की शिकायता के बाद अब दूसरी वीडियो क्लिप फिर से उसी वीडियो के दूसरी क्लिप वायरल होने से प्रबंधन की परेशानियां बढ़ा दिया है। इसको लेकर एनसीआरटीसी प्रबंधन ने जनता से सुचिता का हवाला देते हुए पार्ट 2 क्लिप प्रचारित नहीं करने की अपील किया है। एनसीआरटीसी प्रबंधन द्वारा इस संबंध में पुलिस में शिकायत देकर वायरल वीडियो शेयर करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही किए जाने की बात हेतु पत्र भी लिखा है। आखिर प्रबंधन अपनी खामियों के ठीकरा जनता के सिर पर कानूनी कार्यवाही के3 नाम पर फोड़ना चाहता है। आखिर क्यों जनता को कानूनी डर दिखाया जा रहा है। वायरल वीडियो को रोकने के लिए सोशल मीडिया के प्रबंधन के पास क्यों नहीं शिकायत दे रही है यह भी सोचनीय है।

दो पहिया वाहन चोर गैंग का खुलासा, 4 गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद

गाजियाबाद के थाना सिहानी गेट पुलिस ने एक ऐसे गैंग का गिरफ्तार किया है, जो चंद सेकंड में दो पहिया वाहन चोरी करने में सिद्धहस्त था। अपने जॉच में पुलिस ने तीन वाहन चोर और 1 मिस्त्री को गिरफ्तार किया है। जिसमें मिस्त्री फूल सिंह चोरी की बाइकों को बेचने का काम किया करता था। एसीपी उपासना पांडे ने बताया कि इनके पास से 11 मोटरसाइकिल बरामद की गई है, जिसमें बुलेट मोटरसाइकिल और हाई स्पीड बाइक भी शामिल है। यह गैंग काफी सालों से सक्रिय है और कई मोटरसाइकिलों को चोरी कर चुका है। फिलहाल पुलिस इनका अन्य अपराधी इतिहास खंगाल रही है। गैंग का खुलासा करने पर टीम को 25000 का ईनाम भी दिया गया है। गाजियाबाद में पुरानी गाड़ियों के कारोबार का मुख्य केंद्र हैं। जहां चार पहिया से लेकर 2 पहिया तक की खरीद बिक्री जमकर होती है। जिसमें कुछ चोरों की सेटिंग तथाकथित मिस्त्री अथवा खरोद बिक्री करने वालों से होती है। जो ऐसे कृत्य में संलग्न रहते हैं। पुलिस कार्यवाही के बाद ऐसे कृत्य करने वालों।हड़कंप मचा है । पुलिस द्वारा भी जांच करके गिरोह में।शामिल लोगों के खिलाफ कार्यवाही की बात कही है।

गाजियाबाद का जिला अस्पताल बना नशे का अड्डा

जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद

- अस्पताल परिसर के शौचायल पर मिले इंजेक्शन ओर नशे की दवाइयां
- जब अस्पताल परिसर में ही होगा नशा तो कैसे हो पाएंगे मरीज दुरस्त

गाजियाबाद के जिला एमएमजी अस्पताल परिसर में नशीली दवाओं के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। सीएमएस के दफ्तर से। चंद कदमों की दूरी पर तमाम ऐसे इंजेक्शन नशे की दवाइयां और नीडल पड़े हुए मिले है। जिसको देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहर में जिला एमएमजी अस्पताल को नशेड़ी सुरक्षित स्थल समझने लगे हैं। जिला अस्पताल के परिसर में बने शौचालय में यह सारी तस्वीरें कैद हुई है। सरकार को भी देखना चाहिए किस तरह से दवाइयां का नशे के लिए इस्तेमाल हो रहा है। जबकि खुद प्रदेश इस समय कफ़ सिरफ के मामले में पूरे भारत में चर्चा का विषय बन हुआ है। विशेषज्ञों की माने तो यह दवाइयां बिना डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन के नहीं मिल सकती है। इन दवाइयां को प्राप्त करने के लिए अस्पताल में लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। जिसके तहत इन दवाइयां को रखा जाता है और हर एक व्यक्ति को देने के लिए उसका रिकॉर्ड भी रखा जाता है। लेकिन ऐसी दवाएं खुले में कैसे पड़ी हैं इसका जवाब किसी के पास नहीं है। नशीली दवाओं के खुले आम परिसर में।मिलने से सुरक्षा व्यवस्था के साथ साथ प्रबंधन पर भी सवालिया निशान खड़ा होता है। परिसर के अंदर इस तरह से नशे की दवाइयां का मिलना कई सवाल खड़े करता है । अगर यह निष्प्रयोज्य है तो इसका समुचित निस्तारण होना चाहिए अथवा कागजी कोरम पूरे किए बिना इसका दुरुपयोग हो रहा तो इसकी जांच आवश्यक है। अब अगर अस्पताल के मेडिकल वेस्ट के बात की जाए तो उसके लिए भी चार नियम कोड बनाए गए हैं। किसी भी अस्पताल का मेडिकल वेस्ट आमतौर पर खुले में नहीं फेंका जा सकता है। ऐसा करने पर 5 लाख का जुर्माना लगाया जाता है। यह मेडिकल वेस्ट चार कलर कोड के हिसाब से अलग किया जाता है। जिसके बाद इसको अलग डिस्ट्रॉय या फिर नष्ट किया जाता है। अस्पताल प्रबंधन समय रहते अगर इसपर ध्यान नहीं दिया तो भविष्य में कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है।